J-12 chi 25142 The Gazette of India yiluant à yanilia Published by Authority

सं 0 2 3]

नई विल्ली, शनिवार, जून 7, 1980 (ज्येष्ठ 17, 1902)

No. 231

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 7, 1980 (JYAISTHA 17, 1902)

इस माग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियम्ब्रक और महालेखावरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलक्ष्य और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय कार्मिक एवं प्रशासन विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनोंक 17 मई 1980

सं० पी० एफ०/एस०-242/73-प्रशा०-1—पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, केन्द्रीय अन्वेषण म्यूरो में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्ति पश्चिम बंगाल, राज्य पुलिस के अधिकारी श्री संतोष कुमार लहिरी को धिनांक 30-4-1980 के अपराह्म में केन्द्रीय अन्वेषण म्यूरो, आधिक अपराध स्कंध, कलकत्ता शाखा में अपने कार्य-भार से मुक्त कर दिया गया है।

> की० ला० ग्रोबर, प्रशासनिक ग्रधिकारी (स्था०), केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल नई दिल्ली-110001, दिनांक 16 मई 1980

सं० भ्रो० दो-45/77-स्थापना—श्री एन० स्वेन, भारतीय पुलिस सेवा भ्रधिकारी ने भ्रोड़ीसा संवर्ग मे प्रत्यावतन होने के फलस्वरूप, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने महानिरीक्षक 1—96 GI/80

सेक्टर-II, कलकत्ता के पद का कार्यभार दिनांक 16-4-80 के भ्रपराह्न से छोड़ दिया।

D. D—(D)—73

विनांक 19 मई 1980

सं० भ्रो० दो-257/69-स्थापना—श्री जय नारायण सिंह ने उनके सरकारी सेवा से निय्त्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस ग्रधीक्षक, 27 वाहिनी, के० रि० पु० बस के पद का कार्यभार 31-1-1980 (भ्रपराह्म) को त्याग दिया।

सं० घ्रो० दो-1464/80-स्थापना---महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्भ पुलिस बल ने डाक्टर के० गनेनेशेखरन को 1 मई 1980 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए घथवा उस पव पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमे जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्भ पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप मे नियुक्त किया है।

सं० श्रो० दो-1466/80-स्थापना—राष्ट्रपति श्री भाई० बी० नेगी, उत्तर प्रदेश संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा श्रिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनकी प्रति-निसुकित पर उप महानिरीक्षक के पद पर निसुक्त करते हैं।

(6345)

2. श्री नेगी ने केन्द्रीय रिश्वर्य पुलिस बल के उप-निवेशक, ग्राई० एस० ए०, माउंट ग्राबृ के पद का कायभार दिनांक 5-5-80 के पूर्वाह्न से संभाला।

> के० झार० के० प्रसाद, सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई विल्ली-110011, दिनांक 15 मई 1980

सं० 10/36/79-प्रणा०-I—संघ लोक सेवा झायोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री ईश्वर चन्द्र झग्नवाल की, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कोर्यालय में तारीख 23 झप्रैल, 1980 के पूर्वाह्म से अगले आधेशों तक, झस्थाई क्षमता में प्रनुसंधान अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री भग्नवाल का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 10/4/80-प्रशा०-1---राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में कन्सोल धापरेटर के पद पर कार्यरत श्री ए० पी० गुप्ता को उसी कार्यालय में तारीख 22 ग्रप्रैल, 1980 के पूर्वाह्म से एक वर्ष की ग्रविध के लिए या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाए, जो भी ग्रविध पहले ही, पूर्णतः ग्रस्थाई भीर संदर्ष ग्राधार पर सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पंच पर सहें कि कि स्विध के कि स्विध पहले ही, ----

- 2. श्री ए० पीं० गुप्ता की मुंबित्य नई विल्ली में होगा।
- 3. उपरोक्त पव पर तदर्थं नियं कि ही ए० प्री० गुप्ता को सहायक निवेशक (प्रोग्राम) के पद पर नियं मित्र हिन्द हि

पीं० पर्द्मनाभ, भोरित के महापंजीकार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय: निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनोंक 21 मई 1980

सं प्रशीसन-गुना ग्रा० सं 100 वाधेनेयं निवृत्तिं की ग्रीमुं प्राप्त कर लेने के परिणामस्वस्य इस समय भारतीय ऐतिहोसिक ग्रानुंसंग्रान परिषद् नई दिल्ली में बाह्य सेवा पर गए इस कार्योलय के श्री भवतार सिंह, एक स्थायी लेखां-परीक्षा ग्रीधकारी भारत सरकार की सेवा से 31 मई, 1980 (श्रीपराह्न) से सेवां-निवृत्तिं हो जाएंगे।

उनकी जन्म-तिथि 5 मई, 1922 है।

सी० के० जोसेफ, संयुक्त निवेशक लेखापरीक्षा, (प्रशासक) कार्यालय निदेशक लेखा परीका,

ैरक्षासेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 19 मई 1980

सं० 694/ए०-प्रणासन/130/79-80—वार्धेक्यं निवृत्ति प्रामु प्राप्त करने पर भी एम० ए० बरकत, अंक्षाई लेखा परीक्षा प्रधिकारी दिनांक 30-4-80 (प्रपराह्म) लेखा परीक्षा सेवाएं विभाग से सेवा निवृत्त हुए।

> केंँ० बी० देशिसं भौमिक, संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा रक्षासेवाएं

वाँणिंग्यो एँवें नीगरिकें ग्रापूर्ति मंद्रालय (वाणिंग्यें विभान)

मुख्य नियंतिक, ग्रीयोति-नियंति का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 17 मई 1980 अध्यात एवं नियंति व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सैं०-6/155/54-प्रशासन (राज०)/2979—सेवा निवस्ति की भाजु होने पर केन्द्रीय व्यापार सेवा के वन-1 में स्वाना-पन्न ग्रधिकारी श्री ग्रो० एन० ग्रानन्द ने 30-4-1980 (दीपहर बांद) को दूस कार्यालय में संयुक्त मुख्य नियंत्रक -जीवारी-निर्मित के पर्वे की कार्यालय में संयुक्त मुख्य नियंत्रक

12 OCT 15 1

पी० सी० भटनागर, उस-मुख्य नियंत्रक, अधित-नियति, कृते मुख्य नियंत्रक, ध्रायात-निर्यात

Citic Kets

उद्योग मंझालय

🚅 🗯 मोद्योगिक विकास विभाग

विकास प्रायुक्त (लक्षु उचीर्ग) का कार्मालय नई विल्ली-110011, दिनोंक 29 प्रप्रैल 1980

सं० ६०-19018(140)/74-प्रका० (राज०) --- लाबु उद्योग किस्तार प्रसिक्षण संस्थान, हैक्सावार में सहायक संकाय संस्थान के पह से प्रत्यावतीय होंने पर, राष्ट्रपति जी, श्री एम० एस० टड्क्म को दिनाक ६ मार्च, 1980 (पूर्वाह्म) से श्रमले प्रावेगी तक, लेखे उद्योग सेवा संस्थान, बंबई में सहायक निर्वेशक, ग्रेंच-1 (ग्रीविक किवेंबण/उस्पावन स्वकाक) के पर पर निर्वेशक करते हैं।

दिनांक 15 मई 1980

सं० ए॰-19018 (464)/79-प्रशासन (राजपिन्नत) राष्ट्रपति जी, श्री देवाशिश मुख्युर्जी को दिनांक 19 मार्च, 1980 (पूर्वाह्न) से अनले आदेशों तक के लिए लघ उद्योग क्षेत्रा संस्थान, कटक में सङ्घायक निवेशक, ग्रेड-1 (धातुकर्म) नियुक्त करतें हैं।

मंहिन्द्रे पील गुप्त, उपनिदेशक (प्रशीध)

· विस्फोदक • विभाग

नागपुर, दिनांक 16 मई 1980

सं० ६०-II (7)—- इस विभाग के मधिसूचना सं० ६०-II(7) विनांक 11 जुलाई, 1969 में निम्नलिखित जोड़ा नाए, मर्यात्:

,श्रेगी ,2-नगइद्रेट मिम्हकर के मधीन

 "ब्रैन्टिनेक्स जी 1" अधिष्ट के पूर्व 'कलवेक्स-90, कलवेक्स-210, कलवेक्स-220, कलवेक्स-600, कल-वेक्स-650 और कुलवेक्स-पी. विनिर्माण अभिप्रयोग के कार्यान्त्रयन हेत्" जोड़ा जाए।

.श्रेणी उम्मप्रभाग ।

 अभिष्ट "वेस स्मास्ट जिलेटिन" में "31-3-1980" अंकों के स्थान पर "31-3-1981" झंक मित-स्थापित किए जाएंगे।

> कंगुल कर्यसङ् अर्ति, न्युक्य विस्कोटक नियंत्रक ।

पूर्ति विभाग

पुर्वत_्वायाः तिमाटान*-महा*स्तिम्बस्स्य

(प्रसासन मनुभाग-6)

न्मई, दिख्ली, विनांक 13 मई 1980

सं० ए०-17011/12/71-भाग-II—राष्ट्रपति भन्नास निरी-क्षणालय के मधीन छम सिक्केशक निरीक्षण वंगलौर के कार्यालय में ्रनिरीक्षण मधिकारी (इंजीनियरी) (भारतीय निरीक्षण सेवा सूप "ए" इंजीनियरी अपूजा के प्रेड III) श्री मार० के गृष्त का दिनांक 29-8-79 से स्रकारी सेवा से त्यागपत्न स्त्रीकार करते हैं।

> ापी० व्ही० ∞सेठ, उप-निवेशक (प्रशासन)

इस्पात भौर खाम मन्नालय

. (स्रानः विभान)

ाप्तक्ररतीय त**भूत्रैक्**मिकः सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016 दिनांक 13 मई 1980

सं० 3436/ए०-32013 (.4-क्र्लिर)/78-19 बी०— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निक्नलिक्षित बरिष्ठ तक्कनीकी सहाधकों (व्हिलिंग) को क्लिंप के पर भारतीय भूकेक्षाचिक सर्वेक्षण मे वेतन निक्रमानुसार 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 क० वेद्देशहासन में, इमानाकन क्षामता में, ज्ञामांशी कार्यम होने तक प्रत्येक के सामने वर्शाई गई तिथि से मदोस्रति पर नियुक्त किया जा रहा है:—

फ नाम सं०	कार्यभार ग्रहण विश्वि
1. श्री ल्योतिर्मय दास	. 29-1-1980 (पूर्वाह्न)
2. श्रीएस० एल० तनेजा	14-1-1980 (पूर्वाह्म)
3. श्रीए० सी० विष्वास	. 14-1-1980 (पूर्वाह्म)
4. श्री एम० म्रार० सरकार	14-1-1980 (पूर्वाह्न)
5. श्री एच० एम० नौटियाल	29-1-1980 (पूर्वाह्म)

वी० एस० कृष्णस्वामी, महा निवेशक ।

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

, महासर्वेशकका कार्यक्रय

वेहरादून, दिनांक 14 स्ह 1980

सं० स्था०1-5623/579-सिलेक्सन-74 (क्लास II) — इस कार्यालय की मिक्स्चिना सं० स्था० 1-5616/579 सिलेक्सन-74 (क्लास-II) दिनांक 10 क्रप्रील, 1980 के मनुकम में श्री जे० एम० धर्मा, प्रधिकारी सर्वेक्षक, ग्रुप 'बी' की तर्व्य नियुक्ति की भ्रवधि 30-3-1980 से 6 माह के लिए और भ्रथना उस समय तक के लिए जब तक कि यह पद नियमित माधार पर नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, क्षा औ जाती है।

सं० ६०/5624/698-मैप क्यूरेटर—श्री ए० बी० सर्कार, ग्रधीक्षक, महासर्वेक्षक, क्रार्यालय, को मैप, क्यूलेटर (सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग "बी") के पव पर 550-25-750-द० रो०-30-900 र० के वेतनमान में, पूर्वी सिकल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, कलकता में स्थानान्तरण प्रतिनिमृक्ति पर 7 अत्रल, 1980 पूर्वाहन से अग्रिम आदेश तक, के लिए स्थानान्यन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

सं० सी०-5625/718-ए०--श्री एस० एन० सुब्बा राव, कार्यालय प्रधीक्षक (सीनियर स्केल) स० प्र० एवं मा० उ० के०, 16 भन्नेल 1980 (पूर्वाह्न) से श्री के० वी० कृष्णुतसूर्ति जो छुट्टी पर गए हैं, के स्थान पर सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद मे स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सामान्य सिविल सेवा ग्रुप "बी") के पद पर 840-40-1000-द० रो० 40-1200 र० के वेतनमान मे तहर्व श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

दिनांक 16 मई 1980

सं० सी-5626/718ए—श्री जे० पी० चोपड़ा, स्थानापन्न ध्राधिक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय, 31 मार्च, 1980 (अपराह्न) से श्री जे० के० गर्मा, स्थापना एवं लेखा ध्रधिकारी, सेवा निवृत्त के स्थान पर पश्चिमोत्तर सर्कल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, चण्डीगढ़ में स्थापना एवं लेखा ध्रधिकारी (सा० सि० सेवा ग्रुप 'बी') के पद पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

के० एल० खोसला, मेजर जनरल, भारत के महासर्वेक्षक

श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक मई 1980

सं० 2/28/61~एस० दो—श्री जी० एन० श्रीवास्तव, विरुठ प्रशासन श्रधिकारी, श्राकाशवाणी, विरुत्ती 30-4-80 को सेवानिवृत्त हो गए हैं और उन्होंने 30-4-80 को अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

एस० वी० सेषादी, उप निदेशक (प्रशासन)

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1980

सं० ए० 13-10/79-प्रशासन-I—डा० (श्रीमती) मंजीत कौर की डा० राम मनोहर लोहिया ग्रस्पताल, नई विल्ली में बदली हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 31 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से उसी ग्रस्पताल में दन्त सर्जन के पद का कार्यभार तदर्थ आधार पर संभाल लिया है।

डा० राम मनोहर लोहिया भ्रस्पताल, नई दिल्ली में दन्त सर्जन के पद पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप डा० (श्रीमती) मंजीत कौर ने 31 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली से दन्त सर्जन के पद का कार्यभार छोड़ विया है।

दिनांक 12 मई 1980

सं० ए० 19019/32/76-(जे० माई० पी०)-प्रशा० I— राष्ट्रपति ने जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकिरसा शिक्षा एवं भनुसन्धान संस्थान, पांडिचेरी में फार्माकालोजी के लेक्चरर डा० टी० के० भट्टाचार्य का सरकारी सेवा से इस्तीफा 9 मप्रैल, 1980 मपराह्म से मंजूर किया है।

विनांक 13 मई 1980

सं० ए० 12026/26/79-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने कुमारी चन्द्रा कुमारी भरोरा को 1 भर्नेल, 1980 पूर्वाह्न से भागामी भ्रादेशों तक लेडी हाडिंग मेडिकल कालेज एवं श्रीमती सुचेता कृपलानी भ्रस्पताल, नई विल्ली में हिन्दी श्रिधकारी के पद पर तदर्थ भाधार पर नियुक्त किया है। गाम लाल कुठियाला, उप निदेशक (प्रशासन)

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंद्रालय विपणन्, एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 14 मई 1980

सं० ए० 19025/31/78-प्र० तृ० — श्री एम० एस० हलवा कोस्टा, सहायक विपणन ग्रधिकारी को भारतीय खाद्य निगम, गया (बिहार) में सहायक प्रवन्धक का पदभार प्रहण करने के लिए, काल्पनिक वाहय सेवा पर, इस निदेशालय में नागपुर से दिनांक 1-12-79 (पूर्वाह्म) से कार्यभार से मुक्त किया गया है।

दिनांक 17 मई 1980

सं० ए० 19025/15/80-प्र० तृ०—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग ख) की संस्तुतियों के अनुसार श्री टी० एन० मेहरा, वरिष्ठ निरीक्षक, को इस निदेशालय के अधीन कानपुर में दिनांक 24-4-80 (पूर्वाह्न) से श्रगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (ग्रुप III) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/16/80-प्र० तृ०—िवभागीय प्रवोक्तित सिमिति (वर्ग ख) की संस्तुतियों के प्रनुसार श्री टी० ए० नारायनन, वरिष्ठ निरीक्षक, को इस निवेशालय के प्रधीन राजकोट में दिनांक 28-4-80 (पूर्वाह्म) से प्रगले प्रादेश होने तक स्थानापक सहायक विपणन श्रीधकारी (वर्ग III) नियुक्त किया गया है।

सं० ए०19025/22/80-प्र० तृ०—विभागीय पद्योक्षति समिति (वर्ग ख) की संस्तुतियों के मनुसार श्री जी० एम० मून, वरिष्ठ निरीक्षक, को इस निदेशालय के प्रधीन बम्बई में दिनांक 17-4-80 (पूर्वाह्न) से ग्रगले ग्रादेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन प्रधिकारी वर्ग 1 के पद पर नियुक्त किया गया है।

विनांक 19 मई 1980

सं० ए० 19025/25/80-प्रणा०तृतीय—विभागीय पदोन्नित समिति (वर्ग ख) की संस्तुतियों के प्रनुसार श्री भार० एन० माथुर, वरिष्ठ निरीक्षक, को इस निदेशालय के प्रधीन जयपुर में दिनांक 29-4-1980 (प्रपराह्न) से प्रगले भादेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन भिधकारी (वर्ग 3) के रूप में नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनीहार प्रशासन निवेशक कृते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग बम्बई-5, विनांक 13 मई 1980

सं० पी० पी० ई० डी०/3(283)/76-प्रशासन/6400— निदेशक, विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई एतद्-द्वारा भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और इस प्रभाग के स्थानापन्न लेखाकार श्री पी० वासु को 5 मई, 1980 के पूर्वाह्म से 19 जून, 1980 के अपराह्म तक की अवधि के लिए उसी प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर ग्रस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक लेखा ग्राधिकारी श्री बी० के० हुर्षे के स्थान पर की जा रही है, जो छुट्टी पर खले गए हैं।

> ब॰ वि॰ थत्ते, प्रशासन ग्रधिकारी

ऋय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 25 भग्रैल 1980

सं० डीपीएस/4/1(5)/77-प्रशा०/6698—परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भंडार निवेशालय के निवेशक ने उन अधि-कारियों को, जिनके नाम नीचे विए गए हैं, उसी निवेशालय में 25 जनवरी, 1980 से सहायक भंडार अधिकारी के स्थायी पदों पर मौलिक रूप से नियुक्त किया है:—

ऋ० नाम ग्रौरयूनिट सं०	वर्तमान ग्रेड	स्थायी पद, यदि कोई है तो
1. श्री एस॰ एल॰ दाते भंडार यूनिट (ऋय भौर भंडार निवेशालय) तारापुर परमाणु	सहायक भंडार ग्रधिकारी	डाक ग्रौर तार विभाग में समयमान लिपिक
बिजलीघर, तारापुर 2. श्री बी० डी० कंडपाल भंडार यूनिट (ऋय ग्रीर भंडार निदेशालय) नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना, नरोरा।		

दिनांक 1 मई 1980

सं० डीपीएस/21/1(2)/78-स्था०/6951—परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भंडार निवेशालय के निदेशक ने स्थायी ऋय सहायक श्री दत्तान्नेय यशवन्त शितुत की 1 मई, 1980 के पूर्वाह्म से भगले आदेश तक के लिए उसी निवेशालय में द० 650-30-740-35-810-दक्षता रोध-35-880-40-1000-दक्षता रोध-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न ऋय अधिकारी नियुक्त किया है।

के० पी० जोसफ, प्रशासन मधिकारी

मद्रास-600006, विनांक 28 भ्रप्रैल 1980

सं० एमध्रारपीयू/200(18)/80-प्रशा०—कय भौर भंडार निदेशालय के निदेशक ने भ्रस्थायी भंडारक श्री बी० दंड-पाणि को उसी निदेशालय के मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना भंडार में 28 मार्च, 1980 (पूर्वाह्न) से 3 मई, 1980 (भ्रपराह्न) तक के लिए ६० 650-30-740-35-810-दं० रो०-35-880-40-1000-दं० रो०-40-1200 के वेतनमान में तवर्थ

माधार पर स्थानापन्न सहायक भंडार मधिकारी नियुक्त किया है।

> एस० रंगाचारी वरिष्ठ कथ भधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्रण

हैदरानाव-500762, दिनांक अप्रैल 28/7 मई 1980

सं० पीएआर/0704/2304—अधिसूचना सं० पीएआर/0704/1241 दिनांक 21-2-1980 के कम में नाभिकीय ईंग्रन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने सहायक कार्मिक अधिकारी श्री बी० आर० विजयन के अवकाश प्रहण करने के कारण श्रीखोगिक अस्थायी आशुलिपिक (एस० जी०) श्री भ० ल० गणपित शास्त्री की दिनांक 4-4-1980 पर्यन्त से 5-5-1980 पर्यन्त स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के प्रव पर नियुक्ति को भागे बढ़ा दिया है।

यू वासुदेवा राष, प्रशासन अधिकारी

रिऐक्टर धनुसन्धान केन्द्र भुम्बई-400 039 दिनांक 3 मई 1980

सं० ए० 32023/1/77/प्रार-5657—श्री के० एम० वेसायुधन ने, जिनको इस केन्द्र, की तारीख 15-3-80 की समसंख्यक प्रधिसूचना द्वारा तदर्थ प्राधार पर 5 मार्च, 1980 के पूर्वाह्म से स्थानापन्न सहायक लेखा प्रधिकारी पदोन्नत किया गया था, उक्त पद का कार्यभार 9 प्रप्रैल, 1980 के प्रपराह्म में छोड़ दिवा है।

एस० पदमनाभन, प्रशासन मधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई विल्ली, दिनोंक 13 मई 1980

सं० ए० 38013/1/80-ई० सी०---वैमानिक संचार संगठन के निम्निलिखित दो मधिकारियों ने निवर्तन मायु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर, दिनांक 31-4-80 (मपराह्न) को मपने पद का कार्यभार त्याग दिया है:—

क्रम नाम व पवनाम सं०	स्टेशन
 श्री भार० के० सचदेव सहायक सकतीकी ग्रिधिकारी 	नियंक्षक, केन्द्रीय रेडियो स्टोर डिपो, नई दिल्ली ।
 श्री घो०पी० तिवारी सहायक तकनीकी ग्रिविकारी 	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली ।

'विमांक 14 मई 1980		1 2 3		4	
सं० ए० 32013/5/	78-ई० सी०इस वि	भागकी दिनांक	सर्वेश्री		() pa = 400 - 7£ 1
6-3-80 की मधिसूचना			तपत्र। 4. त्थीए० प्रतनगुगम	वै ० सं० स्टेशन,	21 10 50
कि ऋम में राष्ट्रपति ने श्री	मार०पी० सर्मा र्क	नागर विमानन	जाः स्थाः द्वार शहरातु । सा	मबास मबास	31-12-79 के बाद झौर
विभाग में उपनिदेशक संचा	र के रूप में तदर्थ नियु	क्तिको विनांक		אות	क बाद आ र 30-4-80
31-12-79 के बाद 7-2-	·80 तक जारी रखने की	ी मंजूरी दी है।			उ∪-4-6∪ तक
सं० ए० 32013/9	/78-ई० सी०इस वि	भाग-की दिनांक	5. के० ग्रार ० रामानुजम	वै० सं० स्देशन,	31-12-79
.30-4-79 की कश्चिस्				बम्बई	्के बाद घौर
क्रिन्स क 12-4-79 की		•		•	30-4-80
र्क्क० भुद्धी० सञ्चा विनांक					तक
32013/9/7-8-ई०-सी०	के क्रम में, सस्ट्रपति	ने निम ्यक् रिश्वत	 भ्रो०पी० छात्रज्ञा 	वै० सं० स्टेगन,	31-12-79
सहायक तकनीकी प्रक्रिका			•	पाल म	के बाद भीर
क्षेत्र में स वर्थ अमधार पर-				"	30-4-80
क्षामनेत्री नर्द तारीकों के	=				तुःक
में नियमित नियुक्ति होने			7. एच०ए० शेट्टी	वै० सं० स्टेशन,	31-12-79
रखने की भनुमति वेदी है			• •	बेलगाम	के बाद भीर
					30-4-80
ऋम नाम	तैनाती स्टेशन	भ्रनुवर्ती			त्रक
सं∙		तदर्थ	8बी० एस० मिला	निर्माण भ्रौर	31-12-79
		नियुक्ति		विकास एकक,	के बाद और
		_0		नई दिल्ली	_3.0-,4-,8.0
		की भवधि			
1					त्क
1 2	3	4	सं० ए० 32013/8/7	१9-ई० - सी०—राष्ट्रप	 ति मे सुहा-
	3 वैकसंव स्टेशन, हैइसबाद		निदेशक नागर विमानन के विल्ली में कार्यरत श्री सी० कारी को दिनांक 11-4-80	१९-ई० सी०—राष्ट्रप कार्यालय में स्टाक-दे ग्री० गुप्ता, सहायक र) (पूर्वाह्म) से ३०-	ाति ने भुहा- किंग पार्टी, नई तक्तीकी श्रिध- 6-80 तक के
तस्यंत्री 11.व्यक्तिकसील रेड्ड्डी	वैकसंव स्टेशन, हैद्रसमाद	4 30-1+80 के वाद और -30-4-80	निदेशक नागर विमानन के दिल्ली में कार्यरत श्री सी०ः	.9-ई० सी०—राष्ट्रप कार्यालय में स्टाक-दे ग्री० गुप्ता, सहायक र) (पूर्वाह्म) से ३०- गिकी श्रिधकारी के	ति में सुहा- किंग पार्टी, नई तक्तीकी श्रिध- 6-80 तक के ग्रेड में निसुक्त
,सर्वन्त्री	बैं० सं० स्टेशन,	4 30-1-80 के बाद भौर -30-4-80 तक	निदेशक नागर विमानन के विल्ली में कार्यरत श्री सी० कारी को दिनांक 11-4-8(लिए तदर्थ भाधार पर तकर	१९-ई० सी०—राष्ट्रप कार्यालय में स्टाक-दे बी० गुप्ता, सहायक र) (पूर्वाह्म) से ३०- गिकी अधिकारी के रेडियो निर्माण और	ति में सुहा- किंग पार्टी, नई तक्तीकी श्रिध- 6-80 तक के ग्रेड में निसुक्त
तस्यंत्री 11.व्यक्तिकसील रेड्ड्डी	वै०:सं० स्टेशन, तैवसम्बद वै० सं० स्टेशन,	4 30-1+80 के बाद भौर -3-0-4-80 तक 31-12-79	निदेशक नागर विमानन के विल्ली में कार्यरत श्री सी० कारी को दिनांक 11-4-8(लिए तदर्थ श्राधार पर तकन किया है शौर उन्हें निवेशक, नई दिख्ली के कार्यक्रिय में की	9-ई० सी०—राष्ट्रप कार्यालय में स्टाक-दे बी० गुप्ता, सहायक र (पूर्वाह्म) से ३०- तिकी अधिकारी के रेडियो निर्माण और नात किया जाता है।	ति ने सुहा- किंग पार्टी, नई किंग पार्टी, नई किंगुनीकी अधि- 6-80 सक के अंद में दिसुक्त विकास एकक,
तस्यंत्री 11.व्यक्तिकसील रेड्ड्डी	वै०:सं० स्टेशन, तैवसम्बद वै० सं० स्टेशन,	4 30-1-80 के नाद भौर -30-4-80 तक 31-12-79 के बाद भौर	निदेशक नागर विमानन के विल्ली में कार्यरत श्री सी व कारी को दिनांक 11-4-8(लिए तदर्थ भाधार पर तकन किया है भौर उन्हें निदेशक, नई दिख्ली के कार्यक्रिय में की सं० ए० 32013/8/7	१९-ई० सी०—राष्ट्रप कार्यालय में स्टाक-दे श्री० गुप्ता, सहायक र १ (पूर्वाह्म) से ३०- तिकी ग्रधिकारी के रेडियो निर्माण ग्रीव तात किया जाता है। १९-ई० सी० (पार्ट)-	ति मे भुहा- किंग पार्टी, नई तक्तीकी अधि- 6-80 तक के छेड में जिसुक्त (विकास एकक,
तस्यंत्री 11.व्यक्तिकसील रेड्ड्डी	वै०:सं० स्टेशन, तैवसम्बद वै० सं० स्टेशन,	4 30-1-80 के बाद भौर -30-4-80 तक 31-12-79 के बाद भौर 30-4-80	निदेशक नागर विमानन के विल्ली में कार्यरत श्री सी० कारी को दिनांक 11-4-8(लिए तदर्थ श्राधार पर तकन किया है शौर उन्हें निवेशक, नई दिख्ली के कार्यक्रिय में की	१९-ई० सी०—राष्ट्रप कार्यालय में स्टाक-दे बी० गुप्ता, सहायक र १ (पूर्वाह्न) से ३,०- तिकी ब्रधिकारी के रेडियो निर्माण ब्रौर नात किया जाता है। १९-ई० सी० (पार्ट)- ोकी ब्रधिकाफियों को	ाति मे सुहा- किंग पार्टी, नई तक्तीकी श्रिध- 6-80 सक के खेद में दिसुक्त विकास एकक,
सर्वजी 11. जिल्ली क्सीन रेड्डी 2सी ०.एल०.मलिक	कैं० सं० स्टेशन, हैद्रसम्बद वै० सं० स्टेशन, बम्बई	4 30-1+80 के नाद भौर -30-4-80 तक 31-12-79 के बाद भौर 30-4-80 तक	निदेशक नागर विमानन के विल्ली में कार्यरत श्री सी विनंक 11-4-8(लिए तवर्थ श्राधार पर तकर किया है भौर उन्हें निदेशक, नई विल्ली के कार्यक्रिय में की सं० ए० 32013/8/7 तिस्तिकिकिकि विल्ली सहाभक दक्की सामाहिकी गई दारीकिकी दिक्त	.9-ई० सी०—राष्ट्रप कार्यालय में स्टाक-दे की० गुप्ता, सहायक र ० (पूर्वाह्म) से ३०- गिकी ग्रधिकारी के रेडियो निर्माण गौर नात किया जाता है। १९-ई० सी० (पार्ट)- गेकी ग्रधिकाप्रियों को क ३०-६-८० समस्ता	ति मे सुहा- किंग पार्टी, नई तक्तीकी श्रिध- 6-80 तक के सेड में चिसुक्त विकास एकक, —राष्ट्रपति ने स्थायके नगम के
सर्वजी 11. जिल्ली क्सीन रेड्डी 2सी ०.एल०.मलिक	कैंक्सं र स्टेशन, हैंक्सनाद वै० सं० स्टेशन, बम्बई कैंo सं० स्टेशन,	4 30-1-80 के नाव भीर -30-4-80 तक 31-12-79 के बाद भीर 30-4-80 तक	निदेशक नागर विमानन के विल्ली में कार्यरत श्री सी । कार्यरत श्री सी । कार्यरत श्री सी । कार्यर कारी को विनांक 11-4-8 (लए तवर्थ भाधार पर तक निवास है भीर उन्हें निवेशक, नई दिख्ली के कार्यक्रिय में की सं ए । 32013/8/7 निकालिकिय न्सहाभक तक विल्ली	१९-ई० - सी०—राष्ट्रप कार्यालय में स्टाक-वे बी० गुप्ता, सहायक र १ (पूर्वाह्म) से ३०- तिकी मधिकारी के रेडियो निर्माण मौन नात किया जाता है। १९-ई० सी० (पार्ट)- नेकी मधिकारियों को का ३०-६-८० समस्त्रा	ति मे मुहा- किंग पार्टी, नई तक्तीकी श्रिष्ठि- 6-80 सक के ग्रेड में चित्रुक्त विकास एकक, —राष्ट्रपति ने स्राधके नगम के ग्रेड में निधासरा किंगी अधिकादरी
सर्वजी 11. जिल्ली क्सीन रेड्डी 2सी ०.एल०.मलिक	कैंक्सं र स्टेशन, हैंक्सनाद वै० सं० स्टेशन, बम्बई कैंo सं० स्टेशन,	4 30-1-80 के नाव भौर -30-4-80 तक 31-12-79 के बाद भौर 30-4-80 तक 31-12-79 के बाद भौर	निदेशक नागर विमानन के विल्ली में कार्यरत श्री सी । कार्यरत श्री सी । कार्यरत श्री सी । कार्य कारी को विनांक 11-4-80 लिए तवर्थ भाधार पर तकन किया है भौर उन्हें निवेशक, नई विल्ली के कार्यक्रिय में की सं ए उ 32013/8/7 निस्निकिक्ति सहाभक तकर्म सामने विश्व के तिराह्म से विक्र निस्कित होने सक, इनमें से प्र	१९-ई० सी०—राष्ट्रप कार्यालय में स्टाक-दे बी० गुप्ता, सहायक र १ (पूर्वाल्ल) से ३०- विकी अधिकारी के रेडियो निर्माण और वात किया जाता है। १९-ई० सी० (पार्ट)- के अधिकारियों को के ३०-६-३० समस्त्रा कोली:पहले हो, सकत्र कियुक्त किया है। स	ति मे मुहा- किंग पार्टी, नई किंग पार्टी, नई किंग-निकी श्रिध- 6-80 सक के सेंड में चिस्तुक्त विकास एकक,
तस्त्रेजी 1. जिल्ली क्रिकी 2. जी क्रिक्टी क्रिकी 3. के एन व एस व मणि	कैंक संवर्द कैंक संवर्द वै० सं० स्टेशन, बम्बई कैं० सं० स्टेशन, महास	4 30-1-80 के नाव और -30-4-80 तक 31-12-79 के बाद और 30-4-80 तक 31-12-79 के बाद और 30-4-80	निदेशक नागर विमानन के विल्ली में कार्यरत श्री सी । कार्यरत श्री सी । कार्य कारी को विनांक 11-4-8(लिए तवर्थ श्राधार पर तकर किया है भौर उन्हें निवेशक, नई विल्ली के कार्यालय में की सं०ए० 32013/8/7 तिस्निलिक्ति - सहाभक सकर साममे: की गई तकरी कार्य के से के से के से के से के से का साम है के से के से का साम है पर	१९-ई० सी०—राष्ट्रप कार्यालय में स्टाक-दे बी० गुप्ता, सहायक र १ (पूर्वाल्ल) से ३०- विकी अधिकारी के रेडियो निर्माण और वात किया जाता है। १९-ई० सी० (पार्ट)- के अधिकारियों को के ३०-६-३० समस्त्रा कोली:पहले हो, सकत्र कियुक्त किया है। स	ाति में मुहा- किंग पार्टी, नई त्रकृतिकी अधि- 6-80 सक के प्रेड में चित्रुक्त विकास एकक,
सर्वजी 11. जिल्ली क्सीन रेड्डी 2सी ०.एल०.मलिक	कैंक्सं र स्टेशन, हैंक्सनाद वै० सं० स्टेशन, बम्बई कैंo सं० स्टेशन,	4 30-1-80 के नाव और -30-4-80 तक 31-12-79 के बाद और 30-4-80 तक 31-12-79 के बाद और 30-4-80	निदेशक नागर विमानन के विल्ली में कार्यरत श्री सी के कार्यरत श्री सी के कार्य के 11-4-86 लिए तवर्थ श्राधार पर तकर किया है भौर उन्हें निवेशक, नई विल्ली के कार्यालय में की सं ए ० 32013/8/7 तिस्तिलिखित - सहाभक दक्क सामाने की गई तकरी कार्य के से के से के सामाने के सामाने विल्ला के सामाने के सामाने विल्ला के सामाने विल्	१९-ई० सी०—राष्ट्रप् कार्यालय में स्टाक-दे बी० गुप्ता, सहायक र १ (पूर्वाह्न) से ३०- तिकी अधिकारी के रेडियो निर्माण और वात किया जाता है। १९-ई० सी० (पार्ट)- की अधिकारियों को कि ३०-६-४० सम्बन्ध कि ३०-६-४० सम्बन्ध कियुक्त किया है। भ	ति में मुहा- किंग पार्टी, नई तक्तीकी अधि- 6-80 तक के छेड में जिसुक्त विकास एकक, —राष्ट्रपति ने स्थाके नगम के अंड में निधासत
सर्वाची 1. जिल्ली क्रिकी 2. सी ० एस० मिलक 3. के० एन० एस० मिण	कैंक संवर्द कैंक संवर्द वै० सं० स्टेशन, बम्बई कैं० सं० स्टेशन, महास	4 30-1-80 के नाव और -30-4-80 तक 31-12-79 के बाद और 30-4-80 तक 31-12-79 के बाद और 30-4-80	निदेशक नागर विमानन के विल्ली में कार्यरत श्री सी के कार्यरत श्री सी के कार्य के 11-4-86 लिए तवर्थ श्राधार पर तकर किया है भौर उन्हें निवेशक, नई विल्ली के कार्यालय में की सं ए ० 32013/8/7 तिस्तिलिखित - सहाभक दक्क सामाने की गई तकरी कार्य के से के से के सामाने के सामाने विल्ला के सामाने के सामाने विल्ला के सामाने विल्	१९-ई० सी०—राष्ट्रप कार्यालय में स्टाक-दे की० गुप्ता, सहायक र १ (पूर्वाह्न) से ३०- तिकी अधिकारी के रेडियो निर्माण और नात किया जाता है। १९-ई० सी० (पार्ट)- तेकी अधिकाप्रियों को का ३०-६-३० तक श कोलेगि:पहले हो, सक्व चित्रुक्त किया है। अ परतेनात किया है।	ति में मुहा- किंग पार्टी, नई तक्तीकी अधि- 6-80 तक के छेड में जिसुक्त विकास एकक, —राष्ट्रपति ने स्थाके नगम के अंड में निधासत
तस्त्रंभी 1. जिल्हे क्रिकेट रेड्ड हो 2. सी ० एक ० मिलक 3. के ० एन ० एस० मणि कम नाम सं० सर्वभी	कैंक संवर्द कैंक संवर्द वै० सं० स्टेशन, बम्बई कैं० सं० स्टेशन, महास	4 30-1-80 के नाव और 30-4-80 तक 31-12-79 के बाद और 30-4-80 तक 31-12-79 के बाद और 30-4-80 तक	निदेशक नागर विमानन के विल्ली में कार्यरत श्री सी विनंक 11-4-8(लिए तवर्थ श्राधार पर तकर किया है भीर उन्हें निवेशक, नई विल्ली के कार्याक्रय में की सं० ए० 32013/8/7 तिस्निकिश्चित सहाभक तकर तिस्वित होने सक, इनमें से के ग्रेड में सवर्य न्यावर पर के बाम के सामने दिए स्वेशन नया तैनाती स्टेशन	१९-ई० सी०—राष्ट्रप कार्यालय में स्टाक-दे बी० गुप्ता, सहायक र १ (पूर्वाह्न) से ३०- तिकी अधिकारी के रेडियो निर्माण और तात किया जाता है। १९-ई० सी० (पार्ट)- तेकी अधिकारियों को का ३०-६-८० समस्त्रा बोल्पी-पहले हो, सक्त्र जियुक्त किया है। अ परतेनास किया है:- कार्य भार पह तारीक	ति में मुहा- किंग पार्टी, नई प्रकृतिकी अधि- 6-80 एक के छेड में जिसुक्त विकास एककः, —राष्ट्रपति ने स्रिक्त नगम के स्रिक्त किंगिसक्त
तस्त्रं की 1. जिल्हे कि स्वित रेड्ड हो 2. सी ० एक ० मिलक 3. के ० एन ० एस ० मणि कम नाम	कैंक्सं र स्टेशन, हैंक्संबाद वै० सं० स्टेशन, बम्बई वै० सं० स्टेशन, महास वर्तमान तैना	4 30-1-80 के नाव और 30-4-80 तक 31-12-79 के बाद और 30-4-80 तक 31-12-79 के बाद और 30-4-80 तक	निदेशक नागर विमानन के विल्ली में कार्यरत श्री सी व कार्यरत श्री सी व कार्यरत श्री सी व कार्य कारी को दिनांक 11-4-80 लिए तथ्य भाधार पर तकर किया है भीर उन्हें निदेशक, नई विल्ली के कार्यक्रिय में की संव एव 32013/8/7 निम्न कि किया है निदेशक सम्मिक्त निम्मिकी गई तररी क्रमें दिन्न कि ग्रेक में सव्यं क्रमाध्य पर के साम के सामने विए स्वेशन नया तैनाती स्टेशन	१९-ई० सी०—राष्ट्रप् कार्यालय में स्टाक-दे बी० गुप्ता, सहायक र १ (पूर्वाह्न) से ३०- तिकी अधिकारी के रेडियो निर्माण और वात किया जाता है। १९-ई० सी० (पार्ट)- की अधिकारियों को कि ३०-६-४० सम्बद्ध कोली:पहले हो, सक्त्र च्युक्त किया है। भ परतेनात किया है:- कार्य भार ग्रह तारीक	ति में मुहा- किंग पार्टी, नई तक्तीकी अधि- 6-80 तक के छेड में जिसुकत विकास एकक, -राष्ट्रपति ने स्थिक में निधिकत किंगी अधिक तिर एक्ट्रें स्थिक एण करने की आ
त्सर्वजी 1. जिल्ही कर्मी क रेड्ड हो 2. सी क एक क मिल क 3. के क एक व एस क मिण कम नाम संक सर्वभी 1. एस क राजारमक 2. एम क जी क बरवे	कैंक संवर्ध वैव संवर्ध वैव संवर्ध्यान, सम्बर्ध कैंव संवर्ध्यमन, महास वर्तमान तैना वैव संव स्टे वैव संव स्टे	4 30-1-80 के नाव भीर 30-4-80 तक 31-12-79 के बाद भीर 30-4-80 तक 31-12-79 के नाव भीर 30-4-80 तक	निदेशक नागर विमानन के विल्ली में कार्यरत श्री सी व कार्यरत श्री सी व कार्यरत श्री सी व कार्य कारी को दिनांक 11-4-80 लिए तथ्य भाधार पर तकर किया है भीर उन्हें निदेशक, नई विल्ली के कार्यक्रिय में की संव एव 32013/8/7 निम्न कि किया है निर्देशक सकती कार्यक्रिय कार्यक्रिय दिल्ली कि ग्रेड में सव्यर्थ का माम के साम के सामने विए स्वेशन नया तैनाती स्टेशन	१९-ई० सी०—राष्ट्रप् कार्यालय में स्टाक-दे बी० गुप्ता, सहायक र १ (पूर्वाह्न) से ३०- तिकी अधिकारी के रेडियो निर्माण और वात किया जाता है। १९-ई० सी० (पार्ट)- तेकी अधिकारियों को का ३०-६-४० सम्बद्धाः कोली:पहले हो, सक्त्र व्यक्ति किया है। भ परतेनात किया है:- कार्य भार प्रह तारीक	ति में मुहा- किंग पार्टी, नई तक्तीकी अधि- 6-80 तक के छेड में जिस्कत, विकास एकक, -राष्ट्रपति ने स्थिक में निधिक्त किंति अधिक के सेंड में निधिक्त किंति अधिक के पार्व में निधिक्त किंति अधिक के पार्व में निधिक्त किंति अधिक के पार्व में स्थिक पार्व के पार्व के पार्व के पार्व किंति
तस्त्रं की 1. जिल्हे कि स्विक्त देख्यों 2. सी ० एक ० मिल क 3. के ० एन ० एस ० मिण कम नाम सं० सर्वं भी 1. एस ० राजारमन	कैंक्सं करहेशन, हैक्सकाद वैवसं करहेशन, बम्बई कैंवसंव्यव्यक्तिमान, महास वैवसंव्यक्तिमान तैना वैवसंव्यक्तिमान तैना वैवसंव्यक्तिमान तैना	4 30-1-80 के नाव और 30-4-80 तक 31-12-79 के बाद भौर 30-4-80 तक 31-12-79 के बाद भौर 30-4-80 तक तिस्टेशन	निदेशक नागर विमानन के विल्ली में कार्यरत श्री सी । कार्यरत श्री सी । कार्यरत श्री सी । कार्य को विनांक 11-4-8(लिए तवर्थ प्राधार पर तकन किया है भौर उन्हें निवेशक, नई विल्ली के कार्यक्रिय में की सं ए ए 32013/8/7 निम्न कि विल्ली के कार्यक्रिय में की सं ए ए 32013/8/7 निम्न कि विल्ली कि विल्ला के कार्यक्रिय के कार्यक्र के सी के सी के सी के सी के सी के सी में के सी में विल्ला के बाम के सी मने दिए स्टेशन नया तैनिती स्टेशन	१९-ई० सी०—राष्ट्रप् कार्यालय में स्टाक-दे बी० गुप्ता, सहायक र १ (पूर्वाह्न) से ३०- तिकी अधिकारी के रेडियो निर्माण और वात किया जाता है। १९-ई० सी० (पार्ट)- की अधिकारियों को कि ३०-६-४० सम्बद्ध कोली:पहले हो, सक्त्र च्युक्त किया है। भ परतेनात किया है:- कार्य भार ग्रह तारीक	ति में मुहा- किंग पार्टी, नई तक्तीकी अधि- 6-80 तक के छेड में जिस्कत, विकास एकक, -राष्ट्रपति ने स्थिक में निधिक्त किंति अधिक के सेंड में निधिक्त किंति अधिक के पार्व में निधिक्त किंति अधिक के पार्व में निधिक्त किंति अधिक के पार्व में स्थिक पार्व के पार्व के पार्व के पार्व किंति
तस्त्रेत्री 1. जिल्ली क्रिकी देव्यो 2. जी क्रिक्सी के देव्यो 3. के क एन व एस क मणि कम नाम संक सर्वेशी 1. एस क राजारमन 2. एम क जी क वर्षे 3. बी के के डे	कैं उसं र स्टेशन, हैं क्साबाद वै ० सं ० स्टेशन, बम्बई वै ० सं ० स्टेशन, महास वै ० सं ० स्टे वै ० सं ० स्टे	4 30-1-80 के नाद और 30-4-80 तक 31-12-79 के बाद और 30-4-80 तक 31-12-79 के बाद और 30-4-80 तक वान और देशन, जस्बई पीर विकास विस्ली	निदेशक नागर विमानन के विल्ली में कार्यरत श्री सी । कार्यरत श्री सी । कार्यरत श्री सी । कार्य को विनांक 11-4-8(लिए तवर्थ श्राधार पर तकन किया है भौर उन्हें निवेशक, नई विल्ली के कार्याक्रय में की सं ए ए 32013/8/7 निस्निकिश्चित सहामक सक्त सामने की गई तररी करी दिला कियुक्त होने सक, इनमें से के ग्रेड में सवर्थ ज्याधार पर के साम के सामने विए स्वेशन नया तैनाती स्टेशन	१९-ई० सी०—राष्ट्रप कार्यालय में स्टाक-दे बी० गुप्ता, सहायक र १ (पूर्वाल्ल) से ३०- विकी अधिकारी के रेडियो निर्माण और नात किया जाता है। १९-ई० सी० (पार्ट)- के अधिकारियों को का ३०-६-८० समस्त्रों को अधिकारियों है। के उप्तित्रात किया है:- कार्य भार ग्रह तारीप	ति में मुहा- किंग पार्टी, नई त्रक्तिकी अधि- 6-80 तक के प्रेड में चित्रुक्त विकास एकक,
त्सर्वजी 1. जिल्ही कर्मी क रेड्ड हो 2. सी क एक क मिल क 3. के क एक व एस क मिण कम नाम संक सर्वभी 1. एस क राजारमक 2. एम क जी क बरवे	कैंक्सं करहेशन, हैक्सकाद वैवसं करहेशन, बम्बई कैंवसंव्यव्यक्तिमान, महास वैवसंव्यक्तिमान तैना वैवसंव्यक्तिमान तैना वैवसंव्यक्तिमान तैना	4 30-1-80 के नाद और 30-4-80 तक 31-12-79 के बाद और 30-4-80 तक 31-12-79 के बाद और 30-4-80 तक वान और देशन, जस्बई पीर विकास विस्ली	निदेशक नागर विमानन के विल्ली में कार्यरत श्री सी । कार्यरत श्री सी । कार्यरत श्री सी । कार्य को विनांक 11-4-8(लिए तवर्थ प्राधार पर तकन किया है भौर उन्हें निवेशक, नई विल्ली के कार्यक्रिय में की सं ए ए 32013/8/7 निम्न कि विल्ली के कार्यक्रिय में की सं ए ए 32013/8/7 निम्न कि विल्ली कि विल्ला के कार्यक्रिय के कार्यक्र के सी के सी के सी के सी के सी के सी में के सी में विल्ला के बाम के सी मने दिए स्टेशन नया तैनिती स्टेशन	१९-ई० सी०—राष्ट्रप् कार्यालय में स्टाक-दे बी० गुप्ता, सहायक र १ (पूर्वाह्न) से ३०- तिकी अधिकारी के रेडियो निर्माण और वात किया जाता है। १९-ई० सी० (पार्ट)- तेकी अधिकारियों को का ३०-६-४० सम्बद्धाः कोली:पहले हो, सक्त्र व्यक्ति किया है। भ परतेनात किया है:- कार्य भार प्रह तारीक	ति में मुहा- किंग पार्टी, नई त्रक्तिकी अधि- 6-80 तक के प्रेड में चित्रुक्त विकास एकक,

	सं०ए० 32014/3/79-ई० सी० (पार्ट III)—महानिदेशक <u> </u>	में तदर्थ स्राधार पर नियुक्त किया है स्रौर उन्हें प्रत्येक के नॉम के
		·
<u>-</u>	•	
-	,	
		>
)
	<u> </u>	

कार्याधिक।री (प्रशिक्षण) के रूप में प्रतियुनिवित काल दिनाक 30-1-80 से आगे 6 माह के लिए अर्थात् 30-7-1980 तक बढ़ाते हैं।

> बृष्टण किशोर उप निदेशक (प्रशासन) है ते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

विधि, न्याय ग्रौर कम्पनी कार्य मन्त्रालय
कम्पनी कार्य विभाग
(कम्पनी विधि बोर्ड)
कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स देवीदास प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बर्ड, दिनांकः 16 ग्रप्रैल 1980

सं० 3700/560 (5) — कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मैंसर्स देवीदास प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 एवं मैसर्स केमी-सोल्स एन्टरप्राईसीस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 16 ग्रप्रैल 1980

सं० 11427/560 (5) — कम्पनी ऋधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मैंसर्स केमी-सेल्स एन्टरप्राईसीस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० सी० गुप्ता कम्पनियों का ब्रतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 एवं मैसर्स केप्टन इरीस्ट सर्विसीस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 16 स्रप्रैल 1980

सं० 14987/560 (3)—कस्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख सेतीन मास के अवसान पर मैंसर्स केण्टन इरीस्ट सर्विसीस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्यत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

क-ानी ऋधिनियम 1956 एवं मैसर्स स्यार रेडियो एन्ड इन्जी-नियसैं लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 16 श्रप्रैल 1980

सं० 3641/560 (5) — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स स्टार रेडियो एण्ड इन्जीनियस लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पती ऋधिनियम 1956 एवं मेसर्स बी० वयरामजी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांवः 24 भ्रप्नेल 1980

सं० 12659/560 (5)——सम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स बी० बयराम जी प्राईवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भ्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स फलीट फार्मस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 24 ग्रप्रैल 1980

सं॰ 13622/560 (5) कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वा सूचनादी जाती है कि मेसर्स फ्लीट फार्मस प्राईवेट लिम्ब्रिंग नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनियों का सिंहायक रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र, बम्बई

सं० 2481/लिक्वीडेशन—क्रिम्पनी स्थितियम 1956 की धारा 445 (2) के अधीन सूचना : मैसर्स ग्लेमर डाइंग एंड प्रिटिंग मिल्स (सूरत) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

महमदाबाद-38₀₀₉, दिनांक 14 मई 1980

कम्पनी श्रर्जी नं० 83/78 के साथ कम्पनी श्ररजी नं० 56/79 में हैं हमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 20-2-1980 के श्रादेश द्वारा मैसर्स ग्लेमर डाइंग एण्ड प्रिटिंग मिल्स (सूरत) प्राईवेट लिमिटेड का परिसमापन का श्रादेश दिया गर्या है।

एस० सील सहायक प्रमंडल पंजीयक गुजरात, श्रहमदाबाद कम्पनी ग्रधिनियम 1956 श्रीर के० सुवुधी ट्रेडर्स एण्ड मैंनु-फैन्जर्स प्रार्डवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 13 मई 1980

सं० एस० थ्रो० 425/80/528(2)—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की खपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्वारा सूचनादी जानी है कि सुबुधी ट्रेडर्स एण्ड मैन्युपैक्चर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रौर प्रसान्त श्राइरन एन्ड स्टील प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, विनांक 13 मई 1980

सं० एस० श्रो० 532(2)—कम्पनी श्रिष्ठिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा 3, के श्रनुसरण में एतद्द्वारा वह सूचनादी जाती है कि इस तारीख से तीन मास श्रवसान पर प्रसान्त श्राइरन एण्ड स्टील प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इस के प्रतिकूल कारण विशत न किया जाय तो रजिस्टर से काट विया जाएगा धौर उबत कम्पनी विघटित कर वी जाएगी।

कटक, दिनांक 13 मई 1980

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर खरदा हुस्ततन्द सिलपानुस्थान सन्क प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० एस० औ० 624-530 (2)—कम्पनी अधिनयम 1956 की धारा 560 की उपधारा 3, के अनुसरण में एतद्-धारा वह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर खुरवा हस्ततन्त सिलपानुस्थान सन्क लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण पश्चित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> डी० के० पाल कम्पनियों कारजिस्ट्रार, छड़ीसा, कटक

कम्पनी रिजस्ट्रार का कार्यालय बम्बई-400 002, दिनांक 16 स्रप्रैल 1980

सं० 8470/लिक०/560(4)—यतः मेसर्स एम० एन० गायतोडे एन्ड कम्पनो प्राईवेट लिमिटेड, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय नानामोथ मेन्सन, दूसरा मंजिल, सरपी० एम० रोड फोर्ट, धम्बई का परिसमापन किया जा रहा है।

श्रौर श्रतः श्रधोहस्ताक्षरकर्ता के पास यह विश्वास करने को उचित कारण है कि कोई भी समापक कार्य नहीं कर रहा है।

यतः श्रव कम्पनी श्रधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के श्रनुसरण में एतव्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस सूचना की तारीख से तीन माम का श्रवसान होने पर मेसर्स एस० एन० गायतों डे एन्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकृत कारण विशित 2—96 G1/80

न किए जाने पर रजिस्टर में से काट दिया जाएगा, भौर कम्पनी को विघटित कर दिया जाएगा।

> एस० एन० गुप्ता कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र, बम्बई

जालन्धर, दिनांक 12 मई 1980

सं० जी/5000/3062—-यतः पायनीयर फाइनेन्स प्राईवे लिमिटेड, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यासय 346 जीवन सिंह रोड श्रमृतसर में है, का परिसमापन किया जा रहा है।

श्रीर यतः श्रधोहस्ताक्षरकर्ता के पास यह विष्वास करने का उचित कारण है कि कोई भी समापक कार्य नहीं कर रहा है।

श्रतः श्रब, कम्पनी श्रिधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 560 की उप-धारा (4) के उपबन्धों के श्रनुसरण में एतदृद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस सूचना की तार्रख से तीन मासं का श्रवसान होने पर पायनियर फाइनेन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकृल कारण दिशत न किए जाने पर रिषस्टर में से काट विया जायगा, श्रीर कम्पनी को विधिटत कर दिया जायगा।

तारीख---1 2-5-80

एन० एन० मौलिक कम्पनी रजिस्ट्रार पंजाब, हिमाचल प्रदेश, चन्डीगढ़ जालन्धर शहर

कार्यालय ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली-1 नई पिल्ली, दिनांक 8 ग्रप्रैल 1980 ग्रायकर स्थापना

विषय :— स्थापना— राजपद्मित स्नायकर श्रधिकारियों (ग्रुप-बी) की पुष्टि के बारे में—

सं० ६०-1/सी० म्राई० टी०-1/डी० पी० सी० (क्लास-2) कन्फर्मेशन/78-79/79-80/255—निम्नलिखित म्रायकर म्रधि-कारियों (ग्रुप-बी), जिन्हें विभागीय पदोन्नति समिति ने पुष्टि के लिए ठीक पाया है, को 1 म्रप्रैल 1980 से ६० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में भ्रायकर म्रधिकारियों के स्थायी पदो परमूल रूप से नियुक्त किया जाता है:—

सर्वश्री

- 1. एस० पी० सिंह
- 2. सी० म्रार० स्याल
- 3. एम० एल० सभरवाल

ऊपर बताई गई पुष्टिकी तारीखामें, यदि भ्रावश्यक समझा गया तो बाद में परिवर्तन किया जा सकता है।

विषयः स्थापना-राजपत्नित—श्रायकर श्रिष्ठकारी (ग्रुप-बी) के ग्रेड में निरीक्षकों की पदोन्नित

सं॰ ई-1 प्रोनोशनक आई॰टी॰ओ॰ (ग्रुप-बी) 1979-1980/ 1980-81-381

श्रादेश सं०: 2/रा० ग्र० 1980-81-श्री राम किशन, रीक्षक को रु० 650-30-740-35-810-र्ह० बी०-35-880-40-.000 ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में कुमारी गीता एच० कुपलानी भायकर श्रिक्षकारी (ग्रप-ए) जिन्हें ग्रवर सिषव, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली के पद पर तैनात किया जाता है, के कार्यभार सौंपने की तारीख से ग्रायकर ग्रधिकारी के पद पर कार्य भ स्वी के लिए पदोन्नत किया जाता है।

यह पदोश्निति विल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष विश्व राधीन 1977 को सी० एम० पी० 652/इड्ट्यू० 1977 के सी० यू० पी० से 341 के श्रन्तर्गत उच्च न्यायालय के श्रन्तिम श्रादेशों के श्रधीन है।

श्री राम किशन, इस पवोन्नति के परिणाम अगले आदेण होने तक आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली के कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करेंगे।

> एम० डब्स्य् ० ए० खान भ्रायकर भ्रायुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1980

प्रायकर

फ० सं० जुरि-दिल्ली/6/80-81/3777— आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की घारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त अन्य सभी शिक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-6 नई दिल्ली निवेश देते हैं कि 1-5-80 से मिम्निलिखित आयकर रेंज बनाया जाएगा:—

निरीक्षीय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, रेंज 6-ए, नई दिल्ली

> एस० जी० जयसिंघानी श्रायकर श्राय्मत, विस्सी-6, नई विस्सी

कार्यालय श्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली-6 न**ई दिल्ली** दिनांक 5 मई 1980

आयकर

फ० सं० जुरि-विल्ली/6/80-81/3881—प्रायवार श्रीध-नियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रायकर श्रायक्त दिल्ली-6, नर्ड विल्ली निदेश देते हैं कि 1-5-80 से निम्नलिखिन श्रायकर मिकल बनाए जायेंगे:——

- 1. सर्वे वार्ड 1 (1)
- 2. सर्वे वार्ड 1 (2)
- 3. सर्वे वार्ड 1 (3)
- 4. सर्वे वार्ड 1 (4)
- सर्वे वार्छ 1 (5)

एस० जी० जयसिंघानी भ्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली-6, नई दिल्ली

कार्यालय आयकर आयुक्त दिल्ली-6 नई दिल्ली दिनांक 5 मई 1980 श्रायकर

फा॰सं॰ जुरि-दिस्ली-16/80-81/3991-श्रायकर श्रिधिनयम 1961 (1961 का 43वां) की श्रारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस सम्बन्ध मे प्राप्त अन्य सभी शिक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के श्रादेशों में संशोधन करते हुए श्रायकर आयुक्त दिल्ली-6, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक श्रायकर आयुक्त उक्त श्रिधिनयम के श्रन्तर्गत उसी अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट जिस्ट्रिक्ट सर्किलों के श्रायकर श्रीधकारियों के श्रीधकार क्षेत्र मे आने वाले क्षेत्रों या व्यिक्तयों या व्यक्तियों या व्यक्तियों या श्रीकार क्षेत्र मे आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों मामलों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रीयकत के सभी कार्य करेंगे:—

ग्रन्**स्**ची

ग्रायकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल रेंज का नाम 1. निरीक्षीय सहायक ग्रायकर 1. ट्रस्ट सर्किल 2. चार्टर्ड एकाउन्टेभ्ट श्रायुक्त रेंज-6-ए, नई दिल्ली सर्किल 3. बकील सर्किल 4. डाक्टर सर्किल 1. सर्वे भार्ड 1 (1) 2. निरीक्षीय सहायक भ्रायकर ग्रायक्त सर्वे रेंज, नई दिल्ली 2. सर्वे वार्ड 1 (2) 3. सर्वे वार्ड 1 (3) 4. सर्वे वार्ड 1 (4) सर्वे वार्ड 1 (5)

यह प्रादेश 1-5-1980 से लाग् होगा।

एस० जी० जयसिषांनी श्रायकर श्रामुक्त, विल्ली-6-नई दिल्ली

प्रक्रम प्रार्थं धी । एत । एस ----

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-ध** (1) के अधीन **क्ष**ना

भारत मुस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनाक 15 म्प्रप्रैल 1980

निदंश नं० 1037-ए/देहरादून/79-80---- प्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चाल 'उन्त पश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीत पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का अरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,090/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिमकी सच्या मकान 154 है तथा जो देहरादून (राजपुर राड) में स्थित है (श्रीर इसमें उनाबद्ध अनुभूषी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 25-9-79

ो पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार भृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल व लिए अन्तरित की गई है आर मुखे यह विश्वास करन का कारण है कि यणपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, एसके ' यमान अतिफल ते, ऐसे दृश्यमान अविफल के प्रम्यह मं ग प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरित्यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्त-विश्व रूप से कवित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अजीन कर देने के अन्तरक के बायिश्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (छ) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिधिनियम, या धनकर भिधीनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिनाने में सुविधा क लिए;

यत: यब, उश्त प्रविनियम की बारा 269-ग के प्रनुसरण में, यें, उश्व अध्वानयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवीत:--- (1) श्री महेश प्रसाय द्वारा श्री एस० पी० कोचर पुत श्री एस० एल० कोचर 52 राजपुर रोड, देहरादून (ग्रहारनी)

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सिरेन बनर्जी श्रीमती श्रमिताबेगमिस निलास्सी निवासी 154 ए राजपूर रोड देहरादून

(ग्रन्तरिती

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त भंपति के श्रर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के म्रर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश्र में प्रक्रमान की तारीख से 45 दिन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, प्रधाहस्ताकरी
 के पास लिखित में किए जा सकींगे '

स्पक्कोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्बों धीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रव्याय 20-का में परिवाधित हैं. वहीं पर्य होचा जो उस प्रव्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक किता मकाम जिसका क्षेत्र फल 1693.24 वर्ग मीटर तथा जिसका नं० 154 राजपुर रोड़ देहरादून में स्थित है तथा जो 1,50,000 रू० में बेचा गया है।

> बी० सी० **चतुर्वेदी** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रा**युक्त (निरीक्षण)** ग्रजैन रेंज, कानपुर

विसांक: 15 मप्रैल 1980

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. -----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 मार्च 1980

निक्षेश न'० 970A-/पी० एन०/कानपुर/79-80—श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिस को सं० 114 हैं तथा जो किदवई नगर में स्थित हैं (ग्रौर इ ससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-9-79

को पूर्वाक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधार कर दोने के अन्तरक के दायित्व मीं कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- (1) रयुनन्वन प्रसाद माथुर आरमज श्री बड़ी प्रसाद माथुर निवासी 115 पंजाबी पेय डिम्पया नगर, मथुरा (अन्तरक)
- (2) श्रीमती किशोरी देवी उर्फ उमाकन्ती न्निप,ठी पत्नी वृद्धदेन 97/6 साइट नम्बर 1 किदवई नगर, कानपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है !

अनुसूची

मकान नम्बर 114 ब्लाक वाई स्कीम नम्बर 2 जिसका क्षेत्रफल 356 वर्गगज है तथा किववई नगर कानपुर में स्थित है।

> त्री० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निर^क्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

विमांकः 21 मार्च 1980

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर भिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-थ (1) के छधीन मूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 धप्रैल 1980

निदेश नं० 1170-प/बुढाना/79-80—श्रतः मुझे र्ब० र्स० चर्चर्वेदी

व्यायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिन्नियम' कहा गया है), की घारा 269-खं के मिन्नियम मानिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसक। उचित बाजार मूल्य 25,000/- का सिक है

ग्रौर जिस की सं० कृषि भूमि हैं तथा जो कांधला में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाब इ ग्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बुढाना में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 15-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिए सम्तरित की गई है मोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) मोर अन्तरिती (अम्तरितियों) के बोब ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिश्रल, निम्नविश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरक निवित में बाक्तिकि रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उपा किया नियम के सभीन कर देने के भन्तरण के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सिविधा के लिये; और/या
- (अ) ऐसी किसी अथ्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रेशिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रेशिनयम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना शाहिए था, खिपाने में सुविधा के बिचे;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ध्रमुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपबारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री सगीरहसन पुक्ष मोहम्मद हसन शेख निवासी कांधल। डाकघर व परगना कांधला नह० बुढाना जिला मुजफ्फर नगर

(अन्तरक)

(2) श्री दय। राम व धन सिंह व भंवर सिंह व राज सिंह व रामलाल पुत्रगण श्रासाराम कथ्यम राजपूत निवासी श्रालदी डाकधर व परगना कांधला जिला मुजफ्फर नगर

(ग्रन्तरिती)

को यह नूचना बारो करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता है।

खन्त सम्पत्ति के प्रजैन के मम्बन्ध में कोई सा धानेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाणन की ता खासे 4.5 दिन की भविधि या तस्सम्बंधी क्यक्तिका पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की भविधि, जो भी कर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त कर्ण नेयों में से किसी व्यक्ति झारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत संप्रधाणन की ता । ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में तिबद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, अधीहरूनाक्षरी लेगान्न सिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों सौर पदीं का, जो उनत अधिनियम के सक्ष्माय १०३ प तिरम्नितित्त है, वही सर्थ होगा, जो उन प्रभाग में विया गया है।

अनुसूची

क्विषि भूमि 9 बीषा तीन विस्वा ग्राम कांधला तह० बुधाना जिला मुजफ्फरनगर गें स्थित है।

> बी० सी० चतु**यदी** सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 19 श्र**प्रं**त 1980

प्र**रूप भाई**० टी० एन० एस०—

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 मार्च 1980

निदेश नं० 939-ए/देहरादून/79-80---ध्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

श्रायकर 'प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त स्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से स्रिधिक है

प्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि 4.84 है तथा जो ग्राम कुश्रावाला में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची मैं श्रौर पूर्ण कर में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 4-9-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी न्नाय की बाबत, उक्त न्निध-नियम के श्राधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रन्य श्रास्तियों को जिन्ह भारतीय धाय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः, अब, उक्त धिवियम की धारा 269-ग के श्रनुतरण म, मैं, उक्त धिवियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निक्षित व्यक्तियों, श्रथीतः --- (1) श्री जमीयत राय पृत श्री रूप चन्द्र निवासी 138 लक्षमीबाग, देहरादुन

(यन्तरक)

(2) श्री अभिनाभ संभरवाल नावालिंग पुत्र उम्म लगभग साढे सान साल, वर्ष पुत्र श्री रामनारायण सभरवाल निवासी 384/9 कोलागढ रोड देहरादून द्वारा श्रपने पिना व प्राकृतिक संरक्षक

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति क शर्जन के लिए कायबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अप्रधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि बाद में ममाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ग्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रवोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढ्टी करण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों धार पत्नां हा, जो उक्त ग्रिधि-नियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाना नं० 26 कृषि भूमि 4. 84 पकड स्थित ग्राम कुम्रावाला पछवदून जिला देहरादून में स्थित है ।

> बी० सी० चतुवदी सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेज, कानपूर

दिनीकः 18 मार्च 1980

प्ररूप आहे विशान एस ----

भागकर अधिनयन, 1961 (1961 है। 43) का धारा 269-व (1) े प्रधीन - 4 है

भारत मरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 18 मार्च 1980

निदेश नं० 916-ए/सिकन्दराबाद/79-80—स्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयनर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त पितियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का काएंग है कि स्वाप्त नकालि जिसका छिता बाजार एय 25,000/- इ० ो अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बचावली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 3-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दृश्यनान अतिका न लिए अन्तरित की गई है थीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार यूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (भन्तरको) और भन्तिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्य मे उका भन्तरण लिखत में एन बिक रूप से स्थान नहीं विजय गए है:---

- (क) अन्तरण संपुर्द किसी आयं को बाबन उक्त अधि-नियम ने धर्मन धर देने के सन्तरक के दायि व संकार करने पा तर्मी करने में सुविधा के पिर दौर वा
- (च) ऐसा किसी श्राय या किसी धन या जन्म आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर पश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ं यम, १८ धन-कर पश्चित्यम, 1977 (1957 वा 27 क प्रयोग प्रश्ने क्षिया गया था या किया काल स्रोहण था खिपाने में गुनिया के लिए;

अतः अव, उन्त प्रवासनान की गरा 269-ग के अत्-सरण में, में, उन्त अनि^दायम हो धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अधीत्:——

- (1) श्रो नवाव सिंह मैंनेजर बुन्नी लाल इन्टर कालिज बोला वचावली परगना सिकन्दराबाद जिला बुलन्द शहर
- (2) श्री गिरराजो पित छतर सिंह (ग्रन्तरक) रतनपाल व ब्रजपाल पुत्र नलवा भूकिम सिंह पुत्र देवीसहाय निवासी वचावली तह० सिकान्दराबाद जिला बुलन्दशहर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के लिए ार्थवाहियां करना हूं।

उनत नंपिन के भर्जन के संबंध में कोई भी भाषीप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी जा म 45 दिन की भवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर नूचन की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में दिन बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अबं होगा जो उस ग्रह्माय में दिया गया है

धमुसूची

नम्बर 10 व कृषिभूमि 5-5-0 स्थित ग्राम वंचावली तह 0 सिकन्दराबाद जिला बुलन्द शहर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकांरी सहायक ग्रारकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 18-3-80

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

म्रायक्र प्रश्विनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानप्र, दिनांक 19 मार्च 80

निदेश नं० 942 - ए० |देहरादून|79-80--श्रनः मुझे बी०सी० चतुर्वेदी

भ्रायक्तर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जों मौजा कुश्रावाला में स्थित है (श्रौर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है, रिजन्ड्रीकर्ता श्रिधकांरी के कार्यालय देहरादून मे, रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 4-9-79

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और प्रग्तरक (प्रग्तरकों) प्रोर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रग्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वार्ष्यक का न कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्थ प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या प्रन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नणिवित व्यक्तियों, प्रथीत्:---

- (1) श्रो नमीयतराय पुत्र लाला रूपचन्द साकिन 138 लक्खींबाग देहरादून (पन्तरक)
- (2) श्रीमती दुर्गा देवी समरवाल पत्नि स्व० श्री ब्टा-राम समरवाल निवासी मकान नम्बर 8944 वाईनम्बर 5 नया बास श्रम्बाला शसर हरियाना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वीकन
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में अकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

क्विभिम्मि कुलरकवा 6-43 एकड़ वाके मौजा कुआवाला, परगनापरवाद्न में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिग्रांरी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 19-3-80

प्रकप माई० टी० एन० एन०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्भावक आवकर प्रायुक्त (निरोक्षम)

मर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर विनांक 29 फरवरी 80

ष्ठायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठितियम' कहा गया है), की बारा 269-ब के श्रिष्ठीत सक्तम प्राधिकारी को, यह बिश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिनका उचिन बाजार मूल्ब 25,000/-रुपए से श्रीष्ठक है

श्रीर जिसकी सं० 133/पी०1/231 है तथा जो ट्रान्सपोर्ट नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय कामपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रशीन दिनांक 17-11-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रग्तरका (श्रग्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नितिश्वित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण लिखित प वास्तिक का से कियत नहीं किया गया है:—-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किनी ग्राय की बाबन, उक्त ग्रिध-नियम के प्रधोन कर वेते के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी श्राय या किसी श्रन का अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिश्तियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त श्रिश्तियम, या धन-कर श्रिश्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए ा, छिगाने में सुविधा के लिए;

अतः स्रव, उक्त प्रधिनिवय, की बारा 269-ग के प्रतृयरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात्:——
3—96QI/80

- (1) श्री मंगली प्रसाद दीक्षित एण्ड श्रीमती णकुन्सला दीक्षित निवासी 73/27 कवेक्टरगंज कानपुर (अन्तरक)
- (2) श्री केवल किशन निवासी 133/231 ट्रान्सपोर्ट नगर कानपुर, श्री नरेन्द्र सिंह निवासी 120/72 लाजपत नगर, श्रीमती गुरुचरन कौर निवासी 111ए/260 ग्रशोक नगर श्री सुरेश कुमार गुप्ता निवासी 90/15 बगाही कानपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इस्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशित की तारी से के 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजरित्र में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर प्रमाति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्राडदीकरण--इनों प्रयुक्त ग्रन्तों मीर पदों का, जो उक्त माधि-नियम, के म्राड्याय 20क में परिभाषित हैं, बही स्रायं होगा जो उस म्राड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किना मकान जिसका नम्बर 133/पी० 1/231 ट्रान्सपोर्घ नगर कानपुर में स्थित हैं तथा जिसका क्षेत्रफल 1618 वर्गगज है।

> बी० सी ० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, कानपुर

दिनांक: 29 फरवरी 1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

आयक्र मिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269म (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज II, रूम न० 107, एच ब्लाक नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 19 मर्छ 1980

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्य० Ш/एस० ग्रार०-1/9-79/ आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत ग्रधिनियम' कहा की घारा 269-सा के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका **उचित बाजार मृ**ल्य 25,000/- रूपये से ग्रधिक है, भौर जिस की सख्या 468 प्लाट न० 189-90 लारेंस रोड नई दिल्ली है तथा जो दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची मे पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन दिनाक सितम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूख्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरिनियो) के बीच ऐसे

अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित

उद्देश्य से उन्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप *ने* कथित

नही किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अवितियम की धारा 269-ग के अनुसाण म, में, उक्त प्रिधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखन व्यक्तियों, अर्थान्:—— (1) मैं सर्स ईडको डाईज एग्ड कैमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड के द्वारा श्री वी० श्रार० नायर पुत्र श्री चुन्नी लाल, 8 बी, भगवान दास नगर नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स सैनिथिटिक इराटर डाई कैमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड के द्वारा श्री गुर प्रकाश पुत्र श्री चुन्नी लाल निवासी ऐ-9 भगवान दास नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्व
 िमी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास
 लिखिन में किये जा सर्तेगे।

स्पडिटीश्वरण . -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पक्षो का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

एक मकान नं० 468 जो कि प्लाट न० 189-90 लारैस रोड पर बनवाया गया । जिस का क्षेत्रफल 6970 वर्गगज है।

> ग्नार० बी० एल० ग्रग्नवाल सक्षम ग्रिधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 19 मई 1980

प्ररूप आई². टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज II, रूम नं० 107, एच ब्लाक, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 मई 1980

निदश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० Π /एस. श्रार०-I/9-79/5755—प्रतः मुझे श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिस की सं० 6/52 है तथा जो पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकर्रण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर 1979

को पृवांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों अर्थातः---

- (2) श्रीमती नरेंद्र कवेर धर्मपत्ती सरदार श्रमर सिंह (2) श्री मती सुखबीन्द्र कौर धर्मपत्नी सरदार गुरदीत सिंह (3) श्रीमती वजिन्द्र कौर धर्मपत्नी सरदार बलवंत सिंह (4) श्रीमती जगदीण धर्मपत्नी सरदार श्रजीत सिंह निवासी वी० -59 स्वामी नगर नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं ० 6/52 पजांबी बाग, नई देहली में स्थित है।

स्रार० बी० एस० स्रग्नवाल, सक्षम स्रक्षिकारी महायक स्रायकर श्रयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-्रिक्ली, नई दिल्बी

दिनाक : 19-5-80

मोहर

प्र€प पाई• टो० एन० एग०- -

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) र धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक आयकर मापुनत (निरीक्षण)

भर्जन रेज, रूम न० 107, एच ब्लाव विकास भवन नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाकः 19 मई 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्य०/II एस० प्रार०-I/9-79/ \$786—प्रत. मुझे, आर० बी० एल० प्रग्रवाल बायकर पश्चितियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत पश्चितियम' कहा गया है), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए के प्रशिक है,

भौर जिस की स० डी-9 हैं तथा जो की ती नगर नई दित्ली से स्थित हं भौर इस से उपाबद्ध अनमूची से पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्री-मती स्रधियारी वे वार्यालय, दित्ली में भारतीय रिजर्ट्रीय रण भिष्टित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1979 को

की पूर्वोकत संगति के उचित बाजार मृहय से कम के बुशस्य, न मित्रफास के लिए अन्तरित की गई है और मुझं यह विक्वाण द ने का का स्वारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृहय, इसके दृश्यमान प्रतिषक्ष से, एस दृश्यमान प्रतिकृत का पन्त्रह्म प्रतिशत से मिश्रिक है मोर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐते पन्तरण के लिए तय पाया गय, प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में भारत-जिक कुण से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सहुई किसाधाः की बाबत, खक्त आधिन्यम के अभीन कर कन के अन्तरक के वायित्व में कमी अपन या चससे अचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिण्हें धारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोत्रनाथं अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपामें में सुविधा के लिए;

श्राः भव, उक्त पश्चिनियम की धारा 269-ग के लव्भरण में, में, उक्त स्थितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के स्थीत, निस्तिविद्यात स्थितियों, अर्थात् ाल (1) मैन्प महारानी फैशनज इसके हिस्सेदार श्री चंद्रमोहन शर्मा पुत्र श्री राम लाल शर्मा निवासी सी-18 कीर्नी-नगर नई दिल्ली श्रीर श्री वामदेव एच० डडलानी पुत्र श्री इरी राम निवासी श्राई-113 फीर्ती नगर नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जगवीश प्रमाद सर्हिया पुत्र श्री गोषी र म सर्हिया सी-75 कीर्ती नगर नहीं दिल्ली

(म्रन्तरिती)

को वह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्येवाधियां करबा हूं।

उनत पत्पत्ति के प्रजीन के संबद्ध में कोई भी मालेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रसानन की तारी का थे 45 दिन की अविश्व या तत्सवंशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जी भी प्रवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से जिसी क्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारी करे 45 दिन के भीतर उनत स्वावर सम्पत्ति में हितवद किसी अ व श्यमित द्वारा, अधोद्वस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छी करन :---इसनें प्रयुक्त सन्दों और नदों ना, जो जनस प्रश्निमय ने अध्याय 20न में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस घडवाय में दिया गया है।

अनुसूची

1½ मंजिल मकान थी-9 कीर्ती नगर में स्थित है जिस का क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है।

> श्रारं बी० एस० श्रग्नवाल सक्षम श्राधिकारी तहाबक आवकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक 19 मई 1980 मो**हर** प्रमृष प्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालव, सहाबक भायकर भावुक्त (निनीजन)

श्चर्जन रोज-II, सम नं० 107, एव ब्लाफ विकास भवन नहीं दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 मई 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एस्यू० 111/एस० प्रार०-1/9-79/5793—प्रतः मझे प्रर० बी० एल० प्रप्रवाल प्रायकर प्रधिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके परवात 'उक्त प्रधिवियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, पर् विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति, जिल्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- कार्य से प्रधिक हैं प्रौर जिस की सं० 6121 हैं तथा जो रूप नगर दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद प्रतम्बी में पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारों के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधीनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बश्चापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्ब, उसके दृश्यमान प्रतिफल है, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रनिशन से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिबल रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) म्रन्तरण में हुई िहसी भ्राय की वाबन उक्त मिंध-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अभिनियम, वा अनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ भन्तीरता द्वारा प्रकट नहीं, किया गवा था या किया जाना चाहिए या, छिपैस्त में सुविधा के लिए;

मतः, भन, उनत प्रधिनियम की बारा 269-ग के अनु-मरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,प्रचीत्:— (1) श्री दया सिंह (2) रनजीत सिंह (3) मरदुल गिंह पुत्र श्री बी० साहिय दित्तामल निवासी 6/21 रूप नगर दिल्ली।

(ग्रन्तरकः)

(2) मरदार सुरजीत मिंह पुत्र श्री बी० साहिब दित्तामल निवासी 6/21 रूप नगर दिल्ली।

(श्रन्त(र्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति में प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हवडिशकरण: - इसमें प्रपुक्त एक्टों और पदों का, जो उक्त अधि नियम के प्रक्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद का भाधा हिस्सा बिना विभाजित 6/21 स्प नगर दिल्ली में स्थित है

भार० बी० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सङ्गमक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज II दिल्ली, नई दिल्ली -110002

दिनांक 19 मई 1980 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम०--

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, I, ब्लाक एच विकास भवन नई दिल्ली

निर्देश मं० श्रा\$० ए० सी०/एक्यू०-I/9-79/1620——श्रतः श्रतः मुझे मिसेज एस० के० श्रौलख

नई दिल्ली दिनांक 20 मई 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्मति, जिसका उत्तित वाजार मून्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

भीर जिसकी संख्या XVI 16/654 है तथा जो डब्ल्यू-ई-ऐ-करोन बाग बस्ती में स्थित है (भीर इसमे उपावड़ भनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधिमायम , 1908 (1908 का 16)के श्रीधीन दिनांक सित्मबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित साजार पूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत सधिक है थीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निपितित छहेश से उच्च प्रस्तरण विजा में शस्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें मारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए बा, जियाने में सुविधा के लिए।

भतः भवः, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, म, जनत अधिनियम की घारा 269व की जपसारा (1) के भवीन, निम्निसिबित व्यक्तियों, अर्गत '---

- (1) श्री अगर सिंह पुत्र श्री गुरबख्ण सिंह निवासी मनान गं० 7 पार्ट II गुजरावाला टाऊन दिल्ली जनरूल श्रदानी (1) हर्जस सिंह (2) कुलदीप सिंह (3) करतार सिंह (4) मोहिन्द्र सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह (5) दर्शनकौर (6) श्रीमिन मोन सतवंत कौर तथा श्रीमिनी अजीत कौर पुन्तियां श्री सोहन सिंह (अन्तरक)
- (2) श्रीमती दरीपदा पत्नी श्रमर सिंह (2) विजेन्द्र सिंह पुत्र श्री श्रमर सिंह (3) श्रीमती भूपेन्द्र कौर पत्नी विजेन्द्र सिंह (5) मास्टर राजा नरकार नाबालिंग उसके के पिता के संरक्षण श्राधीन विजेन्द्र सिंह निवासी 7-गुजरां वाला टाऊन पार्ट भ्रादिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्यश्रीहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रश्नैन के संबंध में कोई भी पानेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व में 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की छामील से 36 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारीख से 45 विन के भीतए उन्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्कीकरण. --- इसमें प्रयुक्त शान्दों और पदीं का, जी उक्त ग्राधिनियम के ग्राध्याय 20-क में परिभाग्तित है, वही ग्राचे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

श्रहाई मंजिला मकान प्लाट न० 65 ब्लाक्ष नं० 4 क्षेत्र 260-9 वर्ग गज - म० नं० 16/10654 डबल्यू-ई-ऐ करोल बाग बस्ती रेगर पुरा नई दिल्ली में स्थित है

> मिसेज एस० के० म्रीलख सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 20-5-80

प्रकप आई० टी॰ एन॰ एस॰----

भाय तर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के प्रश्नीत सूत्रना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्राय्•त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–], नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 मई, 1980

निदेश मं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू० 1/9-79/1619--ग्रतः मुझे, मिसेज एस० के० श्रौलख, भायकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उरा अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिवीन सभाग प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यन्ति. जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-ब्पए से ग्रीविक है

ग्रीर जिसकी सं० ई-4 हैं तथा जो हौज खास एन्क्लेव, नई विल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के विश्व (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28-9-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल के प्रमुख उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के प्रमुख प्रतिगति से अधिक हैं और मंतरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (ग्रंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत प्रतरण लिखित में गस्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबस, उबत श्रीधिनियम के भ्रश्नीन कर देने के भ्रग्तरक के गायित्व में कमी करने या उसने बचने में मुविधा में लिए भीर/या;
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भण्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या भन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया याया किया जाना चाहिए बा, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखा गांक्तिमें, प्रवीत:---

- श्री वनारसी दाम मिसल पुत्र श्री चन्द्र लाल—ई-4 होज खाम एत्क्लेव, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2 डि मिसेज देवेन्द्र पाल पत्नी श्री डी० एस० पाल, जी-48, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उनत सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजरत में प्रकातन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक दि किसी भन्य क्यांकित द्वारा, श्रधोहस्ताकारी के पास निश्चित में किए जा सकें।

स्थवतीश्वरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त स्धितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहो अर्थ होगा जा उस सध्याय में द्रिया गधा है।

अनुसूची

ग्रहाई मंजिला मकान नं० ई-4, हौज खाम एन्स्लेय, नई दिल्ली (क्षेक्षफल 125.55 वर्ग गज) में स्थित है।

मिसेज एस० के० श्रीलख स्वाम शाधिकारी सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज—I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक 20-5-1980

प्रका भाई • टी० एत० एस • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के शधीन मृचना

भ(रत सरकार

कार्पालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज-], मई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 मई, 1980

निदेश मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू० 1/एस० श्रार० III/ 9-79/1616---श्रतः मुझे, मिसेज एस० के० श्रीलखा, पायकर प्रधितिया, 1931 (1961 का 43) (जिसे इपमें इनके राजात् 'उना प्रधितिया' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नश्रम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर समालि, जिसका स्थित बाबार मूलव 25,000/- र० रेपिश है

ग्रीर जिसकी सं० के०-85 है तथा जो होज बास एन्स्लेथ, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिथिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उतित शाजार मृत्य से कप के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास कश्ते का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उतित आजार मृख्य, उपके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है पौर अन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के किए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक विश्वित में वास्त्यिक रूप से कवित नहीं किया नगा है।——

- (क) अन्तरण से द्व किया अया की बाबत जनता प्रधिनियम के प्रशीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख ऐसी कि शिआप या किसी धन या अन्य आहितयों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना वाहिए वा, खिपाने में सुविधा के निए;

जतः भव, जन्न धांश्वनियम को श्वारा 269-म के श्रमुत्तरण में, में, जन्म अधिनियम की श्वारा 269-प को जनशासा (1) श्रधीन निस्मिति व्यक्तियों, अर्जात्।——

- श्री लक्ष्मनदास जी रासवासी पुछ श्री गंगाराम दामवानी, 11 चौरंगी लेन, कलकत्ता-16। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री रमेण कपूर (एच० यू० एफ०) श्रीमती रेणु कपूर तथा श्री रमेण कपूर एच/34, ग्रीन पार्क एक्सटें शन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को नइ सूचना जारी करके पूर्वीकन सक्यित के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इन सूच 11 के राजन में जकारान की तारीख में 45 दिन की अवधि मा तत्स्वकारी म्यक्तिमों पर तूबना की तामील से 30 दिन की स्वक्ति, जो भी अवधि बाद में समाप्त दोती हो, के भीतर पूर्वीकत ध्यक्तियों में से किसी क्यक्ति सारा;
- (ख) इत्तुबनः के राजपत में प्रनाशन की तारी खरें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा, प्रश्रोहस्ता करी के वास निश्चित में किए जा सकेंगे।

राज्दो हरग ---इनमें प्रयुक्त अभ्दों और पर्वो का, जो उस्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

मक्षान न० डी० /85, क्षेत्रफल 368 वर्गगज स्थित होत्र खास एन्नलेब, नई जिल्ली—161

> मिसेज एस० के० श्रीलख सक्षम प्राधिकारी महामक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-I, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 20-5-1980

मृत्यपुर माहिश्ति । सहिश् एक्श्राह्म । स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति । स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति । स्वाप्त

क्रम्जिय, सद्याक आयकद्र भायक्त (नित्रीक्षण)

ध्रजंन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, विनाक 20 मई, 1980

निदेण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० III/एस० श्रार०—
III/9-79/1615---यत मुझे, मिसेज एस० के० श्रीलख
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उनत ग्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्व 25,000/एक से स्माहिका है

स्रौव जिल्लाकी मि प्लाट नं के/117 है तथा जो होज खास एक्कलेब, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कार्यालय, नई दिल्ली केरजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर,

को पूर्लेक्ट्रः सम्पतिः के छन्ति बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान मिलिक्ट्र के निम् अन्ति रितः को यह वै बौर मुझे यह विश्वास करने का बुद्धमान है, कि यश्रमहर्भेक्ट्र सम्पद्धिः का उन्ति बाजार मूह्य, ससके वश्यमान अतिकृत् है, ऐसे वृह्यमान प्रतिकृत का पत्न ह प्रतिशत से मिलिक है कोर बातरक (बातरको) और धारति ती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के निए तय पाया गा अतिकृत, किनिकृत वे बेह्म के बन्त, मन्तरण किनिकृत में वास्तर्भ का स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के विश्वास के वास्तर्भ के वास्तर्भ के विश्वास के विश्वास के वास्तर्भ के

- (क) अप्तरण से हुई किसी भाग की वावत उकत अधिनियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राप्त पा किसी धा या प्रस्त प्रास्तियों की, जिन्हें प्रायकर प्रश्वित्यम, 1922 (1932 का 11) या उक्त अधित्यम, या धृत-दर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया था या किया गृह्य चाह्य का छिपाने में सुविधा के सिए।

नतः, खुब् उद्गतं बृधिनियमं की खादा 269-य के सन्सर्य में, मैं, बक्त प्रधिनियमं की बारा 269-यं की छपधारा (1 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—~

- 1 श्री स्रो० पी० कुमाह पुत श्री समर नाथ कुमार शानिपूर गोहाटी (असम) स्रव सार/188 ग्रेटर कैलाश I नई दिल्ली। (सन्तरक)
- 2 श्रीमती दलजीत कौर पत्नी मोहनजीत सिंह निवासी पर्लंड एल० सागर श्रार्थिट तिलक मार्ग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मजन के लिए कार्यशहियां करता हुं।

उक्त, सम्पति के सर्वत के संबंध में कोई भी साक्षेत्र;==

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को त रोख से 4.5. दिन की प्रवृद्धिया त्रसह्बग्धी व्यक्तियों पर मूचना की सुमील से 30 दिन की प्रवृद्धि, जो भी प्रवृद्धि बाद में समाहत होती हो, के भीतर पूर्वोंकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (श्रा), इस सूच्ना के राज्याल में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वक किसी धन्य व्यक्ति हारा, प्रघोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्त्रह्मिकरण .—समर्मे त्रयुक्त जन्मों धीर पर्धे का, जो इस्सू प्रकितिमा के जुल्ह्याम 20क में परिशादिक्ष है, क्ट्री- धर्ष, होता, जो उस, श्राह्माव, हैं विसर गसा हैं।

अनुसूची

खाली प्लाह न० के०/117, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज स्थित होत्र खास एन्डलेव, नई दिल्ली-।

> मिसेज एस० के० घौलख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज-I, हिल्ली, नई दिस्ली-110002

तारीख: 20-5-1980

मोहर:

4-96GI/80

प्ररूप पाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई विल्ली

दिल्ली-110002, दिनौंक 20 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एअपू० I/एस० III/9-79/1614--प्रन. मुझे, मिसेज एउ० के० ग्रीलख, **आ**यकर अधिनियम, 1961 (1961 हा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उन्न प्रशितियम' कहा गरा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वः।स करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिनका उथित ब्राजार मृत्य 25,000/- रु०से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० डी-10 है तथा जो एन० डी० एस० सी० पार्ट-II, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबक ब्रन्सूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ब्रधि-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979 की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उदित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्त-रिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए, और/या

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

- श्री जें० एम० मोहन पुत श्री सी० श्रार० मोहन, निवासी एन० डी० एस० सी० पार्ट-II, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- 2 श्री भजन सिंह पुत्र ग्रत्तर सिंह मनोहर सिंह पुत ग्राम्मा सिंह देशा जनरल ग्रदारनी श्री निर्मल सिंह पुत्र श्री श्रमर सिंह नेथर श्राफ जीनथ साड़ी हाउम, करोल बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, कें भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थातर सम्यक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में फिए जा सर्तेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों श्रौर पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उप श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसू बी

मकान न० डी-10 एन० डी० एस० सी० पार्ट-नई दिल्ली क्षेत्रफल 1000 वर्ग गज।

> मिसेज एस० के० श्रौलख सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज+I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 20-5-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 मई, 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० I/एस० आर०III/9-79/1610---पन: मुझे, मिसेज एस० के० औलख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ह० से अधिक है

ष्पौर जिसकी सं० 3400/3401 है, तथा जो बगीची हबीब बन्नस, पहाड़ गज, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इसमे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, सारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तिरा की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथानुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से ग्रधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तिरती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से किया गया है: —

- (क) श्रन्तरण से दुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधितयम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ध्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना **घाहिए था छि**पाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रज्ञ, उन्त ग्रधिनियन की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीतः—-

- श्रीमती कमला रानी पक्ष्मी श्री माध्रो खाल निवासी 3400 बगीची हवीब वनप पहड़ गंज, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. मै॰ महावीर श्रेष्य सभा 10506/1 बगीची हबीच बन्स पहाड़ गंज, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो 'उक्त ध्रधिनियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3400/3401 क्षेत्रफल 113 वर्गगज बागीची हबीव बक्स, पहाड़ गंज, नई दिल्ली।

> मिसेज एस० के० श्रोलख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 20-5-1980

प्रकेष आई० टी० एन० एस०------

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) कि अधिन स्विना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजैन रेंज-1, नई विल्ली

नई विल्ली-110002, दिनाक 20 मई, 1980

् निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एअयू० 11/9-79/1608-मतः मुक्के, मिसेज एस० के० मीलख,

अप्यकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम', कहा गया हूं।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

कीर जिसकी सं० 320 है तथा जो न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीन इससे उपाबंद्ध अनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप में वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979 का पूर्वाकृत सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गेई हैं और मूं में यह विश्वास करने का कोरण है कि यथापूर्वों केत सम्पत्ति का जीवत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्यक्षिय से उक्स अन्तरण लिखत

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अधिस्तियों को, जिन्ही भारतीय ओय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया ग्रया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसर्ग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिख्त व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्रीमती स्वर्ण कपूर पत्नी हिर्दिक्स केंप्रेर लीसी भकान नं 320, न्यू राजिन्द्र नगर, नई विल्ली। (धन्तरक)

2. श्री रमेंश लांस पुंत्र श्री कींदर भाने निवासी 320 न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी किरैंके पूजार्यत सिंग्पेरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उर्वत सम्परित को अपने के सम्बन्ध में के हैं भी आर्थिप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;

स्पर्व्हेकिरणं:— इसमें प्रयुक्त किन्दों और पेदों का, जी उन्नत अधिनियमं, के अध्याय 20 क में परिभाषित हु, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मंक्तान ने. 320, स्यू रीजिन्द्र नेगर, तई दिल्ली स्थित।

मिसेज एस० के० धौलख सैनाम प्राधिकारी सहायक धर्यिकर धार्युक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 20-5-1980

प्रीक्षय "साई० हो ० एन० क्स४-------विविद्यं र[्]किविनियेन, "१४७ ४ वित्र की प्रीतिनियेन, "१४७ ४ वित्र की प्रीतिनियेन

> 269-च (1) के अधीन-सूचना भारत सरकार

नार्थालय, सहायक मायकर आमुर्कत (निरीक्तक)

म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, विनांक 20 मई 1980

र्निंद म सं प्राई० ए० सी०/एक्य०-/9-79/1606--ग्रंत: क्षेत्र), मिसेज एस० के० ग्रोलख,

बाव्यक् अविनियम, 1961 (1961 का 43) (निवे इसमें इसके प्रधात 'उस्त अविनियम' कहा नवा है), की बारा 269-ख के अवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करेंने का कार्रण है कि स्थावर संग्रेसि, 'जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अविक है और जिसिकी 'सं डी-202 है तथा जो डिफेंस कीलोनी, नई''विस्ती 'में स्थित है (मौर इससे जवाबिस मानुसूची में मौर पूर्ण हैंप 'संखिणित है) रिजिस्ट्रीकित में मिधकीरी के कार्या-लय 'निई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकर्रण 'म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, 'तिरीख सितम्बर, 1979

की पूर्वी रेड मिनी से जीपत का बीर मूह्य से कीन के दूर्यमान प्रति-फल की लिए गैनीरिव की मिर्दि के ग्री र मुने बह कि येथिया करने का कारिण है कि येथि पूर्विकेंड सम्मत्ति की जीवित कि जिलार मूह्य, सके दूब्यमान प्रतिफल से, 'एस पूर्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत ग्रीवक है ग्रीर अन्तरक (यन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिये तय पामा मया प्रतिकत, निम्ने लिखित उद्देश्य से उनेड अन्तरंग लिखित में बार्सीवक रूप से कियत नहीं किया ग्रंग है !---

- (क) अन्तरण से कई किसी शाय को बाबत ्रक्त प्रधितियम के प्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के बाबिस्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए: ग्रोर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसो बन या प्रत्य धास्तियों को किस्हें भारतीय धाय-कर् धांधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत धांधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जीना चाहिए ची, छियाने वें सुविधा के लिए।

जतः धव, उनत धिधिनियंव की घारा 269-व के जनसरण में, में, खबा अधिनियम, की घारा 269-व की उपिधिर्द (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, जवति :--

- 1. ऋी टी॰ एँम॰ सूद तथा दूसरे 25/60 गांधी नगर, ग्रागरा। (श्रन्तरक)
- 2. श्री हारा सिंह तथा श्रीमती संत कौर $\sqrt{138}$, फतेह नगर, नई विल्ली। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जिन्त सम्पाल के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी अर्थांप :---

- '(भ) वैस 'सूचिना के 'रीजेवल में प्रकाशन' की तारीख 'स ' के 'रिंग 'की 'कीवील में 'तासची ' क्यास्तायों ' कर 'सूचना 'की 'सीजील 'से 'अ'0' दिन में सिंगित, को 'की सबिध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूँचीकत ''कीविसकी ' में ''से 'किसी " श्रीकर की रा:
 - (छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार्धन की सारीख से-45 दिन के भीतर उनेत स्थावर सम्पत्ति में दिलबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोदेंस्तम्बारी के पास सिखित में किए भा सकेंगे।

हार्बसिक्टिक 'र=धिइसी त्रियुक्त प्रविदि कीरि वर्दी हो। स्था कार्यत ं अधितियम के अध्याप 720मा मिं प्रतिस्थिति "हि, वही ध्याँचे हिणा, नी 'छस श्राप्तवान में विकाशिक्या है।।

निहिची

मकान न० डी० 202, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

मिसेज एस० के० ग्रीलख स्थाम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 20-5-1980,

प्रकृप भाई । टी । एन । एम •---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज $-\mathrm{I}$, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 मई 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्मू० I/एस० श्रार०-III 9-79/1605---श्रतः, मुझे, मिसेज एस० के० श्रौलख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चनत् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/- र० से स्थिक है

ग्रीर जिसकी सं० डी-3/8 है तथा जो वसन्त बिहार, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, (1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिल्ता बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रतिक्ष के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिक्ष्त से ऐसे दृष्यमान प्रतिक्ष का पन्तह प्रतिशत ग्राधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ल, निम्नलिख उद्देश्य से उक्त धन्तरण कि बिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है. —

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उनत ग्रिशिनयम के ग्रिशीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

धतः प्रव, उक्त धिवित्यम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त धिवित्यम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नमिखित व्यक्तियों अर्थातः---

- श्री आरं० एल० वाधवानी पुत्र श्री लेख राज वधवानी निवासी एम०-18, न्यू राजिन्द्र नगर, नृद्ध दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री कृष्ण मूर्थी चन्द्रा तथा कृष्ण मूर्थी जयकर पुत्र श्री बी० कृष्ण मूर्थी निवासी 70/1 एम० के० जी० श्रवन्यू, श्रशोक नगर, मद्रास नई दिल्ली में रहता है। (श्रन्तरक)

3. श्री जे० सी० मकवसन डी० 3/8, बसन्त विहार, नई विल्ली। (ग्रन्तरिती)

> (वह व्यक्ति जिसके श्रिभयोग म सम्पति है)

को यह सूजना जारी करते पूर्वीक्त पम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के पम्बन्य में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तनमम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की अविध, जो भी ध्यविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितंबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भयें होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न॰ डी-3/8 एक मंजिला क्षेत्रफल 600 वर्ग गज घसन्त विहार, नई दिल्ली में स्थित है:

> मिसेज एस० के० ग्रीलख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक र श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 20-5-1980

प्रहा आई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीत सूत्रता

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 मई 1980

श्रीर जिसकी सं० श्रार०/644 है तथा जो न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भंन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, खसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखिन में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है ! --

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीप/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत ग्रिधिनियम, या धत-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, ग्रब, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के श्रन्सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

- 1ू श्री एस० एस० गिल पुत्र श्री राम लोक गिल निवासी ग्रार-664, न्यू राजिन्द्र नगर, तर्ई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मनोहर लाल मक्कर पुत्र श्री रूप दन्द तथा श्री ग्रगोक कुमार पुत्र श्री सुन्दर दास निवासी 5102, 8 सिरकी वालान, हौजकाजी, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को य<mark>ह सूचना</mark> जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **धर्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन को तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भग्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदो का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रम्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थं होगा जो छस अध्याय में विया गया है।

भकान न० आरं०-644 न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है।

मिमेज एस० के० श्रौलख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002 दिनांक 20-5-1980

प्र**का**शाई०, टी०, एन० ,पुस०-, -

माय् तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भार्त्रक सम्दर्भक र

कार्यातय, सहायक आयुक्तर भायुक्तः (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-ा, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 मई 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू-I/एस० प्रार०-III/ 9-79/1600--- प्रतः मुझे, मिसेज एस० के० ग्रीलख, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रश्नित्यमं कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्याद्ध सम्प्रकार जिल्ला उन्तिक काजार मूसक 25,000- रुपये के ग्रधीक हैं।

मौर जिसकी सं० दुकान नं० 161 है तथा जो सरस्वती साई, इन्सेल कुछ, नई विल्ली में स्थित है (धौद इससे उपा-बढ़ धनुसूची में घौर पूर्ण रूफ़ में क्शिक है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिन्तियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित्र ब्राजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए झम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छित्रत बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मिश्रक है भीर झन्तरक (अन्तरकों) और झन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे झन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त झन्तरण लिखित में वास्तिव कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किमी भाय की बाबत, उक्त भिक्ष-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दासित्व में कमी उसके या उससे वचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का: 11:) या उन्नव प्रश्चितिम्बाः यह धन्नकृतः मधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के मुक्केन्नन्त्रमं भ्रत्यद्विद्दी द्वानुष्ट्ः प्रकट नहीं किया गया था या किया भ्राता चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः शव, उक्त श्रिशितयम की धायः 269-स-केश्चनुस्त्रकः कें, में, उक्त श्रिशितयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के पृत्नीहर, निम्तलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. मैं० फ्रजन्ता इन्टरनेशनल 62 बाबर लेन, नई दिल्ली द्वारा हिस्सेदार ध्याम गुप्ता कृष्ण शर्मा तथा श्रीमृत्री कृष्णा रावस । (भ्रन्तरक)
- 2. मैं० राजीव वर्मा तथा सनजीव वर्मा 162 सरस्वती मार्गकरोल बाग, नई दिल्ली द्वारा हिस्सेदार राजिव वर्मा तथा सतनीव वर्मा। (अन्तस्ति)

कोन्सकः सूजना कार्ति कार्यकापुर्वोत्तकः सम्पतिः हैः सूर्वकः केर्यकार्यकः कार्यवारिक्षां करता हुं।

उनत समात्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मुक्षेप :---

- (क) इस सूचना ने राजका में समासन की तारीका से 48 विज्ञ की अविक्र या ताराम्बाधी स्मित्तों प्रक्र सूचका की तामीका के 30 दितानी सम्बंध, को भी अवस्थित का को समास्क होती हो। के भी तर पूर्वका व्यक्तिकों के से किसी स्थाना स्वरा;
- (सा) इस स्कूनर-के द्रायम्बा- में प्रकासक् की सारीकाः से 4.5 कित के पितान स्थान स्थानकः सम्पातिः में विकास विक्री सन्तर्व स्थानकः सामा स्थानकः सम्पातिः के प्रकार विक्रीकृतः के किये। इस सम्बंधिः।

स्वब्दी तरणः -- इतमें प्रयुक्त मुक्तों स्मीर् पद्धीं का, जीह-क्कृत स्रिक्कि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा, जो छस सध्याय में दिया गया है।

अमृशस्त्री

दुक्कान न० 161 (म्राउण्ड फ्लोर) क्षेत्रफल 16.43 वर्ग मीटर म्यूनिसिपल मार्केट सरस्वती मार्ग, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित।

> मिसेज एस० के० ग्रौलख सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रापकर श्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-I, दिल्ली, नई द्विल्ली-110002

तारीख: 20-5-1980

.

मोह्यर:

प्रकल भाई० टी० एत० एस०---- ~ ~

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की প্রায় 269-च (1) के मधीन सूचना

पारन मुरकार

कार्यांसव, सहायक मायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिलाम 20 मई 1980

निर्देश मं० आई० ए० सी ०/एक्यू०-I/एस० आर०-III/9-79/1599--- ग्रत, मुझे मिसेज एस० के० ग्रीलख, आयकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'बक्त मक्षिनियम' कहा गवा है), की घारा 26% ख के मधीन सक्सम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बक्ति, जिसका उवित बाबार मृत्य 25,000/- र• से अधित है श्रौर जिसकी सं० श्राय०-7 है तथा जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सिनम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाबार मूल्य से तम के बृश्वमान पतिषक्षम के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने काकारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मृत्य, त्रमके दुश्यमान प्रतिकत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है, घौर यह कि चन्तरक (अन्तरको) और भक्तिकती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भक्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित चद्देश्य से उक्त बन्तरच लिखित में बार्श्विक इस्य ने अधित नहीं किया गया है :---

- (म) धन्तरण से हुई जिसी यात की बानत, उनत धिवन नियम, के सभीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनमे बचने में भूतिशा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किनी प्राप्त मा किनी यत या प्रस्त प्राप्तिकों को जिन्हें भारतीय प्राप्त-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अत कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अपनिरती द्वारा प्रकट नहीं किना लगा चा या किया जाना चाहिए या, खियाने में शुविधा के लिन।

भतः घर ७१त ममिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, में जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन ध्यक्तियों अर्थात :--

- 1. श्रीमती स्वर्ण कुमारी पत्नी गुरचरण लाल तथा श्रीमती राम प्यारी पत्नी श्री मकमूदन लाल 29/2 शक्ति नगर, सब्जी मंडी, विल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री एम० सी० दुम्रा कर्ता मै० खैराती लाल एण्ड सन्स (एच० यू० एफ०) IV/एन०/27-28 लाजपत नगर, डबल स्टोरी, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मिक अर्जन के जिए कार्यवाहियां करना हूं।

उनत सम्पत्ति के चर्चन के सम्बन्ध में कोई भी माश्चेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकातन की तारीज ते 45 दिन की घनकिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामीन से 30 दिन की घनकि, को नी घनकि बाद में समाप्त होती हो, के फीतर पूर्वोक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घडोहस्ताक्षरी के बास तिखित में किए त्रासकेंने।

रपच्छीकरच .--इसमें प्रयुक्त बन्दों झोर पदो का, जो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभावित है, बड़ी अबंदोगा जो उस अध्याय में विकासवा है।

प्रमुख्यो

मकान न० म्रार०-7 क्षेत्रफल 205 वर्ग गज ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है।

मिसेज एस० के० ग्रौलख सक्षम प्राधिकारी,

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख 20-5-1980 मोहर:

5---96GI/80

प्रकृष श्राई० टी० एन० एस०--

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 मई 1980

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० म्रार०-III/9-79/1598--- प्रत: मुझे मिसेज एस० के० धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मुख्य 25,000/-स्पए से ग्रौर जसकी सं० एम०/20 है तथा जो एन० डी० एस० सी० पार्ट-II, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध म्रनसूची मे भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधि-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, नारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बृण्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बृण्यमान प्रतिफल से, ऐंगे बृग्यमान प्रतिफल के पन्त्रह पनिष्त ने अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिनियों) के बीच ऐसे प्रम्तरणके लिए तय पाया गया। प्रतिफिल निम्नलिखित उन्ध्य से उन्त क्षित्रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) प्रतर्देश गंडुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के शरीन कर देने के शक्तर≫ के दास्त्रिक में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के किए। और/या
- (श्व) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम 1922 (1922 वर्ष 11) या छन्त अधिनियन, या धन-तर धिक्षि (1957 (1957 का 27) के प्राप्तनार्थ की द्वार उन्हें किया गया का जा 1621 का) चाह्य था, जिपाने में श्विषा के लिए;

अतः, अयः, उक्त प्रधिति । की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त प्रधिनियम की गरा 269-श की उपद्यारा (1) के सधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—-

- 1 श्रीमती भदीन्द्रजीत कौर लाम्बा पत्नी श्री जगजीत सिंह लाम्बा डे० बी० ग्रजन्ता ग्रपार्टमेंट 10 गुरु सदे रोड, कलकत्ता-19।
 (श्रन्तरक)
- 2 मैं० स्ट्रो प्रोडक्ट्स लिमिटेड जैं-के पुर रयागादा जिला कोरापुट, भ्रोडिसा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीचन पस्पति के प्रमंति लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्गन के संबंध में काई भी बाक्षेप .--

- (क) इस मूबना के राजनत में प्रकाशन की नारीख से 45 रि। की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की गानि से 31 दिन की प्रविध जो ते प्रविध नाद रें सनाया निहो, के सी। (क्षा की तियों में
- (ख) इस नूचना ५ राजपत्र प्रें तक। शन पो आपख ९ 15 देत के तिनर खबत स्थानर सम्पत्ति में दित-बद्ध नियी अन्य स्थानित द्वारा, भवात्र-साक्षारी के स्थान स्थान किए ता सकेंगे।

स्वष्टीकरणः इसरें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अष्टगाय 20-क में परि-भारित, है वहीं अर्थ हीगा को तब एटणय में दिया गया है।

अन्सूची

मकान नं॰ एम॰-20 माऊथ एक्सटेंगन पार्ट-II, नई दिल्ली।

> मिमेज एस० के० श्रीलख सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 20-5-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 मई 1980

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० म्रार०11/9-79/1597-म्रतः मुझे, मिसेज एस० के० म्रोलख,
आयकरम्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
क म्रधीन सक्षम गाधि तारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि
स्थावर सम्यत्ति जिनका उचिन बाजार मूल्य 25,000/ रुपये
म श्रीधक है

ग्ररजिसकी सं० श्रार०-562 है तथा जो न्यू राजिन्द्र नगर, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य असके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐन अन्तरण के लिए तय गांवा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य स उना अन्तरण जिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों का जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धनकर श्रधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः ---

- 1. श्री सुभाष चन्त्र सचदेव श्रार०-562 न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती शुक्ला मोहिन्द्र पत्नी श्री किशोरी पाल मोहिन्द्रा निवासी श्रार०-562 न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका समात्ति के प्रर्शन के तम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामी न से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस भूवना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त प्रधि-नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसुची

दो मंजिला मकान नं० ग्रार०-562 न्यू राजिन्द्र नगर नई दिल्ली क्षेत्रफल 289 स्क्वायर यार्ड।

> मिसेज एस० के० **भौलख** सक्षम प्राधिका**री,** सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 20-5-1980

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० ——— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सृथना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 मई 1980

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०-J/एस० आर०III/9-79/1162-अतः मुझे, मिसेज एस० के० श्रीलख,
गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० एफ 14/13 है तथा जो कृष्ण नगर, दिल्ली—51 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में भीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अम्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नल्लीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- 1. श्री मतपाल पुत्र श्री मेहर चन्द निवामी एफ 14/13, कृष्ण नगर, दिल्ली—51 (अन्तरक)
- 2. श्री गुरदीप सिंह भाटिया पुत्र श्री मुराँव सिंह भाटिया निवासी 96/25, नहर गली, गांधी नगर, दिल्ली—31। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्पनाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति य्वारा, अभोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनसे अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, भही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

एक रिह्नायशी मकान नं० एफ० 14/13 जिसमें दो कमरे किचन, बाथरूम, टट्टी ग्रौर स्टोर बिजली पानी सिंहन, कृष्ण नगर, गांव गोन्दली, दिल्ली।

> मिसेज एस० के० श्रौलख, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थातः——

तारीख: 20-5-1980

प्ररूप आई०टी०एन०एम०

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यसम, सहायम श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण)

भ्रजन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली नई दिल्ली-110002, दिनाक 20 मई 1980

निदेण स० म्राई० ए० सी०/एक्यू०—J/एस० म्रार०—IV/9—79/1162—म्रान मुझे, मिसेज एस० के० म्रांलख, म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूर्य 20,000/- रु० से भिष्ठक है

भौर जिसकी म० बिचला हिस्सा मकान न० एफ० 14/13 है तथा जो छण्ण नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रांग इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर अन्तर्र (अन्तरको) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी श्राय वा किमी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः स्रम, उक्त श्रविनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :--

- 1 श्री खैराती लाल पुत श्री राम प्रकाश श्ररोडा, निवासी 6/208 झील कुरजा, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2 श्री मती चिमा दीवान पत्नी श्री के० के० दीवान निवासी 6/14, मोहल्ला भगराम शाहदरा, दिल्ली। (श्रन्सरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से - 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्हीकरग: --इसमे प्रयुक्त शन्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिचला हिम्सा मकान न० एफ 14/13, कृष्ण नगर, क्षेत्रफल 80.6 वर्ग गज दिल्ली।

मिसेज एस० के० ग्रीलख सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-^I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 20-5-1980

प्रक्ष धाई• ही• एत• एस•-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के सबीत सूचना

शास्त्र सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर चायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-I, 'एच' ब्लाक विकास भवन, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 मई 1980

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू--ग/एस० ग्रार०--/9-79/1155---ग्रतः मुझे, मिसेज एस० के० ग्रीलख, आयकर अधिनियम, 1961 (1931 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को घारा 239-ख के ग्रधीन सभाग पाछिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मूख्य 25,000/-रु० से श्रीक है

ग्रौर जिसकी सं० एक्स/29, है तथा जो मोहन पार्क नवीन गाह्वरा, दिल्ली-32 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधि-कारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979

भोपूर्वीकत सम्पत्ति के उतित बाजार मूस्य से कम के दूश्यमान प्रत्यक्त के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिफल ग्राविक है और पन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्राविक कल निम्नतिश्वित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्था से कथित नहीं सिया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वासत जनत अधि-ानयम, के मजीन कर देन के भन्तरक के दायिस्व में कमा करने या उससे अपने के स्विधा के सिए। श्रीर/मा
- (च) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, निन्त्रें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर शिधनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ धन्तरिसी क्षारा प्रकट नहीं किया गणा चा या किया जाना काहिए था, फियाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग क अनु-सरण मे, मैं, उन्त अधिनियम की <mark>घारा 269-व की उपधारा</mark> (1) के अधीन, निम्निजीखन व्यक्तियों, अर्थात्।——

- श्री विजय बहादुर पुत्र श्री राज नारायण वर्मा निवासी एक्स~29, मोहन पार्क नवीन शाहदरा, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री श्रोम प्रकाश जैन पुत्र श्री महाबीर प्रसाद जैन निवासी ए-17 मोहन पार्क, शाहदरा, दिल्ली-32। (श्रन्तरिती)

को यह नुचना जारी करके पूर्वीका सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की लारीच से 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहक्ताक्षरी के पास विवित्य में किए जा सकेंगे।

संग्रहीकरण।--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पशें का, जो उन्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाणित है, नदी अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्रयाय में दिया गया है।

अमुसूची

एक रिहायणी मकान नं० एक्स-29 क्षेत्रफल 91 वर्ग गज जो मोहन पार्क नवीन शाहदरा दिल्ली में स्थित है।

> निसेज एस० के० छौलख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज—1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 20-5-1980

प्रक्ष आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
धर्जन रेंज-I, दिल्ली
नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 मई 1980

निदेश सं ्रष्ट्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/9-79/1156-

ग्रतः मृक्षे, मिसेज एस० के० औलख, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 19 बी/3 तथा जो ज्योति नगर पिक्सि नई दिल्ली में स्थित हैं (मौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पितिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अधा, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों अधीन,

- 1. श्री मन्जीत सिंह पुत्र गोकल सिंह एफ-21/बि विजय नगर, दिल्ली-9। (अन्तरक)
- 2. श्री नंजीय कुमार चौहान (माईनर) पुत्र श्री हरी सिंह तथा श्री ग्रमित कुमार पुत्र श्री राम ग्रामरा चौहान नियासी ग्राई/9570, प्रताप पुरा, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 19 बी /3 गली नं० 3 रोहनास नगर, क्षेत्रफल 288.9 वर्ग गज ज्योति नगर (वेस्ट) णहादरा दिल्ली में स्थित।

> मिसेज एस० के० श्रीलख सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आय्क्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 20-5-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत गरहार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (तिरीक्षण) भ्रर्जन रेज⊷ा, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनाक 20 मई 1980

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०—J/एस० प्रार०—
IV/9—79/1157—प्रत. मुझे, मिसेज एस० के० प्रौलख,
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् जिक्त प्रधिनियम कहा गरा है), की धारा
269-खं के प्रधीन सन्नम प्राधिकारी को, यह विक्यार करने
का कारण है कि स्वाबर समाति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से प्रश्विक है

ग्रीर जिसकी सं० ए०3/6 पार्ट है तथा जो गांव गोन्दली श्राबादी कृष्ण नगर, दिस्ली—51 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मितस्वर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह जिश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्न सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश में अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के प्रियाल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुनिधा के लिए;

अतः अब छक्त अधिनियम को धारा 269ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की छपधारा 1 के अजीत, तिस्तितिबा कार्यकायों, अधीत:

- 1 श्रीमती विमला बाली पत्नी श्री राम स्वस्प बाली ए० 3/6 कृष्ण नगर, दिल्ली-51। (श्रन्तरक)
- 2 श्री रमण चन्द नारग पुत्र श्री चदगी राम निवासी सी-2/1, कृष्ण नगर, दिल्ली ~ 51 । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की घविब, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बत्ति में हित-बद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रक्टोकरण:--इममें प्रयुक्त शम्बों श्रीर पदों का, जो उक्त प्रिवितयम, के प्रध्याय 20-क में परिकाचित हैं, बही पर्यं हीगा जो उस प्रक्र्याय में विया गया है!

अमुसूची

मकान नं० ए.०-3/6 (पार्ट) क्षेत्रफल 89 4/9 वर्ग गज गाव गोन्दली श्राक्षाची कृष्ण नगर, दिल्ली-51 में स्थित है।

मिसंज एस० के० श्रौलख स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रंज—I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख़. 20-5-1980 मोहर: प्रकप धाईं शी एन एस ---

मायकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के ग्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर वायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-1, 'एच' ब्लाक, विकास भवन नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० I/एस० धार-II/9-79/1158—-प्रत. मुझे, मिसेज एस० के० ग्रीलख धायकर ग्रीविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सबय प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति, विश्वास कवित बाजार मूक्य 25,000/- स्पये से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या इ-5/27 है तथा जो कृष्ण नगर बिल्ली-51 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावश्व अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उणिन बाजार भूक्य से कम के बृश्यमः न प्रतिकास के लिए धन्तरित की वर्ष है और मुखे वह निश्यास सरने का कारन है कि वचापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिनत बाबार मूक्य, उसके बृश्यमान प्रतिकास में, ऐसे बृश्यमान प्रतिकास के पन्द्रह प्रतिकृत से प्रधिक है और धन्तरक (प्रश्तरकों) धीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय वाया नया प्रतिकास, निम्नलिखित उद्श्य के उसत धन्तरण निविद्य में वास्तिक रूप से क्षित नहीं किया नया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधितियम के प्रभीत कर देने के भन्तरक के वायिक्त में कभी करने वा अससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या धन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय झायकर घाँवनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत घाँवनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना चाहिए वा, जिपाने में संविधा के लिए;

'इत: धन, धनत अधिनियन की आरा 289-म के सनुसरक में, में, उनत अधिनियम की बारा 269-च की क्वारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 6—96GI/80

- (1) श्रीमती राम प्यारी पत्नी नाथी राम थापर इ-5/27 कृष्ण नगर दिल्ली-51 (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती वीना ग्ररोडा पत्नी सुनील ग्ररोडा 3-8/3 कृष्ण नगर विल्ली 51

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहिको करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी घालेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में मकाशन की तारीख से 45 वित्र की श्रवित्र, या तत्त्वकाधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 वित्र की श्रवित, जो भी श्रवित बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वीचत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति क्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद्र-वद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा धन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त अन्दों भीर पदों का, जो सकत श्रीकियम, के अन्याम 20-क में परिवाणित है, बही शर्म होगा जो उस प्रक्याय में विशा सम्बद्ध है।

अनुसूची

मकान नं० ई-5/27 गांव गोंदली म्राबादी कृष्ण नगर दिल्ली-51 (क्षेत्रफल 125 वर्ग गज) में स्थित है।

> मिसेज एस० के० घौलख सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंजर्ज, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 20-5-80

मोहर 💃

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयहर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज I, एच ब्लाक, विकास भवन नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 मई 1980

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी० /एकयू-I/एस० ग्रांच० Iv/9-79/1159—ग्रतः मुझे, मिसेज एस० के० ग्रीलख ग्रायकर ग्राधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उकत ग्राधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/— रुपये से श्राधिक है ग्रीर जिसकी संख्या ई-5/27 है तथा जो कृष्ण नगर दिल्ली-51 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानमूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए श्रम्तरित की गई है शौर मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्ति दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है शौर अन्तरक (श्रन्तरकों) शौर श्रन्तरिती (श्रम्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रम्तरण निखिन में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गमा है:—

- (क) ग्रन्तरण से तुई किसी ग्राय की बाबत उनन ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या स्रन्य स्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर स्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त स्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

स्रतः, श्रवः, उत्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उत्ता प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखा व्यक्तियों. ग्रयीत् :--- (1) श्रीमती राम प्यारी पत्नि नाथू राम थापर निवासी \$-5/27 फूष्ण नगर दिल्ली-51

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रीता **अरोड़ा** पत्नि सुरेश श्ररोड़ा, एफ-9, राधपुरी दिल्ली-51 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीनर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूवता हराजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्प्रति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढटोक्सरण:---द्रवमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त घ्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा मकान नं० ई-5/27 का क्षेत्रफल 85 वर्गगंज जो गांव गोंडली, श्राबादी कृष्ण नगर दिख्ली-51 में स्थित हैं।

मिसेज एस० के० श्रीलख सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 20-5-80

प्ररूप भाई० टी० एन०एस०-

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, एच० ब्लाक विकास भवन, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली -110002, दिनौंक 20 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू I/एस आर-IV/9-79/1161—अतः मुझे, मिसेज एस० के० श्रौलख आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रवीत उपा गिश्विकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंति जिपका उचित बाजार मूट्य 25,000/- क० में भिष्क है और जिसकी संख्या 109 है तथा जो ज्वाला नगर गांव चन्द्रावली शहादरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण क्ष्म से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के

चन्द्रावली शहादरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के
कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकाण श्रधिनियम 1908
(1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अथार्योक्त संगत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह
प्रतिशत श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितिषों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफत निम्नितिबित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण विविद्य में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरम न हुई कियो आय की बाबत उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के अन्तरक के वा**पिरव में** कमी करने या उसये बचने में सुविधा के लिए; **शौर/या**
- (खं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निस्तिनिक असितां, असी चन

- (1) श्री जगदीण चन्द्र पुत्र श्री गोबिंद राम 109 ज्वाला नगर शहादरा दिल्ली-32 (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती णारदा देवी पत्नी श्री विद्या रत्न 133 मोहल्ला ज्वाहर, फराण बाजार शहादरा दिल्ली-32 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की ता रीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथें होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बना हुन्ना मकान नं० 109 प्लाट नं० 109 क्षेत्रफल 200 वर्ज गज स्थित ज्वाला नगर गांव चन्द्रावली शहाबरा, दिल्ली-32।

मिसेज एस० के० **भौतख** सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 20-5-80

प्ररूप आई ० टी० एन० एस०

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-I एच ब्लाक विकास भवन, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्य्०I/एस० ग्रार०-IV/9-79/ 1163—-ग्रतः मुझे मिसेज एस० के० श्रौलख

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 2.69-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिस की संख्या डी 5/20 है तथा जो कृष्ण नगर दिल्ली-51 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक सितम्बर 1979

को प्वांक्त सम्मति के उचित वाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पति का उचित वाजार मृत्य, इसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाका ज्ञा प्रतिफल, निम्नलिखित उक्केश्य से उक्त अन्तरण लिखित को वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की वाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिक्धा के लिए;

अतः अक्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात्:——

(1) श्री अक्सिश कृष्णलाल पुत्र बस्शी इशर दास निवासी ई-11/6 कृष्ण नगर दिल्ली-51

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्याम सरूप शर्मा पुत्र राम सरूप शास्त्री निवासी 62-63 रूरल हटमेंन्टस जामिया कालिज केम्पस, नई सिरूली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीसं से 45 विन की अवशिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवशिष, जो भी अवशिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 जिस को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहरताकारी के शास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरथ:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीभित्रयस, के अभ्याय 20-क में परिभावित ह^क, बहुरी अर्थ होता को उस अभ्याय में दिका गया है।

नग संची

मकान नं॰ डी-5/20, क्षेत्रफल 195 वर्ग मीटर जो कृष्ण नगर दिल्ली-51, में स्थित है ।

मिसेज एस० के० मौलख सक्षम मधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण) मर्जन रेंज-Î दिल्ली, नई दिल्ली 110002

दिनांक : 20 मई 1980

प्राचक साई० टी + एव + ए स +-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के मधीन बूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सदायक पायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्राजेन रेंज-I, एघ० ब्लाक विकास भवन, नई दिल्ली 110002 निर्देश से बार्र॰ IV/9-79/1164

ग्रीर जिसकी संख्या 9/1974 है तथा जो प्लाट नं० 46 गली नं० 3-4 कैलाण नगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली 31 में भारतीय रिजस्ट्रीकण ग्रिधिनयम 1908, (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक सितम्बर 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति- फल के लिए सम्पत्ति का खिल साजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति- फल के लिए सम्पत्ति का खिल साजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति- प्रतिक्षक से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्षक का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर अन्तर्ति (प्रन्तरिक्शों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्त उद्देश्य से खन्त पन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किंवत नहीं दिया गया है किंव

- (क) धरतरण से हुई किसी घाय की बाबत उपल खिक-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के बायिएक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए। और या
- (च) ऐसी किसी माय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए या, कियाने में सुविधा के लिए;

असः सक, उक्त-शिक्षिकम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त शिक्षित्यम की धारा 269-ज में अप-धारा (1) के अधीन निश्नसिखत व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्री स्वरुप पुत्र श्री माता दीन निवासी 9/202 गली नं० 4 कैलाश नगर-दिल्ली-31
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती राजवती पत्नी श्री प्रेप संकरशर्मा 9/1971 गली नं०-4 कैलाश नगर, दिल्ली-13 (अन्तरिती)

को यह सुनना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित के अर्जन के लिए कार्यगाहियाँ करता हूं।

जनत सम्पत्ति के पर्वन के संबंध में सोई मी पार्श्वेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संगति में दितवद किसी परंप व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहरताक्षरी के पास जिखित में किए जा सहेंगे।

स्वक्षीकरमः ----इसमें प्रमुक्त मन्तां प्रोर पदों का, खो उक्त प्रधितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भये होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रद्धाई मंजिला मकान नं० 995/198 पुराना श्रोर नया नं० 9/1974 प्लाट नं० 46 गली नं० 3-4 कैलाश नगर दिल्ली-31

मिसेज एस० के० श्रीलख श्रक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज र्र, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 20-5-80

मोहरः

प्रकप माई • टी • एग • एस • — आयकर अधिनियम, 1951 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I,एच० ब्लाक विकास भवन, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 मई, 1980

निर्वेश सं० भाई० ए० सी०/एम्यू-I/एस० भार०-IV/ 9-79/1165--- प्रतः मुझे, मिसेज एस० के० ग्रीलख, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके परवान् 'उकत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का हारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से मधिक है श्रीर जिसकी सं० जे०/5 है तथा जो नवीन शाहदरा दिल्ली-32 में स्थित है (धौर इससे उपाबद धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्वोत्रन समात्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्तका पन्द्रह प्रतिशत से स्रधिक 🖁 ग्रीर प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त मधि-नियम के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित अयक्तियों, अर्थात्:---

- श्री राम दास कोच्छर पुत्र श्री चेला राम कोच्छर
 ए 1/46 पश्चिम पुरी, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री धन राज तथा नारायण दास पुत्र केसरी मल मकान नं० कारा ईश्वर भवन खारी बावली, दिल्ली-6! (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उकत सम्मति के ग्रार्भन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी जसे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रन्य वाक्ति द्वारा प्रजोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किये जा सकेंगे।

स्वव्ही सरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि -नियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० जे-5 नवीन शाह्यरा, दिल्ली-32 क्षेत्रफल 252 वर्ग गज।

> मिसेज एस० के० श्रीलख मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 20-5-1980

प्ररूप धाई • टी • एन • एस •---

प्रायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा, 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यात्रय, सङ्घायक आयक्तर आपृक्त (तिरीक्षम)
श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली 110002;
नई दिल्ली--110002 दिनांक 7 मई 1980

निर्देश सं अाई ० ए०सी/एक्यू ०-I/एस-आर-IV/8-79/1167 ---यतः मझे, मिसेज एस० के० औलख ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत मध्य प्राधिकारी की, यह विष्याक्ष करते का कारण है कि स्थावर श्रीसम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- व॰ स अधिक है भीर जिसकी सं० 215 है तथा जो मुठ्ठीगंज गांधीनगर इलाहाबाव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाधन ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 15-9-1979 को पूर्वीबत सम्पत्ति के जिबत बाजार मुख्य से कम के बुश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का भग्बह प्रतिशत से अधिक है मीर प्रन्तरक प्रस्तरितो (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, तिम्तलिखित उद्देश्य से उन्त घन्तरय,

(क) मन्तरण से हुई किसी साथ की बाबत, जनत प्रक्षि-नियम के प्रोप्त कर देते के अन्तरक के वायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या

जिब्बित में नास्त्रविष्ठ कर ने इभित नहीं बिया गया है :---

(ख) ऐसी डिसी प्राय या किसी धन या घर्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय घाय-कर घिषित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधित्यम, या धन-कर घिषित्यम, 1957 (1957 का 27) के घयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुनिधा ने लिए;

मतः मयः, उनतः मधिनियम की वारा 269-ग के मनुसरक में, में, उपतः पश्चिमियम की घारा 269-व की उपवारा (1) के बाबीन, निक्नसिबात व्यक्तियों, मर्वातः --- सुशोला देवी पहिन बुज मोहन ए2/3 कृष्ण नगर दिल्ली--5।

(अन्तरक)

2. श्री जीत सिंह पुत्र श्री बरता सिंह दुकान नं० 401 झील कुरोजा दिल्ली-5।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप:--

- (क) इ.स सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी ग्रन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए जासकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों धीर पद्धों का, जो उक्त ग्राधि-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान न० ए-2/3 क्षेत्रफल 200 वर्ग गज क्षुग्ण नगर दिल्ली-51 में स्थिति।

> मिसेज एस० के० औलख सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 20-5-1980 :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर भिर्धानियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्प्रर्जन रेंज-I, एच ब्लाक विकास भवन नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 मई, 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० श्रार०-IV/9-79/1168—श्रतः मुझे, मिसेज एस० के० श्रीलख, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार भूल्व 25,000/- र० से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ई-14/5 ए है तथा जो कृष्ण नगर दिल्ली-51 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908

का 16) के प्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिश्वत से अधिक है घौर प्रन्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरिती
(अन्तरित्वों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक
कप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिवाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रंधिनियम, की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-घ की उक्कारा(1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीतः—

- 1. श्री श्रोंकार नाथ पुत श्री राम गोपाल, $\frac{5}{4}$ 5ए, कृष्ण नगर, दिल्ली -51। (श्रन्तरक)
- 2. श्री हरीम चन्द पुत्र श्री हवेली राम ए-2/52 कृष्ण नगर, दिल्ली-51। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाकीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्नब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्षे होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गथा है।

धनुसूची

मकान नं० ई-14/5--ए क्षेत्रफल 59 2/3 वर्ग गज गांव गोन्दली खसलारा नं० 31 कृष्ण नगर, दिस्ली-51 में स्थित।

मिमेज एस० के० श्रीलख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

सारीख: 20-5-1980

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एम॰----

आयकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के ब्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-I, एच ब्लाक विकास भवन नई दिल्ली--I 10902 नई दिल्ली 110002, दिनांक 20 मई, 1980

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०—I/एस० म्रार०—
IV/9-79/1171—- म्रतः मुझे. मिसेज एस० के० म्रौलख,
भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिप इसमें
इतके पश्चल्त् 'उका म्रिशियम' कहा गया है), की घारा 269-च
के मबीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर मध्यति, जिनका उचिन बाजार मूख्य 25,000/इपसे से मिक है

श्रीर जिसकी सं० एफ० 14/13 है तथा जो कृष्ण नगर, दिल्ली—51 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतकल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुख उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुख असके दृश्यमान प्रतिफल की अन्तरक (श्रन्तरक)) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण लिख लिख तय प्राया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण लिख लिख में योस्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्त भ्रिष्ठिनियम के भ्रधीन कर देने के प्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधः के लिए: और/पा
- (ख) ऐसी किसी आव या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रशिनियम या बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपामे मे स्विधा के लिए;

पता अब, उक्त अधिनियम की धारा 269—ग के धन्सरण में, में, उक्त पिधनियम की धारा 269—व की उपधारा (1) के अधीन, निकालिखित •यक्टियों, अर्थात् म्— 7—96GI/80

- श्री भारत भूषण पुत्र श्री ग्रमर नाथ निवासी 82
 राम नगर, दिल्ली—51। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री गुलगन कुमार कपूर पुत्त श्री गिरधारी लाल कपूर निवासी 639 सुभाष रोड, गांधी नगर, दिल्ली-51। (भ्रन्तरिती)

को या (का जारी सरके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रार्णन के रिए कानक हिंग करना हूं।

उना सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्त में कोई भी पाक्षेप--

- (ह) इन सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ्वा की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अगोब बाद में समाप्त होनी हो, के भोतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूत्रता के राजात में प्रकाशा को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित में द्वितबढ़ ितनो प्रम व्यक्ति द्वारा, अधोद्गस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा नकींगे।

स्वद्याकरण:---इत्यां प्रवृक्त गुरुशं ग्रीर पशें का, जो जकत चितित्यम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ष होगा जो उस प्रद्धाय में विशा क्या है।

अनुसूचो

निचला हिस्मा मकान नं० एफ-14/13 क्षेत्रफल 806 वर्ग गत्र, गांव गोन्दली क्रु,क्रःण नगर भ्राबादी शाहदरा इलाका दिल्ली-51 में स्थित।

मिसेज एस० के० <mark>श्रौलख</mark> सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶I, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

नारीख: 20-5-1980

मोडर:

प्ररूप आह . टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, I एच ब्लाक विकास भवन, नई दिल्ली--110002 नई दिल्ली 110002, दिनांक 20 मई, 1980 निर्देश सं० अर्दि० ए० सी०/एक्यू० J/एस० आर०-

धौर जिसकी सं० $\xi-4/25$ है तथा जो कृष्ण नगर, दिल्ली 51 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्सूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. (II) श्री मदन गोपाल खोसला पुत्र श्री वैष्णू दास खोसला (2) इन्द्र नाथ खोसला पुत्र श्री वैष्णू दास खोसला 3) श्रीमती सुदर्शन कुमारी पत्नी राम प्रकाश (4) श्रीमती राज कुमारी पत्नी श्री खेमानन्द पाल कपूर (5) रक्षा कुमारी पत्नी मथुरा दास श्रावि। (अन्तरक)
- $2\cdot$ (1) श्रीमती रेवती देवी पत्नी हरी राम निवासी $\mathbf{z}-4/25$ कुष्ण नगर, दिल्ली । (2) राजिन्ब्र प्रसाद पुत्र हरी राम गांव गोंदली कृष्ण नगर, दिल्ली- \mathbf{z}

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

(क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारील से 45 उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

> दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

एक मंजिला मकान बना हुन्ना क्षेत्रफल 157 वर्ग गज गांव गोंदली, कुण्ण नगर, दिल्ली-51 में स्थित है।

> मिसेज एस० के० श्रीलख सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 20-5-1980

माहरः

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज $-\mathbf{I}$, एच ब्लाक विकास भवन, नई दिल्ली-11002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 मई, 1980

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०—I/एस० श्रार०— ${
m IV}/9-79/1174$ —-ग्रतः मुझे, मिसेज एस० के० ग्रौलख, भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है \mathbf{y} ौर जिसकी सं० डी $\mathbf{o} = 5/15$ है $\frac{1}{6}$ तथा जो कृष्ण नगर, दिल्ली-51 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से, दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और म्रन्तरक (मन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ब्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है !---

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या प्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, श्रथीन:——

- 1. श्री बिहारी लाल पुत्र श्री नारायण दास सी० 7/ 10, कृष्ण नगर, दिल्ली-51। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती दर्शन देवी जैन पत्नी श्री मोहिन्द्र कुमार जैन-सी-8/11, कृष्ण नगर, दिल्ली-511 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, मो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वड्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ख्रीर पदों का, जो उक्त स्रिध-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उन अवग्रय में विद्या गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० डी-5/15 क्षेत्रफल 116 है वर्ग गज जो कि गांव गोंदली श्राबादी कृष्ण नगर, दिल्ली-51 में स्थित है।

> मिसेज एस० के० भौलख सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); श्रजंन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख: 20-5-1980

प्ररूप आई०टी०एन०एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली 4/14, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 मई, 1980

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०1/एस० आर०-111/9-79/429--श्रतः मुझे, श्रीमती एस० कं० ग्रीलख, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

मौर जिसकी सं० उपजाऊ है तथा जो भूमि 14 बीघा 18 बिसवा गांव बिजवासन ,नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा को लिए;

नतः अन, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—-

- श्री सतपाल सचदेव पुत्र श्री ग्रमर नाथ सचदेव ग्रौर श्री सुरिन्दर पाल सचदेव पुत्र राम लाल सचदेव निवासी 25/11 वेस्ट पटेल नगर द्वारा श्री गोविन्द लाल सिक्का 24 बारा खम्भा रोड, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री जिंती लाल खन्ना पुत्र रोशन लाल खन्ना द्वारा द्वारा येती ट्रेबलज प० ग्रांकल, कटमन्ड, नेपाल। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहूध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरणः — ६समें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हु⁵, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

उपजाऊ भूमि क्षेत्रफल 14 बीघा 18 बिस्वा गांव बीज-वासन दिल्ली स्टेट्स, नई दिल्ली।

> श्रीभती एस० के० औलख सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-5-1980

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 मई 1980

निदेण सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०—1/एस० भ्रार०— 111/9-79/447—- भ्रतः मुझे, श्रीमती एस० के० ग्रीलख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० उपजाऊ भूमि है तथा जो गांव तुगलकबाद, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्योकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित त्यिक्तियों सुधीतः—

- 1. श्री किशन कुमार मधोक पुत्र श्री मुलख राज मधोक बी-19, चिराग इन्क्लेब, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री एस० एस० बन्शी, श्रीमती एप० के० बन्शी, श्री ए० एस० बन्शी धौर पी० के० राम बन्शी, निवासी बी०-5/9, सफदर जंग इन्क्लेब, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वोका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 11 बीघा 11 बिस्वा, जो गांव तुगलकाबाद, नई दिल्ली में स्थित है।

> श्रीमती एस० के० श्रौलख सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त; (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-5-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज---I, नई दिल्ली मई दिल्ली-110002, दिनांक 21 मई, 1980

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० श्रार०III/9-79/448--श्रतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रौलख,
आयकर अधिनियम, ,961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उल्ल अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन इसम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

रत. से अधिक हैं

गौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो तुगलकाबाद,
नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में

गौर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकायम, 1908
(1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक
रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृष्धि के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथित्:--

- 1. मै० म्रान्य एण्ड म्रसोसियेट निवासी 3/90 कनाट सर्कस, नई दिल्ली। (म्रन्सरक)
- मै० नहर वर्ग इन्डिया प्राइवेट लिमिटेड 1.5वीं मन्जिल, म्रात्माराम हाउस, नई दिल्ली। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्स में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 27 बीघा 10 बिस्वा जो कि गांव तुगलका-बाद, तहसील महरौली, नई विल्ली में स्थित है।

> श्रीमती एस० के० श्रौलख सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-5-1980

भाहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

म्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1,

4/14 क, अ(सफअली मार्ग, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 मई 1980 निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०-/एस० ग्रार०-III/9-79/449—-ग्रतः मुझे, श्रीमती एस० के० ग्रीलख, भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित से 25,000/-रुपए मुल्य भीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो कि तुगलकाबाद तहसील, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरत की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भौर भ्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित [नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रीध-नियम, के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/यां
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थातः——

- 1. मै० म्रानन्द भ्रौर एसोसियेट 3/90 कनाट सर्कस नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- 2. मै० बश्यो इस्टेंट प्राइवेट लिमिटेड, 15 सी, कनाट सर्कस, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण: -- इपमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही प्रथें होगा, जो उस प्रध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 75 बीघा पश्चिम जो कि गांव तुगलकाबाद तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

> श्रीमती एस० के० ग्रौलख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-5-80

प्रकर साई • टी • एन • एस • ----

आयमर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-घ(1) के प्रशीत भूचना

भागम सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्राजंन रेंज-I, 4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 मई 1980

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/9-79/473-- म्रतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रौलख, आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की घारा 269-ख के अचीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति जिसका बिकत बाजार मूल्य 25000/-

रु• से धिषक है।

श्रीर जिसकी मं० दुकान है तथा जो नं० 18 ग्राउण्ड फ्लोर ग्रेटर कैलाश न० 2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य हे कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और मन्तरक (अंतरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त झन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप न कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के वायित्व में कमी करने था उससे अको में सुविधा के लिए, घरिया
- (ख) ऐपी कियी आय या किसी अन वा सम्य शास्त्रियों को, जिस्हें भारतीय धायकर प्रक्रिमियम, 1922 (1922 का 11) या खन्त प्रिथितियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, ग्रणीत्:——

- 1. मैं ॰ डी॰ एल॰ एफ॰ बिल्डर्ज 21-22, नरन्दरा प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली। (अम्तरक)
- 2. श्री परदुमन कुमार सहगल ग्रौर श्री ग्रोम प्रकाण गिरधर, निवासी ए०-9, एन० डी० एस० ई० पार्ट नं० , नई दिल्ली। (ग्रन्सिरिती)

को यह सूचना प्राधी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्हें मंपित के अर्जन के संबंध में कीई भी प्राक्षिप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखंसे 45 दिन की भविष या तत्सेवंदी व्यक्तियों धर मूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी खेविष खाइ में समान्त होती हो, के भीतर पृथीकन व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) त्था भूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारी बाते था 45 दिन के भीतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसब क किसी अस्य व्यक्ति बारा, अश्चोत्तस्ताक्षां के बास सिवित में किए जा सकेंबे।

स्पन्दीकरण :--समें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, भी उक्त सिंतियम के अध्याय 20-क सें परिभाषित हैं; बही अर्थ हीगा को क्षेस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 18, प्राउ $^{\downarrow}$ ड फ्लोर ,कार्मिणयल काम्पलैक्स, ग्रेटर कैलाण $-1^{\rm I}$, नई दिल्ली क्षेत्रफल 583.74 वर्ग फुट।

> श्रीमती एस० के० श्रीलख मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-5-1980

प्ररूप माई• टी॰ एन॰ एस॰----

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 मई, 1980

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू-I/एस० आर० — III/ 9-79/474 - म्रतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रीधिक है श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 5 5 है तथा जो (ग्राउण्ड फ्लौर सिनेमा काम्पलैक्स, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उकन मन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक्त के दायिस्व में कमी करने या उनो बचने में मुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किमी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें श्राय हर श्रिधिनियम, 1922 (1922 हा 11) या उनत श्रिधिनियम, या श्रा-तर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रग्रागार्थ भगरियों नारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रनः, ग्रंब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के **मनु-**सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :→→ 8—96 GI i 80 मैं० डी० एल० एफ० यूनाइटेड लिमिटेड 21-22, नरीन्दरा प्लेस, पालियामेंट स्ट्रीट, नई विल्ली। (श्रन्तरक)

2. श्रीमती सबर्न कान्ता सेठी पत्नी श्री ग्रमर नाथ सेठी ग्रौर श्रीमती मोहनी सेठी पत्नी श्री दर्शन लाल सेठी निवासी ई-287 ग्रेटर कैनाश, -2, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्राची के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरमंत्रेष्ठी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत थे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-तिशम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मैं दिया गया है।

अनुसूची

बुकान नं० 5 (ग्राउण्ड फ्लोर) सिनेमा काम्पलैक्स, ग्रेटर कैलाग नं० 2, नई दिल्ली में है जिसका क्षेत्रफल 202 वर्ग फुट है।

श्रीमती एस० के० ग्रौलख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-5-1980

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेज-, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनाक 21 मई, 1980

निदेश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/9-79/475---श्रत मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ७ अके पहचाल 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख ज अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६पए से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० 106 है तथा जो भाग न० 106 डी० एल० एफ० मकान न० एफ 40 कनाट प्लेम, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध प्रनसूची में श्रीर पूर्ण हप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है शौर प्रस्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर ग्रन्तरितों (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रस्तरंग के निए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरंग निचित में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिध-नियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिणाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की जपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- 1 मैं डो० एल० एफ० यूनाइटेंड लिमिटेंड 21-25 निरन्द्रा पैलेंस, पालियामेट स्ट्रीट, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2 श्रीमती णकुन्तला देवी पत्नी श्री ठाकुर नानक सिंह निवासी 136 सत्या निकेतन, मोती बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीश्व से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पत्ति मे
 ब्रिया किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता अरी
 के पाप लिखित में किये जा सकेगे।

स्वव्हीकरण .--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भाग न० 106 पहली मिजल डी० एल० एफ० हाउस एफ० न० 40, कनाट प्लेस, नई दिल्ली क्षेत्रफल 501 वर्ग फिट।

> श्रीमती एस० के० ग्रौलख स्वाम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (गिरीकण) ग्रर्जन रेज-, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-5-1980

प्ररूप आई • टी • एन • एस •-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-1. दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 मई, 1980

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/9-79/479---श्रतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० ई-17 ए है तथा जो ईस्ट ग्राफ कैलाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री एच० एन० मौटा पुत्र श्री डी० एन० मौटा निवासी ई-17 ए, ईस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली। (श्रन्तर्क)
- 2. श्री एस० पी० श्रग्नवाल पुत्न श्री प्राग दास ग्रौर श्रीमती सी० कान्ता ग्रग्नवाल पत्नी श्री एस० पी० श्रग्नवाल निवासी 2-बी, सागर श्रपार्टमेंट तिलक मार्ग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंहों 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लिज होल्ड मकान नं० ई-17 ए० ईस्ट ग्राफ कैलाम नई दिल्ली 2 1/2 मन्जला मकान क्षेत्रफल 403.95वर्ग गज।

> श्रीमती एस० के० श्रौलख सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-5-1980

प्रकप भाई•टी०एन•एस•---

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कर्त्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 मई, 1980

निवेश सं० धाई० ए० सी० /एक्यू०-1/9-79/480--धतः मुझे, श्रीमती एस० के० धौलख, धायकर धिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके

पश्चास् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

भौर जिसकी सं० ई०-138 है तथा जो ईस्ट भ्राफ कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

धतः, भव, उक्त भिधितियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधितियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, भ्रवीत्:——

- श्री धलगन्जडर हक पुत्र डाक्टर एम० हक, निवासी
 1-ई/68, लाजपत नगर, नई बिल्ली। (ध्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रार० सी० जैंन पुक्ष श्री फतेहचन्द निवासी $\xi-138$ ईस्ट ग्राफ कैलाश, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

छरत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की शबक्षिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की शब्धि, जो भी शब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्षों घीर पर्वो झा, जो उक्त धिनियम के घड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस धक्ष्याय में दिया हुआ है।

प्रमुस्ची

1 1/2 मंजिला मकान नं० ई-138 ईस्ट ग्राफ कैलाश, नई दिस्ली।

> श्रीमती एस० के० श्रीलख सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-51-980

भारत सरकार

मार्यात्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज—<u>ा</u>

4/14क आसफअली मार्ग नई, दिल्ली, 110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 मई, 1980 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्या/एम० ग्रार०III/9-79/481

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- क्षण से मिधिक है

भौर जिसकी सं० एम०-72 है तथा ओ ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के, कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक एम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1923 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव **एक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,** भै उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात्।——

- 1. श्रीमती सुभाषानी कालडा पत्नी स्वगंवासी श्री भूप-न्दर पाल सिंह कालडा 113/94, सरूप नगर, कानपुर-2 (यु० पी०)। (श्रन्तरक)
- श्री कमल नारायन कौल पुत्र श्री निरन्दर नाथ कौल निवासी 59, ग्रीन पार्क, नई विल्ली। (भ्रन्तिरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पब्होकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जी खक्त श्रिश्चिमम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

प्र**नु**सूची

प्लाट नं० एम०-72 जो कि ग्रेटर कैलाश -2 में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 247 वर्ग गज है। श्रीमती एस० के० ग्रौलख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-5-1980

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ----

आयकर मिश्रनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्प्रजंन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, विनांक 21 मई 1980 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० श्रार०-9-79/482-श्रतः मझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख, बायकर धिंतियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिंतियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घंधीन सक्तम श्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाबार मूह्य 25,000/-रुपए से श्रीक है

स्रौर जिसकी सं० डब्ल्यू-98 है तथा जो ग्रेटर कैलाण-II नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित बाजार मूक्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रक्तिरत की गई है और मुद्दो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उश्वित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्षल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (गन्तरकों) भीर प्रक्तिरती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रक्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-विचित उद्देश्य से उनत प्रकारण विचित में बास्नविक कप से कथित नहीं किया गया है !——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी प्राय की बावत, उकत अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के श्रिय; , और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, जिमाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथौत्:--

- 1. श्री विरेन्दर एन० वर्मा निवासी 4742 डायसी एवेन्यू पौवल रिवर बी० सी० कनाडा द्वारा पिता श्री मंगल राम वर्मा निवासी 178 सेक्टर 21 ए, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सन्तोष नन्दा पत्नी एस० पी० नन्दा ग्रौर श्रीमती ग्रनुराधा नन्दा पत्नी श्री ग्रजीत नन्दा निवासी ई-498, ग्रेटर कैलाण, -II, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके प्यॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की भन्निया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भन्निय, जो भी भन्निय बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति शारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन क भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितम के किसी अस्य व्यक्ति द्वारा प्रधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पढटीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जी उक्त प्रधिनियम के पश्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, तो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० डब्स्य्-98, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली क्षेत्रफल 550 वर्ग गज।

श्रीमती एस० के० श्रौलख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-5-2980

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एम०---

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन मुचना

भारत सरकार

भार्यात्रय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज--, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, विनांक 21 मई 1980 निर्देश सं० ध्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० ध्रार०-- 9-79/483--- श्रतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रौलख, ध्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस०-167 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, छसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) घौर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरक के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसितित उद्श्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भारतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भोर/या
- (ख) ऐसी किसो आय या किसी धन या घ्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तिश्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसाने में स्विघा के लिए;

अतः सव, उक्त प्रधिनियम, को घारा 269-ग के अनु-सरण म, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की छपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु: ---

- 1. श्री काशी राम कौल पुत्र श्री तारा चन्द कौल निवासी 5-5/21, रोहनक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सुम नाथ रैयना पुत्र श्री महेण्यर नाथ रैयना नियासी एल०-37, कीर्ति नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टी करण :---इसमें प्रयुक्त शक्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अग्नि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

मनुसूषी

एक मन्जिला मकान नं० एस०-167 ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली क्षेत्रफल 248 वर्ग मिटर्स।

> श्रीमती एस० के० श्रौलख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-5-1980

मोहरः

प्ररूप ग्राई । टी • एन • एस •----

आयकर प्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-मा(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्रण)

धर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 मई 1980 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू—I/9--79/485----ग्रतः मुझे, श्रीमती एस० के० ग्रोलख,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

गौर जिसकी सं० एम०-32 है तथा जो ग्रेटर कैलाग-2 नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के घाषीन, तारीख 4-9-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान अतिकल के लिए भन्तरित की गई है धौर मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान अतिकल के लिए भन्तरित की गई है धौर मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिकत अधिक है और भन्तरित (श्रम्तरकों) और मन्तरिती (श्रम्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविश्व कर्ण से कथित नहीं किया नया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत, उक्त भयि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐंसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उक्त श्रधिनियम, की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ज की उपधारा (1) श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:——

- श्री ब्रह्म दत्त भागंवा पुत्र श्री दमोदर लाल भागंवा निवासी एम०-103, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री भ्रविनाश चन्वर कालड़ा पुत्र श्री हंस राज कालड़ा श्रीर श्रीमती किरन कालड़ा पत्नी श्री श्रविनाश चन्दर कालड़ा निवासी एम०--32, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उत्त सम्पत्ति के भ्रजीत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी भविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद किसी ग्रम्थ क्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त कर्म्दों थीर पदों का, जो उनत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही सर्थ होगा, जो उस सदयाय में विधा गया है।

अनुसूची

एक मन्जिला मकान नं० एम०-32 ग्रेटर कैलाश नं० I नई दिल्ली क्षेत्रफल 500 वर्ग गज।

> श्रीमती एस० के० श्रीलख सक्षम श्रघिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-5-1980

प्ररूप धाई ० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-I, नई विल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 मई 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०--I/एस० श्रार०-III/9-79/486---श्रतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रौलख,
आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से
अधिक है

धौर जिसकी सं० एम०-172 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याख्य, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य ये उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण मे हुई किसी आग्र को बाबत उक्त स्रीध-नियम के स्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; स्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु सरण में, में, तका धिक्षित्यम का धारा 269 थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास्:—— 9—96GI/80

- मिनती मीरेन देवी निवासी ई-166, ग्रेटर कैलाश-2
 र्नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री गुरवक्श सिंह पावला निवासी ए-52, एन० डी॰ एस॰ ई॰ पार्ट नं॰ I, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तस्सावन्धे व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति ब्रारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पटीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिपाधित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

वन्त्यी

प्लाट नं० एम•-172, ग्रेटर कैलाश नं० 2, नई दिल्ली, क्षेत्रफल 300 वर्ग गज।

> श्रीमती एस० के० भौलख सक्षम भिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-5-1980

६० से प्रधिक है

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

भ्रायेकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 मई 1980

श्रौर जिसकी सं० श्रार-215 है तथा जो ग्रेटर कैलाग-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह अतिशत से श्रांघक है और अग्तरक (अग्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रग्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किंसीं ग्राय की बाबत, उक्त भिधितियम, के भिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने यों उससे बंचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी स्नाय या किसी धन या स्रन्य स्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर स्निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या ध्रम-कर स्निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में. उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रकीन निम्नलिखित व्यक्षित्रयों, श्रयांत :---

- 1. बी॰ श्रीमती बीं॰ एसे॰ बादसद म्रार-215, ग्रेटर कैलाश पार्ट-1, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती राम सखी देवी पत्नी एम० सी० बन्सल एण्ड श्रशोक कुमार बन्सल सुपुत्र श्री एम० सी० बन्सल केयर श्राफ मेससं लोक वस्त्र, 245, चांदनी चौक (कटरा प्यारे लाल), देहली। (श्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वीका मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जर्मन सम्पत्ति के भ्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं शर्ष होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

काई मंजिला मकान जिसका नं 215, ग्रेटर कैलाश पार्ट-1, नई विल्ली।

श्रीमती एस० के० ग्रीलख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज—I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख: 21-5-1980

प्ररूप भाई ० टी० एन० ऐसे •--

भ्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 मई 1980

श्रीर जिसकी सं० एस० 446, है तथा जो ग्रेटर कैलाश—II नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन, तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रक्ष प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वागित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किशी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म के श्रनुसरण में, मै, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-म की उपभारा (1) श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयांत्:—

- भीयती कुल्रवन्त कौर घौर वीरेन्द्र मोहन सिह निवासी स्थान सेक्टर 9-ए/82, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती श्रमृत कौर भौर श्री धाविन्द्र सिंह द्वारा श्री सुरेश वरयाणी, ज़रयाणी एण्ड एसोसियेट्स ई-1, कनाव् प्लेस, नई विल्ली। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजप्रत में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की श्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबस किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्रकीकरण:--ध्समें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो एक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जी उस भव्याय म दिय गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एस०-446, क्षेत्रफल 550 वर्गगज में ग्रेटर कैलाग, पार्ट-11, नई दिल्ली।

> श्रीमती एस० के० श्रौलख सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख: 21-5-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

प्रधिनियम, 1961 (1961 軒 43) मायकर घारा 269-घ (1) के घ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 मई, 1980

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यु०-I/एस० भ्रार०-III/9-79/489--ग्रतः मुझे, श्रीमती एस० के० ग्रीलख,क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० बीं -- 226, है तथा जो ग्रेटर कैलाश,-1 नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्द्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख, 19 सितम्बर, 1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर बन्हरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से तुर्दे किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; **पौर/**या
- (खा) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रिधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूविधा के लिए;

मत: भव, उक्त श्रमिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ज की उपधारा (1) के ध्यीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, प्रश्रीत्:---

- श्री बलजीत सिंह पाल सुपुत्त लेट एस० गुरबख्श सिंह द्वारा जी-48, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री कुलदीप सिंह सहगल सुपुन्न लेट एस० एच० एस० सेहगल भौर श्रीमती जीत कौर सहगल धर्मपत्नी कुलदीप सिंह सहगल निवासी बीी 226, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रार्थिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तारीखा से 30 दिन की प्रविधा जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इनमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

अनुसूची

ढाई मंजिला मकान जो प्लाट नं० B 226 पर बना हुम्रा ब्लाक नं० बी० रेजिडेन्ट कालोनी जो ब्रिटर कैलाश-1, में स्थित गांव यांकत पुर, नई दिल्ली।

श्रीमती एस० के० घौलख सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण), धर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002 तारीख: 21-5-1980

मोहर 🕍

प्रकृप आई । टी । एन । एस ।----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

नारत भरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रापन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 मई, 980 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० ग्रार०III/9-79/499-ग्रतः मुझे, श्रीमती एस० के० ग्रीलख,
ग्राथ हर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चान् 'उका ग्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
श्रिशीर पश्चम श्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है हि
स्थात्रर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० मे

श्रौर जिसकी मं० III—के०-5 है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे खपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, (1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सितम्बर, 1979

को पूर्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उभके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से श्रीधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिधिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के श्रक्षीन कर वेने के श्रन्तरक के वायित्य में कमी करने या उनने बचने में प्रविचा के लिए; श्रौरं
- (ब) रेसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधनियम, या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती जरा प्रकट नहीं किया गरा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उन्त भ्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण म, मै, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की ॄेउपधारा (1) के अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थातु:—

- 1. श्रीमती हरबंस कौर धर्मपत्नी श्री जोगिन्दर सिंह नवासी III-के०/15, लाजपत नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मोहिन्दर कुमार मंगल सुपृद्ध श्री जोगिन्दर पाल मंगल निवासी II-ई/16, लाजपत नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्क करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर एक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरों के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दो हरण : -इ गमें अपुना गन्दों स्रौर गदों हा, जो उक्त स्रधिनियम, के स्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही सर्य होगा, जो उस स्रध्याय में दिया गरा हैं।

अनुसूची

ढाई मंजिला मकान जो प्लाट का भूमि क्षेत्रफल 200 वर्ग गज जिसका नं० III—के०/15, लाजपरा नगर, नई दिल्ली जो निम्न प्रकार से हैं:---

नार्थ---रोड माउथ---सर्विस लेन ईस्ट---प्रोपर्टी नं० के०--14 वेस्ट---प्रापर्टी नं० के०--16।

श्रीमती एस० के० श्रीलख सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-5-1980

प्रस्प कार्द० टी० ए**न**० एस०--

भागकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 16 मई, 1980

निवेश मं० ए. चार०-॥/2895,23/दिस० 79---ध्रतः मुझो, जो० एस० तेजाले,

प्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

भौर जिसकी सं० एस० नं० 41 हि० न० सी० टि० एस० 531 भौर 531/1 से 8 है तथा जो मालाड नार्थ

में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण स्य में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के ग्रधीन, तारीखं 3-12-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है श्रीर मृझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
ग्रीर ग्रन्तरितो (ग्रन्तरितयों) क बीव ऐसे ग्रन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण
लिखित में वास्तिक हुन ने हिथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधिश्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिनाने में सुविधा के लिए;

ग्रसः ग्रव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग कं श्रनुसरण में, मैं, जकत ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा(1) में अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- 1. श्रीमती जयाबाई, वल्लभदास हरजीवनदास शेठ की पत्नी (ग्रम्सरक)
 - 2. (1) श्री द्वारकावास गोवरधनवास कपडिया
 - (2) श्री लल्लूभाई माखनजी पटेल
 - (3) श्री भाईलाल भाई जण्हेभाई पटेल

- (4) श्री मोहनभाई इशरभाई पटेल
- (5) श्री मोटीभाई नारायनभाई पटल
- (6) श्री नरोत्तमदास वासराम सिनरोजा
- (7) श्री धनजीभाई जी० सरकार
- (8) श्री धिरजलाल न्राजी स्वक्कर
- (9) श्री नंदलाल बरीमती मुचक द्रस्टी श्राफ लक्ष्मी नारायण द्रस्ट। (श्रन्तरिती)
 - (1) श्री वसंगलाल चुनीलाल माहा
 - (2) श्री कंतीलाल ग्रंबालाल पारीख
 - (3) श्री हरीलाल भगवानजी पारीख
 - (4) श्री हरणदा विपिनकुमार शाहा
 - (5) श्री दिनकरराय सी० पांबालाल
 - (6) श्री चिमनलाल झिनाभाई कनसारा
 - (7) श्री नयलचंद गिरधरलाल सतिकया
 - (8) श्री भोलीबाई पुरषोत्तम भाटिया
 - (9) श्री चौल नटवरलाल कल्यानजी ध्रुव
 - (10) चाँल अजलाल हरजीयनदास मांगानी
 - (11) चौल हरेन्द्र ईश्वरलाल नाकणीनगरा
 - (12) श्रीकन्हैयालाल मूलशंकर नायक
 - (13) श्री मधुकान्ता श्रन्नालाल
- (14) श्री काशीबेन गवर्धन मिस्त्री (वह व्यक्ति जिसके घ्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्मिल के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्बत्ति के प्रजान के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (ह) इन मुबना के राजनता प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकोंगे।

हाड्टोकरगः ----इतमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख न० एस० 2528/78 बंबई, उपरजिस्ट्रार ग्रधिकारी द्वारा दिनांक 3-12-1979 की रजिस्टर किया गया है।

जे० एस० तेजाले सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 16-5-1980

प्ररूप आई० टो० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बबर्ष

बम्धई, दिमांक 20 मई, 1980

निदेश स० जे० ग्रा२०—ा/2876—4/भ्रावंटी—79—— भत: मुझे, ए० एच० तेजाले,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 332 टि० पि० एस० सं०-III 1952 है तथा जो सितलादेवी टेंपल रोड, (नाहिम) में स्थित है (भीर इससे उपाधन प्रमुखी में भीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीम, तारीख 24~10~1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निकति में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ब्राय की बाबल, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. श्री डामनिक जैवियर डिसोजा, (2) एरेल डिसोजा, (3) बेंजामिन डिसोजा (ध्रन्तरक)
- 2. श्री मार्टिन लुई को॰ ग्राप॰ हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड । (श्रन्तरिनी)
 - 3. (1) श्री बाबी मियाम ईस्मायिल
 - (2) मोहम्मद कासिम इस्माईल
 - (3) लिगेन्ना इस्लान्ना
 - (4) छत्तानरसम्पा हनुमंता

- (ह) नरसप्पा सनाना
- (६) मिसेज लाईस विसोजा
- (7) डामनीक जेबियर डिसोजा, बेंजामिन डिसोजा
- (8) मिम सीबिल रीवेलो
- (9) प्रेमचंद रामजी शाह
- (10) चंद्रा एस० भागीया
- (11) सतरामदास चोयताराम
- (12) पुष्पा एस० गुलबानी
- (13) एरेल डिसोजा
- (14) रेमनिक फरनानिहस
- (15) मिसेज नयनीबाई जमनादास भाटिया
- (16) सुरेश जमनादास भाटिया
- (17) ज्योति एम० गुलाबामी
- (18) मुबारक एम० मशामी
- (19) शांताराम पुंडलीक महाले।

वह व्यक्ति जिसके भशिभोग में संपत्ति है)

4 श्री मध्तर हसन रिक्षवी मैससं रिक्षवी बिल्डर्स (कन्फर्मिंग पार्टी) (वह श्यक्ति, जिसके बारे में भ्रघोहस्लाक्षरी जानता है कि वह संपक्ति म हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभाहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्यख्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं, को अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रमुसूची जैसा कि विलेख मं० 155/79 जाइंट उपरजिस्-ट्रार प्रक्षिकारी 4, बांबरा द्वारा 24-10-1979 के रजि-स्टर्ड किया गया है।

> ए० एच० तेजाले सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बग्बई।

तारीब: 20-5-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) ही धारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 9 मई, 1980

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 81/80-81— यत: मुझे, के० के० बीर,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भ्रिधिक है

स्रौर जिसकी मं० खुली जमीन है, जो श्रम्बरपेट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रवि-नियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (आ) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या भ्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के श्रनुसरण म, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीन:—

- 1. (1) श्री किरथी रमेश, निवासी, वरधामानकेटाला— भूगपिट ताल्क- नालगोंडा जिला
- (2) मासेटी लक्ष्मीनारायना, निवासी कान्देवेड़ी गांव, जनगांव नालुक, वारंगल जिला (अन्तरक)
- 2. श्री एल० एन० अग्रवाल पिता जगनाध अग्रवाल 3-5-112 नारायनगुडा, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>प्रर्जन</mark> के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उन्त संपत्ति क अर्गन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मधि-नियम, के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रष्टमाय में विया गया है।

अनुसूची

घर नं० 2-3-691/16 श्रौर 17 खुली जमीन ुऐरिया 660 वर्ग गज बाग श्रम्बरपेट, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्सावेज नं० 5110/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैवराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 9-5-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई, 1980

निदेण सं० धार० ये० सी० नं० 82/80-81--यत: मुझे, के० के० बीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 3-6-168/3 है, जो हैदरगुडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तित्त की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथित्:——
10—96G1/80

- (1) श्री मुह्रमद अजामातुल्ला 36—उमानगर कालोनी, बेगमपेट, हैदराबाद
 - (2) श्रीमती श्रसियाम मिरजा पति हमीद मिरजा 8-2-417 रोड नं० 4, बनजारा हिल्म, हैं सराबाद। (श्रन्तरक)
- 2 श्री हुकमीचंद सन्छेटी एण्ड संम 3-6-168/4, हैदरगुडा, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

दोमंजिला घर नं० 3-6-168/3 हैदरगुडा, हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 5459/79 उन रिजस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त, (निरक्षिण) धर्जंग रेंज, हैंदराबाद ।

तारीख: 9-5-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहाय ह आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई, 1930

निदेश सं० ग्रार० ये० मी० नं० 83/80-81---यतः मुझे, के० के० वीर,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० ने अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 2-4-948 है तथा जो कची गुडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बिंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वीक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐमे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निजिब उद्देश्य से उक्त ग्रन्थन कि जिला में वास्तवित का से हिथान नहीं हिया गया है:--

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उनत अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी थाय या किसी धन या झन्य मास्तियां को, जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

भतः भव, उक्त प्रवितियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त प्रवित्यम की घारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निचित बाकिनयों, अधीतः - 1. श्रीमती हमीदा थी० पति सैयद श्रब्दुल हमीद जी० पी० ए० सैयद श्रब्दुल मजीव 2~3~705/6 श्रम्बरपेट, हैदराबाद। (श्रन्तरक)

श्रीमती कैश्तिसा बेगम पति सैयद श्रश्दुल करीम,
 4-1-948, काजीगुंडा, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करने पूर्वीक्त सम्पत्ति ने अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित नें किए जा सकेंगे।

स्परदीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पतों का, जो अक्त ग्रधितियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है वही ग्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

घर नं० 2-4-948, काचीगुंडा, हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 5248/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद ।

सारी**च**: 9-5-1980

प्ररूप आर्ध्व टी० एन० एस०-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण) प्रजीन रेंज, हैक्साबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई, 1980

निदेण सं० ग्राई० ये० सी० नं० 84/80-81---यन: मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 277 है तथा जो ह्यातनगर, में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैंदराबाद ईस्ट में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वर्षिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कृथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ज्यक्तियों, अर्थात्ः---

- 1. श्री एस० शिक्षापति (2) एस० लक्ष्मीनाराधना 2-36, हयातनगर, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ये० पी० कोर्ट उद्योग, कोग्रापरेटिय हार्जासंग सोसायटी, सेकेटरी दुरगाराव हैंवराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इन स्वता की राज्यक में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

धरामती जमीन सर्वे नं० 277 काग ग्रयातनगर, हैदराभाद, 3 एकर्स जमीन रिजस्ट्री दस्ताबेज नं० 9342/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद ईस्ट में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 9-5-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैंबराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1980

निदेश सं० धार० ए० सी० नं० 85/80-81---यतः मुझे, के० के० बीर,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

फ्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 277 है तथा जो अयात नगर, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद धनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद ईस्ट में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का कि निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में धास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों अर्थात्:—— थी एम० बीशपित (2) एम० लक्ष्मीनारायन
 2-36 थाग श्रायातनगर, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
 मै० ये० पी० हैकोट उद्योग कोश्रापरेटिय हाउसिंग

2. म० य० पी० हैकोट उद्योग काम्रापरीटव होजीसँग सोसायटी, हैदराबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत तैं 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकर्ण।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभसाची

धीरायती जमीन सर्वे नं० 277-बाग श्रायात नगर, हैदराबाद 3-येकर्स रिजस्ट्री दस्तावेण नं० 9427/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद।

> कें० के० बीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, हैंदराबाद

नारीख: 9--5-1980

. -----

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस.---

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई, 1080

निदेश सं० द्यार० ये० मी० नं० 86/80-81---यतः मुझे, के० के० वीर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं जिमान 277 है, जो श्रयात नगर में स्थत है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में ब्राणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद ईस्ट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मितम्बर, 1979

को पूर्वांकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गृके अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्तयों अर्थातः——

- 1. श्री एस० विकशपति (2) एस० लक्ष्मीनरायन 2-36, बाग कायातनगर, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. मैं ० ये ० पी ० कोर्ट उद्योग कोम्रापरेटिय हाउसिग सोसायटी, हैदराबाद। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 4,5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घीरायती जमीन । न 27- बाग ग्रायातनगर, हैदराबाद 3 एकर्स र्राजस्ट्री दस्तावेज नं० 9168/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैंदराबाद ईस्ट में।

> कें० कें० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीज: 9-5-1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, हैदराबाद

हैक्रावाद, दिनांक 9 मई, 1980

निदेण सं० श्रार० ए० सी० नं० 87/80 -81—यतः, मुझे, के० के० वीर,

श्रीयकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित जाजार मृह्य 25,000/-र• से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० ये० है, जो सर्वे नं० 135 गड़ी ग्रन्तारम में स्थित हैं (श्रौर इससे पपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कर्यालय हैंदर बाद ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979

पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिलिखत छहेश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत उक्त अस्ति-नियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किशी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

ग्रतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः---

- अी जे० लक्ष यम्य 17-2-1130--यादन्नापेट,
 रदराबाद। (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती वे० पानस्रपमा 3-04-सरनगर, हैदरावाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की आरोज से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वश्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों खौर पकों का, जो उक्त श्रष्टि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० "ये" सर्वे नं० 135—गडी भन्नारम 26— गुनटास हैवराबाद रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 9101/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैवराबाद ईस्ट।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारींख: 9-5-1980

प्ररूप आई• टी• एन० एस०----

आयकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदरासाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई, 1980

निदेश सं० घार० ये० सी० नं० 88/80-81--यतः मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्पात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रु॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० नं० 7 है तथा जो श्रमीरपेट में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (प्रकारकों) और अन्तरिती (प्रकारितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या किर अधिनियम, या किर अधिनियम, 1957 (1957 का अपोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं कि गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, सर्व, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री जी० किश्नमर्ति पिता सुत्रमनयम, श्रमीरपेट हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती स्वामी प्रवामनी पति श्रीरामलू 6-3-852/2/ श्री।, श्रमीरपेट, हैदराबाद। (श्रन्तिरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनरपूर्वोंक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाणा की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हित-बद्ध किसी अन्य गास्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखात में किए जा सकोंगे।

स्पव्टीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषति है, वही पर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन नं० 7 वीस्तर्न 302 वर्ग यार्ड श्रमीरपेट हैवराबाद रजिस्ट्री वस्तावेज सं० 2503/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय करताबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-5-1980

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई, 1980

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 89/80-81— यत: मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 8 है तथा जो पनजागृटा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्रीमती के० नारायनम्मा पति के० श्रनजाया पीडु-गुरला गाऊ गुन्टुर जिला। (श्रन्तरक)
- 2. डाक्टर ए० हरीनात पिता ए० बसवय्या 6-1-630/2 कैरताबाद, हैदराबाद। (श्रग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्.---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पाम लिक्ति में किए जा सकारी।

स्थल्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 8 सर्वे नं० 185 ग्रीर 186 पनजागुटा हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 253/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्रधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-5-1980

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

अतयकर अधिनियम, 1961 (1961 का - 3) की धारा 269-च (1) के अधीन रहू ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1980

निदेश सं० भ्रार० ये० सी० नं० 90/80--81——यतः मुझे, के० के० वीर,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

धौर जिसकी सं० 1-88/10 है, जो श्रपलरास्ता में स्थित है (ग्रौर जिससे उपाबद श्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त मंपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अव्यक्ति (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गण प्रति-फल निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बाग्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन- कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्थारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, म⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— 31—96GI/80

- 1. डाक्टर बालासुन्नामनयन नं 1 नहरू गली मद्रास, जी पी ये रामाचन्द्रान। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती रानी एस० दरम पत्नि भ्रार० दरम सिकन्दराबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खःसे 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरो।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-88/10 प्लाट नं० 5/एफ काकातीया नगर, कोअपरेटिय हाउसिंग कालोनी हबसीगुडा गाऊ हैदराबाद ईस्ट रजिस्ट्री दस्ताबेज नं० 8951/79 उप रजिस्ट्री कार्यान् लय, हैदराबाद ईस्ट में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-5-1980

ुप्रकप आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1980

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 91/80-81-यत
मझे, के० के० वीर,
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के ग्रीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मृह्य 25,000/- घपये से श्रक्षिक है श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 15 है तथा जो 185-186 पनजागुटा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, में रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाबार मूक्ष्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुल्लमान प्रतिकल मे ऐसे बुख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर धन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित क्रोप्रय से उक्त अन्तरग लिखित में वास्तविक रूप से कवित महीं किया गया है:---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उन्त भीषिनियम, के भीषिन कर देने के भ्रम्तरक के दायिश्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अग्य खास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सुविधा के लिए;

अतः भनं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उप-धारा (1) के अधीन निस्ननिधित व्यक्तियों, अर्थाक्:--

- 1. श्रीमती प्रबावती पति श्रनजनेपुन्दु 6-3-841/ए० श्रमीरपेट, कालोनी, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- श्रीमती ई० कुसुमा कुमारी पति श्ररफुना 8-3 214/36, श्रीनिलास कारोनी हैदराबाद। (श्रन्तरिती)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की घविछ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
 जो भी घविछ बाद में समाप्त होती हो, के
 भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
 द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्थ क्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्मा-क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्त अकि-नियम के ग्रह्माय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

धनुसूची

ध्लाट श्रौर खुली जमीन नं० 15 सर्वे नं० 185 श्रौर 186 पनजागृटा हैदराबाद वीस्तीन 517 वर्ग यार्छ रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 2571/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, कैरताबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैवरादाद

तारीख: 9-511980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 9 मई 1980

निदेश मं० ग्रार० ये० सी० न० 92/80-81-यत मझे कें के के बीर, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित रुपये से म्रधिक बाजार मूरुय 25,000/~ श्रीर जिसकी सं० 10-4-5 का बाग है सथा जो यासाब टेनक मे स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, में रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, (1908 का 16) के भ्राधीन, तारीख सितम्बर, **को पूर्वोक्त** सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के ष्थयमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का डिंचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है ग्रीर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित **छहेश**य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रान्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ध्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के श्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः, म्रबं, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-ग के म्रनु-सरण में, मैं, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-य की उपघारा के (1) के म्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, म्रथीत्:—

- 1 श्रीमती नजमा बेगम इलीयास नजमा सुलताना घर नं० 10-4-14 मासाबटेनक हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्री सैयद अकबर मेहदी और दूसरे 10-4-5 मासाबटेनक, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रार्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी श्राक्षप:---

- (क) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितवद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रजीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिष्ठ-नियम के श्रष्ठपाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रष्ठयाय में दिया गया है।

अनुसूची

घर न० 10-4-5 काबीयारा मासाबटे नक कैरताबाद हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2599/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, कैरताबाद।

के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी स**ल्ला**म्क आयंकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेज, **है**दराबाद

तारी**ख:** 9-5-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भाय तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहासक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1980

निदेश सं० ब्रार ये० सी० नं० 93/30~81→-प्रतः मझे, के० के० वीर,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इक्के प्रकात 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 209ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बस्जार मूर्य 25,000/- रुगए से अधिक है

मार मूर्य 23,000/- पाए स आवक ह

होर जिसकी सं० 101, 102 में है, जो 1~2~5?4/3

दोमलगुड में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में

और पूर्ण रूप में विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के

कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण मितम्बर,
1908 (1908 का 16) के मधीन, नारीख मितम्बर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिति काजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उंचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पम्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐने अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश न उना अन्तरण निश्वित में बास्तवित छन मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण ने हुई किसी श्राप की बाबत उका अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय गा किसी धन या भन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अम, जन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, जन्त अधिनियम की धारा 269-घ की छपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1 श्रो स्वास्तिकः बुलडर्स 1-2-524-दोमलगुड , हैदराबाद। (भ्रन्तरक)

श्रा गुरू गनेश चैरीटेबुल ट्रस्ट, 7-2-832, पार मार्कीट, सीकन्द्राबाद। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भक्षि-नियम के भव्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं सर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अमुसूची

कार्यालय नं० 101 श्रीर 102 पहिली सतह पर मकान नं० 1--2--524/3 वोमलगुड हैदराबाट में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5706/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद।

> कें० कें० वीर सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैटराबाव

तारीख: 9-5-1980

भारत सरकार

कामीमय, सहायक भावकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैक्साबाद

हैदराबाद, विनांक 9 मई, 1980

निदेश सं० भ्रार० ये० सी० नं० 94/80-81--यतः मझे, के० के० वीर.

आयकर भिनियम, 1951 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अजीन सजम प्राधिकारी को, यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूख्य 25,000/- स्मए से प्रधिक है

मीर जिसकी सं० 103, 104 में है तथा जो 1-2-524/3 दोयलगुड में स्थित है (ग्रांर इसमें उपाबद्ध अनसूची में ग्रांर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 क 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्लिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान अकिकल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के एते वृश्यमान प्रतिफल का पन्तद्द प्रतिणत से अधिक है भीर अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक का से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी माय की बाबत, उक्त श्रिष्ठितियम के मधीत कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रोर/या
- (का) ऐसी किसी परंप या किसी अन या प्रस्य प्राक्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, कियाने में सुनिया के लिए;

अतः, अतः, छन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त ध्रिधिनियम की धारा 269-घ की जनधारा (1) ध्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1 श्री स्वास्तिक बुलडर्स 1-2-524--दो मलगुड, हैवराबाद। (श्रन्तरक)
- श्री गुरुमनेश धारीटेबल ट्रस्ट 7-2-832--पाट-मारकीट, सिक्त-दराबाद में (श्रन्तिरती)

को यह मुक्ता बारो करके पूर्णक्त सम्पत्ति के सना के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इर र्वा के रातात में प्रशान हो गरीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूबना की तामीत से 30 दिन की अवधि, जो मो अवधि बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस मूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 4-5 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में दिशवड़ किनो प्रत्य शक्ति द्वारा, अत्रोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यम्टोकरण: ---इममें प्रयुक्त गर्व्दों श्रीर पदों का, जो उक्त भिवित्यम के श्रश्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्व होगा जो उन सब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 103 ग्रीर 104 पहली सतह पर मांनरबु मकान में नं० 1-2-524/3 दोमलगुडा, हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज को नं० 5707/79 का मताबिक उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाव

तारीख: 9-5-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

भायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 9 मई 1980

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 95/80-81---यतः मझे, क्षे० के० वीर,

प्रायंकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन तमम प्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक हैं ग्रीए जिसकी संव 105 हैं तथा जो 1-2-524/3 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावब श्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृष्यमान अतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के है मौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्षय से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भाव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के भनु । सरण में, में, भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, भर्थात्:—

- 1. श्री स्वास्तिक बुलडर्स 1-2-524 दोमलगुडा, हैदराबाद। (अन्तरक)
- 2. श्री गुरुगनेश धरीटेबल ट्रस्ट 7-2-832 पाटमारकीट सिकन्दराबाद में। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजान के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूवता के राजगत में प्रकागत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्रदर्श हरण: --इतमें प्रयुवत शब्दों ग्रीर पदों का, जो उत्तत ग्राध-नियम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रष्टमाय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 105 पहलासतापुर सागरबु मकान नं० 1-2-524/3 में दोमल गुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5705/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

कें० कें० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 9-5-1980

मोहर

प्ररूप आइ². टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाव, दिनांक 9 मई 1980

निवेश सं० घ्रार० ये० सी० नं० 96/80-81--यतः मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4-3-938/श्रार 10 है तथा जो तीलक रास्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिविकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्णाकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अप्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाहार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तिबाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियस, वा धनकर अधिनियस, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियाँ अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियाँ अधीन,

- 1. श्रीमती सरला ईश्वरलाल गगलानी पति ईश्वर लाल गगलानी श्रहमदाबाद जी० पी० ये०, सिकन्दराबाद। (श्रन्तरक)
- 2 श्रीमती मधु एच० मेहता पति एच० एम० मेहता 8568---तालजी मेगजी कम्पाउन्ड जिला सिकन्दराबाद में (प्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अन्सूची

मलगी नं० 4~1-938/म्रार०-10, तिलक रास्ता हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5623/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> **मैं⊙ के** ० वीर **प्रस्नम् प्राप्तिकारी** सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-5-1980

प्रका प्राई० टी० एन० एन०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1980

निदेश मं० प्राप्त थे० सी० नं० 97/80-81---यतः मझे, के० के० वीप,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंगित जियका उतित वाजार मूल्य 25,000/- रु• सि प्रथिक है

सौर जिसकी सं० 4-1-938/ग्रार०-6-8 है तथा जो सी 16 रास्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में ग्रीर पूर्ण का में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर,

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित वाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरिन की गई है और मुझे वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमन प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है मौर अन्तरक (मन्तरकों) मौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तग पाया गया प्रतिक्रन, निम्निचित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निखित में बास्तविश कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिवित्यम के अधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अव्य भारितर्थों को जिन्हें भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धनकर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भग्तिरती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 श की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिखित व्यक्तियों, अर्थात् !---

- 1. श्री कीराण यन्स्ट्रवशन कम्पनी 5--8--612 श्राबीय रास्ता हैदराबाद मे। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती बी० सुगनाकुमारी 6/4 श्रार० टी० बरक्त-पुरा, हैदराबाद मे। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषीप :--

- (क) इप सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से
 45 दिन की प्रविच या तत्मम्बन्धी व्यक्ति यों पर
 सूचना की नामीन में 30 दिन की भविध, जो की
 प्रविच बाद में सवाब्त होतो हो, के भीतर पूर्णीकत
 व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्लिकड़ किसी प्रत्य क्यक्ति द्वारा, ग्रधीद्सतक्तरी के सास सिखित किए जा सकेंगे।

स्पड्टोसरग:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को उपन्छ । ग्रीधितियम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक हाल 5 मंजिल पर घर नं० 4-1-938/भार०-6 ग्रीर 8 तीलक रास्ता हैदराबाद में रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 5756/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅज, हैदराबाद

तारीख: 9-5-1980

प्रकप बाई • टी • एन • एस •---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यी नय, सतृत्यक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1980

सं० ये०सी'०नं 98/80-81—यतः मुझे के० के० घीर आयक् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य 25,000/- दुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जीर यती जमीन है, जो मेड पली ग ऊं में स्थित है (श्रीर इसहे उप बद्ध बनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदर ब.द में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम 1980 (1908 का 16) के श्रधीन सेपटेम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरन के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरन लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत प्रक्त अधिनियम के धवीन सर देने के भन्तरक के दायित्व में नामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रतिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रविनियम, या धन-कर ग्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, इक्त अधिनियम की घारा 269-म के अनुसरक में, में, उक्त प्रविनियम की घारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन निम्निनिश्चत व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्रीमती लतपुनीसा बेगम पति सैयव मजपरवौला हुसेनी 4-1-18, तीलक रास्ता, हैवराबाद
 - (2) मीर हर्शीम प्रलीकान
 - (3) मजहरूनीसाबेगम
 - (4) कुतबुनीसा बेगम
 - (5) अशरफुनीसा बेगम

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती एम० कमलाम्मा पती एम० बालरेड्डी 9-92, ऊपल कलान हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी भाषोप :---

- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्त द्वारा, ग्रंथोइस्ताक्षरी के पास लिखित से किए जा प्रकोंगे।

स्वब्दोकरग:--इनर्ने प्रयूपन शब्दों और पदों का, जो उक्त क्षप्तियम, के अध्याय 20-क में परिणाणित हैं, बही प्रयंहोगा जो उस अध्याय में विका गया है।

श्रनुसूची

जीरायती जमीन 7 एकड 37 गुनटास मेडपल्ली गांव में हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 5255/79 के मुताबिक में छप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में हुआ है।

> के० के० वीर सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर **प्रा**युक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 9-5-1980।

प्रकप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मई 1980

निवेश सं० 99/80-81—यत: मुझे, के० के० बीर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/क० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट एल० - 1 है, जो सोमाजीगुड़ा कपाडीयालन में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के

पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक हैं और धन्तरक (धन्तरकों) घौर

अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए

तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर्या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों भी, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रव, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-म के प्रमुसरण में, मैं, उन्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयति :--

 श्रीमंती मीरयम जान पीबीरा पती डी० पीदरा जी० पी० ए० जे० एस० सलवाना युनेट श्रेषु राजस्थान ।

(ग्रन्तरक)

 श्री राजानन्य काबरा पीता हरी बकस काबरा 6-3-903/सीमाजीगुडा, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रत्रिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविध, जो
 भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:--
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
 हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्रोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कुली जमीन 636 वर्ग यार्ड 1200 वर्ग फीट मकान है पलाट नं० एल-I सीमाजीगुड़ा हैदराबाद में रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 2587/79 के मुताबीक उप रजीस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी स**हायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)** श्र<mark>जैन रेंज, **हैद**राबाद</mark>

तारीख : 9-5-1980।

प्ररूप आर्धः टी. एन्. एसः ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आग्रकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्भन रेंज हैदराबाद हैदराबाद , दिनांक 9 मई 1980

निदेश सं० 100/80-81, ---यतः, मुझे, के० के० बीर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो सीमाजीगुड़ा हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला कि वास्तिवक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय् या किसी धन या अन्य आसित्रा को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थातः—

- 1. (1) बीशणु हसमत रामे सिपाही मालीनी,
 - (2) श्रीमती गेरलीनके वीशणु सिपाही मालीनी योनों 44/5 सेसण रास्ता पुना-411001।

(अम्तरक)

 श्रीमती कनडोला सीतारामध्या पत्नी के० रामी रेड्डी, मकान नं० 16-2-145/ए/4 मलकपेट, हैवराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 415 वर्ग गज यरूम मंजिल सोमाजीगुडा हैचराबाद में रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 2562/79 के मुताबिक उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीब: 9-इ-1980 ।

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-षु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैक्राबाद

हैवराबाद, विनांक, 14 मई 1980

सं० आर०ए०सी०101/80-81—यतः, मुझे, के०के० वीर, बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 5-9-12 है, जो सैफाबाद में स्थित है (भौर इससे उपाधक अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण िल्खित में वास्त्विक रूप से किथ्तु नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे मुचने में सूविधा के लिए; बीट्र/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अयं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधोन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्ः--- मैसर्स धननजय होटल प्राइवेट लिमिटेड 5-9-12, सैफाबाद, हैदराबाद।

(भन्तरक)

- (1) श्रीमती कलावती शहा पत्नी श्रमरीतलाल शाह श्राजमपुरा, हैवराबाद
 - (2) पी० रवीन्दर रेड्डी-वरनगल
 - (3) विजय बाग्ने हीमायत नगर
 - (4) प्रति वाग्रे काजीगुडा हैदराबाद
 - (5) मैसर्स कलावती देवी पत्नी हरीवदन लाल, हैवराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाळ किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पोरशान घर का नं० 5-9-12 का जमीन का सतह पर वांय हाथ के साइड में धीस्तीर्ण 199.1 वर्ग यार्ड सैफाबाद हैवराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5631/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैवराबाद में

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-5-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाव, विनांक 14 मई 1980

सं० आर० ऐ० सी०-102/80-81 यतः, मुझे, के० के० वीर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० बी भाग 5-9-12 है, जो सैफाबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण भूभिवियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपरित के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण िलिखत में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबस उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातु:—

 मसर्स घननजय होटल प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी श्रौर दूसरे मैंनेजिंग डायरेक्टर श्री बी० रामालीनगा राजू, सिकन्द्राबाद ।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती कलावती देवी पत्नी हरीवदन लाल, हैदराबाद
 - (2) श्रीमती कालावती शहा पत्नी धमरीतलाल शहा
 - (3) पी० रवीन्दर रेड्डी---पी० गंगा रेड्डी, वारंगल
 - (4) प्राने वाग्रे हैपराबाद
 - (5) वीजय वाग्रे---हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्शित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्यव्होकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, यही अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

अमृत्रुची

वीभागी घर का नं० 5-9-12, 2 मंजिले पर वीस्तीर्ण 193.55 वर्ग यार्ड सैफाबाद हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज के मुताबिक नं० 5628/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

ता**रीखः** 14-5-1980

प्ररूप बाह . टी. एन्. एस.------

जामुक्तर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कायां लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 14 मई 1980

सं आर०ए०सी० 103/80-81—यत: मुझे, के० के० वीर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरिता जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पोर्शन 5-9-12 का है, जो सैफाबाद, (हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिखत में वास्तिव्क क्य से कि भृत नृह्वीं किया गया है:---

- (का) अभ्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; औद्ध/या
- (का) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः ज्ञद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म¹, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को क्षीन, निम्निस्तित स्युक्तियाँ अर्थास्:--- मैंसर्स घननजय होटल प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी जिसका मेनेजीनग डायरेकटर बी रामालीगाराजू जो बी मंजिला सीकन्द्रावाद में श्रीर दूसरे

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री पी० रवीन्दर रेडी--पिता पि गंगा रेडी वरनगल
 - (2) श्रीमती कलावती शाह श्राजमपुरा हैदराबाद
 - (3) बीजय वाग्रे (4) प्रानी वाग्रे
 - (5) श्रीमती कलावती देवी तमाम हैदराबादी है।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पर्वो का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हुँ, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर का बी भाग पहुली सत पर नं० 5-9-12 सैफाबाद हैदराबाद में वीस्तर्न 214-33 वर्ग यार्ड रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 5629/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के • के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त, (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैसरामाद

ता**रीख: 14-**5-1980

माहरः

प्रक्य वार्द. टी. एव. एस.---

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मई 1980

सं आर ०ए०सी०104/80-81—यतः; मुझे; के० के० वीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० बी० भाग 5-9-12 का है, जो सैफाबाद में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्या श्रधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1979।

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तित्यों अर्थात्:——

- मैसर्स घनन घथा होटल प्राईवेट लिमीटेड कम्पनी
 ग्रीर दूसरे मैनेजिंग डायरेकटर श्री बी० रामालिंगा राज्
 जीदीमेटला, सिकन्द्राबाव। (श्रन्तरक)
- 2. श्री वीजय वाग्रे पिता डाक्टर वी० एन बाग्रे, हीमायतनगर, हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

I-सताका विभागी घर नं० 5-8-12 बीस्तर्न 213·15 वर्ग यार्ड सैफाबाद; हैवराबाद में हैं। रजीस्ट्री दस्तावेज नं∙ 5932/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैवराबाद में।

के० के० बीर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-5-1980

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिमांक 14 मई 1980

सं 0 105/80-81---यतः, मुझे, के ० के ० वीर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 5-9-12 का बीथारा है, जो सैफाधाद में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाव में रिजस्ट्री-करण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सेपटेम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्नलिखित उद्वोद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:—— मैसर्सं धनमजया होटेल प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी, मैनेजिंग डायरेक्टर श्री बी० रामालिंगराजू, घोडीमेटला सीकीन्द्राबाद ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रानीवाग्रे पीता उपेनदरलाल वाग्रे काच्यी गुडा हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

जनसंची

जमीन का ससह का विभाग घर नं० 5-9-12 उत्तर साइड में है—-214.33 वर्ग यार्ड सैफाबाद हैदरावाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5630/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

> के० के० बीर सक्तम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅंज, हैदराबाद

तारीख: 14-5-1980

प्रकथ आहाँ. टी. एस. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाब, विनांक 14 भई 1980

सै० आर० ए० सी०-106/80-81—-यतः, मुझे, के० के० बीर, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन का विभाग है, जो नवीन नगर, हैदराबाद में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से थॉजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिमियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपित्त के जीवत बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का जीवत बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की कावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिया के लिए:

बत: बब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——
13—96G1/89

- 1. (1) श्री बिष्णु इसमतराये सिपाही मलीनी
 - (2) श्रीमती जी विष्णु सीपाही मलानी घर नं० 44/5, सैसन रोड, पुना-411001।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती एम० कृष्णवेनाम्मा पत्नी एम चंन्द्राशेखर
 6-3-596/95, नथीन नगर एराम मंजजिल हैदराबाव ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 किस नी अपित या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकरेंगे।

स्वक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिण ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गवा ही।

अनुस्ची

खुली जमीन एरम मन्जिल में—सोमाजीगेडा हैवराबाद 436- वर्ग यार्ड राजस्ट्री दस्तावेज नं० 2563/79 उप राजिस्ट्री कार्यालय, कैरताबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त, (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

विभाक : 14-5-1980

प्ररूप आई • टी • एम • एस •---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के अभीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैवराबाद, दिनांक 14 मई 1980

सं०—-आर० ए० सी०-107/80-81-—-यतः, मुझे, के० के० वीर,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो एल्लारेड्डी गुडा हैदराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कैश्ताबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वांक्त सम्मित के उचित बाजार मृष्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्सिर तें की गई है और मृभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों का सम्मित्त का उचित बाजार मृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिंधधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. (1) श्री मीर नासिर ग्रलीखान
 - (2) मीर भन्सूर मली खान
 - (3) मीर पारूक भ्रली खान
 - (4) मीर बाकीर ग्रली खान,
 - (5) श्रीमती हमीद्नीसा बेगम
 - (6) श्रीमती समीदा बेगम
 - (7) कुमारी परजाना बेगम
 - (8) कुमारी रुखसाना बेगम
 - (9) कुमारी रीहाना बेगम तमाम का घर 17-5-323 हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्री ए० लक्ष्मी नारायना घर नं० 7-1-581, श्रमीरपेट, हैवराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ब्रनुसूची

खुली जमीन 483 वर्ग यार्ड वीस्तर्न घर नं० 8-3-945 में एस्लारेड्डोगुडा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2578/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

ता**रीय : 14-5-1**980

मोद्धरः

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०⊶⊶

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मई 1980

निवेश सं० म्रार० ए० सी०-108/80-81--यतः मुझों, के० के० वीर ष्मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अबीन नक्षप्र प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है। कि स्थावर नहारित जिन्ना उचित्र बाजार मुक्य 25,000/- घपए से भ्रधिक है श्रौर जिसकी सं० जमीन है, जो सर्वे नं० 238/2 ग्रीर 239, चीमेटला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मे भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक सितम्बर, 1979 की पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचिन बाजार मूल्य ने कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने हा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दूरथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भ्रधिक है ग्रीर भन्तरह (प्रनारहां) भीर भन्तरिती (प्रन्तरितियों) के कीच ऐसे अन्तरण के निर्तय पाया गया पतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं क्तिया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उका अधि-नियम के स्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी हरत या उत्तर बनते में मुविधा के लिए; स्रौर/या
- (च) ऐसी किसी आप या किमी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः ग्रंब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269ध की उपधारा (1) के ग्रधीन। निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री एच० राधवेन्द्र राव—रामधन्द्रापुरम सनगरेडी तालूक मेडक जिला। (ग्रन्तरक)
 - 2. श्री भाग्य लक्ष्मी कोग्रापरेटीव हार्डासंग सोसायटी घर नं० 1-1-192/2 चिक्कादपल्ली, हैवराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.म. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्बीकरण: →-इसमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्ट्याय 20क में परिभाषित हैं वही श्रथं होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 5 एकड़ 19 गुन्टास विस्तीन सर्वे नं० 238/2 भौर 239 में जीडीमेटलागांव हैवराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5393/79 छप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख**ः 14-5-1980

प्ररूप ब्राईं० टी०एन० एस०----

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 109/80-81—यतः, मुझे, के० के० वीर, श्रायकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिवीत सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/— रुपये से श्रिविक है श्रीर जिसकी सं० खुली जमीन है, जी श्रमीरपेट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुभूवी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),

रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय

रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन,

सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रगतरा (प्रगतराकों) श्रीर प्रगतरितो (प्रगतरितयों) के बीच ऐसे प्रगतरा के निए तथ गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कियाग्या है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; भौर/वा
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रजु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ंच की उपवारी (1) के अधीन, जिम्तिवित व्यक्तियों, प्रयोत्ः--

- 1 श्री शिवंधरन 1-5-555-मुसीराबाद हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री मैंसर्स एम० एन० रेड्डी कंस्ट्रक्शन कम्पनी 3-4-722-नारायनगुडा हैदराबाद।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितवड किसी श्रंत्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहरताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों स्नौर पदों का, जो उक्त स्निधि-नियम के श्रद्भयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही स्रर्थ होगा, जो उस स्रद्भाय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन (प्लाट नं० 8) ममीरपेट हैवराबाद में 700 वर्ग वार्ड रिजस्ट्री वस्ताबेज नं० 5401/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैवराबाद में।

के० के० वीर हिसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, हैक्साबाद

तारीचं: 14-5-1980

प्रकृप भाई०ठी०एन०एड०---

आयकर अधिनियंत्र, 1961 (1961 की 43) की मारा 269-थ (1) के संधीन सूचना

पारत सरकार

कार्बीलय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंक, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मई 1980

निर्वेग सं० ग्रार० ए० सी० नं० 110/80-81—यतः मुझे, के० के० वीर

आयकर प्रधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० 8/3/684/3/1/12 है, जो एल्लारेड्डी गुडा में स्थित है 'और इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वाणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख सितम्बर 1979

श्रधान, ताराख सितम्बर 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के धिनत नाजार पृस्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए प्रमारित की गई है भीर मुखे यह निश्नास
करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित
वाचार मूश्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान
प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से धिन है भीर भन्तरक
(अन्तरकों) भीर प्रमारिती (धन्तरितिवों) के धीच ऐसे
अन्तरकों के लिए तम पाया बया श्रीतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्ये से स्थल घन्सरण निष्यत्ति में वास्तिबंध क्य से कथित
नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अक्रिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर श्रिधितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना नाहिए वा, छिपाने में स्विद्या के निए;

अत: अब, उक्त प्रक्रिनियम की धारा 269-ग के धनुमर्गण में, मैं, उक्त प्रवित्यम की धारा 269-व की उंच्यारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, प्रवीत्:— श्री के० सीतारामच्या पुत्र के० सुबा राऊ श्रीनगर कालोनी हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

2 श्री के० हनुमनता रेड्डी 8-3-684/3/1/2 एस० ओ० सी० कालोनी हैवराबाद।

(ग्रन्तरिती)

्रीको यह सूचनाजारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

संक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामीक्ष में 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रृष्ठोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्केंगे।

स्पक्कीकरण :---इसमें प्रवृक्त शब्दों और पने आहा, को उनत प्रक्षितमम के प्रस्थाय 20-क में परिचालित है, वही अर्च होना जो उस सम्बाय में दिया समा है।

अनुसुची

घर नं० 8-3-684/3/1/2 प्लाट नं० 4 में सर्वे नं० 96 में विस्तिन 300 वर्ग गज एल० बोिंग सी० कालोनी में एल्ला रेड्डी गुडा हैदराबाद में रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 2500/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय कैरलाबाद में।

के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाव

नारीख: 14-5-1980

प्रका आई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के ग्रंधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 14 मई 1980 👌

निर्देश सं० ग्रार०ए०सी०नं० 111/80-81—यतः मुझे, :०के०वीर

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से मिधक है

ग्रौर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो पेनधरघास्ट रास्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सीकीन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रनिग्नत ने अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से तुई किसी आय की बाबत, उकत अधि-नियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयहर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उका अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रंतः भव, उका चौधेलियम, की घारा 269-ग के श्रमुसरण में, में, उपत श्रिधिमयम की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्निष्णित व्यक्तियों अधीत —

- 1 (1) यु० जी० स्वामी।
 - (2) श्रीमती एम० जमास्री पत्नी एम० लशमय्या।
 - (3) श्रीमती ए वीशालक्ष्मी।
- (4) श्री ए० गौरी कुमार तमाम का घर 1-1-101/24 चीकडपली हैवराबाव।
- (2) वी०ीनरसीम्मा पुत्र स्वामी 1-8-518/7 चीकडपली हैदराबाद पली हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यगिहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई की बाक्षेप :---

- (क) इस सूजता के राज्यत में श्रक्तांचन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरतम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (श) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित-बढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा सक्षेत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त प्रिश्वितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

धनु**स्**चो

प्लाट नं० 52 वीस्तंन 360 वर्ग गज (नया नं० 1-8-31 ता 41) श्रौर 131 ता 143) पेनघरघास्ट रास्ता सीकीन्त्राबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 2198/79 उपरिजस्ट्री कार्यालय सीकीन्द्राबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-, हैवराबाद

तारीख: 14-5-1980

प्रकृष धाई । टी । एन । एय :---

प्रायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के भ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांनय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० ए० श्रार० सी० नं० 113/80-81—यतः मुझे, के०के० वीर,

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर गमानि, जिलका खिन बाजार मूल्य 25,000/-क्पए में प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जरायती जमीन है, जो कोमपली गाऊ मेडचेल में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूत्री में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मेहचेल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित को गई है और मुक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिगत से प्रध्वक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और मन्तरिती (अन्वरितियों) के बीच ऐसे उन्तरण के निए त्या गाया पार तिकल निम्नलिखित उद्देश्य मे उनन प्रस्तरण लिखित में वास्तविक स्पर्ध में कथित नहीं किया गया है:——

- (अ) अन्तरण में हुई लिसी धाय की बाबत उक्त संधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के कि नार स्वास्था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या विया जाना चाहिए था, कियाने में एविधा के लिए ;

भत: प्रव, उन्त श्रीधनियम को धारा 269-य के धनुसरण में, भे, उन्त श्रीधनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिधित व्यक्तियों, अर्थात:— 1 श्री एस० हबीबीदीन घर नं० 11- पदमाराऊ नगर मीकीन्द्राबाद।

(ग्रन्तरकः)

2 श्री पी० णिवकुमार प्लाट नं० 6 ब्रारकापुरी कालोनी हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन तस्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इत सुचता के राजात में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिवित्यम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जरायती जमीन सर्वे नं० 121 मौर 124 बीस्तेंन 7 एकड़ कोमपल्ली गाऊ एडचेल तालूक रनगरेंड्डी जिला दस्ताबेज नं० 1890/79 ऊप रजजिस्ट्री कार्यालय एडचेल में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज, हैदराबाद

तारीच: 16-5-1980

प्ररूप वाई । टी । एन । एस ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-घ(1) के अधीन मुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 114/80-81—यत: मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रण्यात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिमका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 265/एम-1-3 ग्रार०टी० है, जो ए स० ग्रार० नगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर 1979 को पूर्वोक्त

क अधान, ताराख सितम्बर 1979 का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ती का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिष्ठत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य सें उन्त अन्तरण निखित में वास्तविक इत्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (त) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, धक्त प्रधिनिवन के बाबीन कर वैने के धन्तरक के वासित्य में कभी करने या क्ससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अध्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर पश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्राप्तियम, या धन-कर प्रश्चितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारित क्षारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जाहिए था, क्रियाने में सुविका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रक्रिनियम की घारा 269-क की उपघारा (1) के अधीन, निम्निकिति स्पक्तियों, अर्थात्:— श्री कमा महेशियर राजू भर नं० 5/1 सुबय्यारेड्डी रास्ता कलसूर बेनगलूर-8।

(ग्रन्तरक)

2 श्री जी॰ रामाप्रसाद 265/एम1-3 ग्रार॰ टी॰ संजीवरेड्डी नगर हैदराबाद-38। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करला हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई मी आक्षेप :=-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की लासिय से 45 दिन की घविष या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की घविष, जो भी घविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य क्यक्ति द्वारा ध्रधोश्वस्ताक्षत्री के पाम लिखित में दिए जा नकेंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त खड़ा थौर पदों का, जो उन्त अधि-नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रमुसूची

घर नं० 265/एम 1- श्रार० टी० संजीवारेड्डी नगर कालोनी हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 2633/79 में ऊप रिजस्ट्री कार्यालय कैराताबाद में।

> के० के० वीर सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्राभुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-5-1980

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मई 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 115/80—81—यतः मुझे, के० के० वीर.

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिल्ला उनित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं जरायती जमीन है, जो कोमपली गाऊ मेडवेल में स्थित है (घौर इससे उपावद धनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय मेडवेल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरत को गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिगत प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भौर प्रम्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्बलिखित उद्देश्य से छक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त मिधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त मिधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के मधीन निम्नित्सित अवित्यों, अर्थात् :--14 -->534/8)

क 1 श्री एस० हबीबीदीन पिता यूसुपोदीन नं० 11- पद्माराऊ नगर सीकीन्द्राबाद।

(ग्रन्तरक)

2 (1) श्री ए० सुवाराजू

(2) श्री ए० प्रीतीवीराजू।

(3) श्री ए० सीनगराजूै। कोमपली गांव मेडचेलतालूक रनमरेड्डी जिला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूत्रता जारो हर हे पूत्रोंका सम्मतिके अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी खाओप :---

- (क) इस सूत्रना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाध्त होतो हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किया व्यक्ति होरा;
- (ख) इस सूबना के राजरत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के मोतर छन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साध्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

जरायती जमीन सर्वे नं० 121-7-एकड़ कोमपल्लो गांव मेडचेलतालुक रनगरेड्डी जिला रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 1981/ 79 उप रिजस्ट्री कार्यालय मेडचेल में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैक्साबाद

तारीख: 14-5-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद,दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० श्रार०ए०सी०नं० 116/80-81——यतः सुझे, के० के० वीर.

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269—ख के घंधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— द० से प्रधिक है

न्नोर जिसकी सं० विभागी 1-2-51 है, जो दीमलगुडा हैदराबाद में स्थित है (न्नोर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में न्नोर पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1980

को पूर्जोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्जोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) प्रस्तरक से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रीध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायिख में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भनः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, में, उक्त भिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन

- 1 (1) श्री जे॰ शरतचन्द्र राऊ।
 - (2) श्री जे० सनदीप ।
 - (3) श्री जे० नवीनचन्द्रा 1-2-593/40 गगन महल कालोनी हैदराबाद।

(अन्तरक)

2 श्री मकतूर गनगम्मा पती रामगोपाल राऊ भनतरगमा गांव जगतीयाल तालूक।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पति के प्रार्वेत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रत्रिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिमाधित है, वही श्रर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

षर मं॰ 1-2-51-गगनमहल रास्ता हैदराबाद वीस्टंन 400 वर्ग यार्ड रिजस्ट्री दस्तावेज नं॰ 5403/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक्ष भागकर भा**नुक्त (निरीक्षण)** भर्जन रेंज, हैवराबाद्य

तारीख: 14-5-1980

प्रस्प आई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

श्रुजन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 14मई 1980

निदेश सं० ग्रार० ए० सी०नं० 117/80-81—यतः मुझे के०के० वीर

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

मौर जिसकी सं० 1-2-51 हिस्सा है जो गगन महल रास्ता, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैधराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्यापूर्वोका समाति का उचिन वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उका अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है -

- (क) अग्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए। और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी बन या प्रत्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया भवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, धव, उन्त प्रविनियम की बारा 209-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. (1) श्री फुवाड़ी शरत चनद्र राऊ,
 - (2) जी० सन्दीप
 - (3) जे० नवीन नं० 1 भीर 2
 मैसर्स श्रीमती जे० रामयम्पा
 1-2-593/40 गगन महल कालोनी, हैवराबाद
 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री डी० वेन काटेशवर राऊ
 - (2) बी॰ ग्रामोक राऊ 7-3-18 मय्निसिपल क्वाटर्स, करीमनगर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपल में प्रकाणन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तालरी के पास निखित में किए जा सकते।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही भ्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धर नं 1-2-51 गगन महल रास्ता, हैवराबाद वीर्स्टन 620 वर्ग यार्ड, रजिस्ट्री दस्तावेज नं 5404/79 ऊप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख14-5-1980 मोहर: प्ररूप आई. ठी. एम. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 14 मई 1980

निवेश सं० म्रार० ए० सी०नं० 118/80-81—यतः मुझे के०के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं० 16-11-740/4/7/ए०/1 है, जो बाड़ी अन्नारम राऊ में स्थित है (भीर इससे उताबद्ध धनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण भिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के भिष्ठीन सितम्बर, 1979

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक इय से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भास्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन। निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. (1) श्रीमती कन्नाकिशन पति बी० रामलाल किशन
 - (2) सुनील किशन
 - (3) पुरामिना किशन
 - (4) प्रनील किशन
 - (5) शलीलकिशन

तमाम का घर नं० 4-1-1240 किंगकोठी रास्ता, हैदराबाद।

(म्रन्तरक)

श्रीमती गद्दाम मोहम्मद पति जी० महे शवर,
 21-3-804, घेलापुरा, हैदराबाद।

(मन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिभाषिता हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्यी

कुली जमीन और घर नं० 16-11-740/4|v/1, का विभागी सरवे नं० 315/3, गड्डी अन्तारम राऊ, हैदराबाद में रिजस्ट्री वस्तावेज नं० 5422/79 उप रिजस्ट्री कार्याक्षय हैदराबाद में \cdot

के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) धर्जनर्रेज-; हैदराबाद

तारीख 14-5-1980 मोहरः प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्य, सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाब, दिनांक 14 मई 1980

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 119/80-81—यतः मुझे के० के० वीर
ग्रायकर ग्रिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त ग्रिश्वनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिश्वीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उपये से ग्रिश्वक है ग्रीर जिसकी सं० 6-3-629/1 है, जो धोनतल बसती में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानस्वी में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिश्वकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिश्वनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिश्वीन दिनांक सिलम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का ज़िवत बाजार मूस्य, उत्तरे वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर प्रन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरित के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उपत ग्रिष्ठ-नियम के ग्राघीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐती किसी ब्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धनकर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ब्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उत्त अधिनियम की बारा 269-व के बनुबरक में, में, उत्त अधिनियम की बारा 269-व की उपवारा (1) के अक्षीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

- 1. (1) श्री एन० विद्यासागर
 - (2) एम० जगमोहन
 - (3) एम० प्रकाश
 - (4) एम० राज मोइन
 - (5) एम० जयपाल
 - (6) एम० जनार्वन
 - (7) श्रीमती कृष्णावेवी
 - (8) श्रीमती कौसल्य
 - (9) पुष्पादेवी

5-4-8 ग्राबीद रास्ता, हैवराबाद।

(मन्तरक)

 श्री म्रब्दुल रजाक 1-5-388/1, जमीस्तापुर, मारकेंद्र मुसीराबाद, हैदराबाद।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मान्नेप:--

- (क) इस सूचना के राजाब में प्रशासन की तारी वासे 45 दिन की अवधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीका से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में श्रितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्दों भौरपदों का, जो जन्स ग्राधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रम्मान में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन भौर मकान नं० 6-3-629/1 चीतल बस्ती कैरगबाद हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज, नं० 5329/79 छप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० बीर सक्षम प्राविकारी सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, दैवराबाव

तारीख: 14-5-1980

प्रस्य पाई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरक र

कार्याजय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, हैदराधाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मई 1980

निदेश सं० मार० ए० सीं० नं० 120/80-81—यत मुझे के० के० वीर

भायकर भिषितियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त प्रधितियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० से भिष्ठक है

भौर जिसकी सं० कुल जमीन 616617 है, तथा जो शमशबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विजित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन दिनांक सितम्बर, 1979

की पूर्वोक्त सम्पति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिवितयम के अधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भग्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपामे में सुविश्वा के लिए;

-धतः श्रव, उत्तन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखिन व्यवितयों, श्रर्थात्:--

- श्री परेणपटेल पिता लेट पटेल,
 एल० जी० 4-1-10/ए/2, तिलक रास्ता, हैदराबाद।
 (धन्तरक)
- (1) श्रीमती मदुबेन पति पी० टी० पटेल
 - (2) श्रीमती इंदीराबेन रमनाबादी पटेल, 11-9-शमशाबाद हैसराबाद वेस्ट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख सें 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पति में श्रितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ध्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: --इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितं है, वहीं धर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अमुसूची

अंगूर का बाग, सर्वे नं० 616 श्रीर 617 शमशाबाद हैदराबाद, वेस्ट विस्तीर्ण 50 एकर्स, 20 गुनटास रजिस्ट्री दस्तावेज, नं० 2052/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

नारीख: 14-5-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

धावकर प्रवित्तियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ण (1) के ध्रष्टीन पूचना

बारत सरकार

नार्याजय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 14 मई 1980 निदेश सं० झार० ए०सी० नं०121/80-81—यत: मुझे के०के०वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यन' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रश्नीन पत्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यातर संगति निका उवित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भीर जिसकी सं० 1-8-871/1/म्रार०टी० है, जो प्रकाशनगर, में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण मधिनयम 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उक्ति बाजार मूक्य से सम के कृश्यमान प्रतिकत्त के लिए सन्तरित की गई है सौर मुसे यह विश्वास करने का कारत है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उक्ति बाजार मूक्य, उसके बुष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (जन्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निमानिश्वित उद्देश्य से उन्तर प्रमरण चित्रित में वास्त्रवित क्य में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी थाम की बाबत उनत प्रधि-नियम के प्रशीत कर देते के प्रम्तरक के बायिएक में सभी करने या उसमे दचने में सुविधा के लिए; प्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, मा धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचं अस्तरिती ब्रारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए जा, खिपाने में मुनिका के लिए;

अतः धन, उदत भविनियम, की वारा 269-व के धनुसरण में, में, उदत प्रधिनियम की बारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नविधित व्यक्तियों, धर्मात्।--- श्री बेलदे चन्द्रामीलि
 196 मारेड पली, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री लूचेनजन

(2) लूटींग योन धरनं० 103 पार्कलेन, सिकदराबाद ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: ----

- (त) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारी से 48 विन की अवधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राज्यत में प्रकाणन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर संपत्ति में द्वित-प्रत किसी मन्य स्थित द्वारा प्रवोद्दरताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

हरक्कीकरण: ----इसमें प्रयुक्त पान्यों भीर पर्यों का, जी क्यस प्रशिनियम के शक्याय 20-क में परिकालिश हैं, वही अर्थ होगा वा उस शब्याय में विका गया है।

भनुसूची

दो मंजिलाधर नं० 1-8 871 धीर 1-8-871/1 (4-3-भार० टी) कुल जमीन विस्तीर्ण 223 वर्ग मीटर प्रकाश नगर, सिकदन्राबाद, में रजिस्ट्री दस्तावेज, नं० 2178 /79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में ।

> के० के • बीर सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त, (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-5-1980

प्रकप माई०टी०एन०एस०-

भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैकराबाद

हैवराबाद, दिनांक 14 मई, 1980

निदेश सं० म्नार०ए०सी०नं० 122/80-81—स्यतः मुझे के०के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसकी सं० ष्लाट ० 41 है, जो श्रीनिवास नगर, हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाधद अनसूची में और जो पूर्ण रूप से विजात है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य के कम के दृश्यमान प्रतिपत्त के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसंत्रवृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-क्ल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत चक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) एसी किसी आयया किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िष्ठपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त ग्रश्चिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ध्यीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयात्:— श्री एम० वीरेशम तनदूर—गांव जनगाऊ वारंगल जिला

(ग्रन्तरक)

 श्री लीला राऊ एफ-1-बी०-14 सब जीव रेडी नगर, हैदराबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षीप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो सकत श्रीधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं शर्म होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 41, श्रीनिवास गगर, हैवराबाद में विस्तीर्ण 475 वर्ग यार्ड है, रॉजस्ट्री दस्तावेज नं० 2583/79 ूडप रॉजस्ट्री कार्यालय हैंदराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर मायुक्त (निरीक्षण) र्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14 -5-1980

प्रकप धाई • ही • एन ० एस • ---

प्रायकर मर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सङ्घायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

> भर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1980

निवेश सं० घ्रार० ए० सी० नं० 65/80-81:——यतः मुझे के०के० वीर

भायकर भिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिष्टिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिष्टीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भिष्क है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 7 है जो बालमीकि नगर, दोमलगडा, में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध मनसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त धरि-नियम के प्रधीन कर देने के ध्रग्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठिनियम, या धन-कर भ्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्किया के लिए;

भतः, सब, धरत प्रधिनियम की धारा 26 क्र-म के सनुसरण में, में, सक्त प्रधिनियम की बारा 26 क्र-म की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्घीत् :--15-96GI/80 श्री सीतराम राऊ, पिता बै० बी० सुब्बाराऊ जी० पी० ए० वेनकटाघेलम, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

 मैसर्स राधा श्रपार्टमेन्ट उसमान शाही, हैदराबाद।

(ब्रन्तरिती)

 यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजंपज में प्रकातन को तारीखंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्तिं में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 7 बालमीकि नगर, गगन महल को आपरेटीव सोसाईटी हैदराबाद में है विस्तीर्ण 675-54 वर्ग मीटर रजिस्ट्र दस्तावेज नं० 5524/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वी सक्षम प्राधिका सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, हैदराया

तारी**य:** 5-5-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के प्रश्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1980

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 66/80-81—यतः मुझे कै० के० वीर,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के भिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से भिष्ठक है

भीर जिसकी प्लाट नं 12 है जो एस० डी० रास्ता में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारीके कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रम, उन्त श्रिष्ठिनियम, की श्रारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त श्रिष्ठित्यम की धारा 269-म की उपश्रारा (1) के श्रदीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों सर्वात् :---

- मैसर्स सनयुक्त सेसन पति ले० कर्नेल ग्रगेस्त देव सासन 24-ए, ईसाक कालोनी, सिकन्यराबाद (ग्रन्सरक)
 - श्री डी० जे० परीक पिता जे० डी० परीक,
 प्ताट नं० 12 पर्येण होज, सिकन्दराबाद।
 (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

धनुसूची

प्लाट नं 12 पायेहीज सरवार पटेल रास्ता सिकन्वराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं 2268/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय सिकन्वरा-बाद में ।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज, हैक्सबाद

दिनांक: 5-5-80

प्रसम आई० टी० एन० एस०----

आयकर मिलिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1980

निर्वेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 67/80-81—-प्रतः मझे के०के० बीर

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से अधिक है

भोर जिसकी सं० जिरायती जमीन है, जो गडी भ्रन्नारम करनवाग में स्थित है (ध्रीर इससे उपाबद्ध भनसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (2908 का 16) के भ्रधीन (भ्रजमपुरा) सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजिल बाजार मूल्य से कम के प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पित्रकात से मिश्वक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर मन्तरित (भन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नजिश्चित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक क्या से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त ग्रीध-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी हिमी ग्राय या हिसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायहर ग्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनयम, या धन-कर ग्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरही हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः, भन, उन्त भविनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उन्त भविनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के भवीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, भवितः—

- 1. श्री जी 0 रामय्या पिता ग्रागय्या ृधर नं० 16-1-220 गडी श्रन्नारम हैदराबाद । (ग्रन्तरक)
- श्री रागवा कोपरेटिय स्रोसाइटी,
 16-12-751, टी० ग्रार0 नगर सैदाबाद,
 हैदराबाद ।

(मन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: → -इसर्ने प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उपत ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुमुची

जिरायती जमीन करन बाग में गड़ी भ्रन्नारम हैदराबाद र्राजस्ट्री वस्तावेज, नं० 2752/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय भजमपुरा में ।

> के० के० बीर स**क्षम** श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

विमांक 5 मई, 1980 मोहर: प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰ ----

भायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रॅज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1980

निदेश सं०े म्रार० ए० सी०नं० 68/80-81—-के० के० वीर,

भायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से भ्रधिक है

भौर जिसकी सं० 23 भौर 24 है तथा जो राज भवन रास्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकरी के कार्यालय कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (190 का 16) के अधीन सितम्बर, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त श्रिष्टि-नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घ्रन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रमारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के किए;

भतः मब, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थांतः— श्री राय क्रुष्णा रेड्डी , सेवारटरी धन लक्ष्मी, को प्रापरेट हार्जीसंग सोसायटी, पतेमैदान, हैवराबाद ।

(म्रन्तरक)

 श्री मित ए० घरना पित रागवरेड्डी जी० एम० रेड्डी स्टेनली रास्ता, मद्रास । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्मत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्दोक्षरण: → इसमें प्रयुक्त शक्दों ग्रीर पतों का. जो उक्त ग्राधि-नियम के ग्रध्याय 20 ह में परिभाषित हैं वहीं ग्रायें होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

ण्लाट नं० 23 ग्रीर 24 धर नं० 6-3-1238 राज भवन रास्ता, हैदराबाद में हैं रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 2600//79 छप-रिजस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** 5-5-1980 मोहर : प्ररूप बाई० टी० एन० एस०----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1980

निदेश सं० मार० ए० सी० नं० 69/80-81—यतः मझे के० के० वीर,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सभाग प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- इ० से प्रधिक है

स्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1-5-511 है, जो बोमल गुडा, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्नम्सूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सितम्बर, 198079

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिकहै और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत तिन्तिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मिन्न नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी घन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, शिवाने में सुविधा के लिए;

भतः धम, उक्त भ्रिधिनियम, की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त भ्रिधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:—— श्री महमद शहाबोवीन दोमलगुडा, हैवराबाद।

(मन्तरक)

1-1-484

2. श्रीमती टी॰ ताराबाई पति के॰ वेंकटराऊ 23-4-197, सुलतान शबी, हैवराबाव। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्यक्ति के पर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अपिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इ.त सूत्रता के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रम्थ व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दोकरण :--इतमें प्रयुक्त सक्यों भीर पर्दों का, जो सक्त अधिनियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रयं होगा जो उस अध्याय में सिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन धर नं० 1-5-511 दोमलगुडा, हैदराबाद में रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 5118/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

> के० के० बीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारी**ज** 5-5-1980 मोहर:

সৰুণ আ**ৰ্ছ** তীক ত্ৰক ত্ৰক

क्षायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-म (1) के प्रधीत सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1980

निदेश सं० मार० ए० सी० नं० 70/80-81—यतः मझे के० के० बीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अखिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्वति जिसका उजित वाजार मृष्य 25,000/- ए० से अधिक है

भौर जिसकी सं० 15-7-426 है, जो बेगम बाजार, हैवराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद भ्रनसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विश्वत है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हवबीली, में रिजस्ट्रीकरण भिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक सितम्बर, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मूक्य से कम के बृक्वमान प्रतिफल के निए अन्तरित की नई है और मुझे यह बिक्वास करने का कारण है कि स्वापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मूक्य, उसके बृक्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृक्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और पन्तरका (पन्तरकों) और अन्तरिती (पन्तरितयों) के बीच एसे पन्तरण के निए तम पाम गया प्रतिफल, निम्निविधित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बाक्तविक रूप से क्वित नहीं किया गया है।——

- (क) सन्तरच से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त श्राद्धिक निवम के प्रधीन कर देने के सन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविश्वा के लिए; सीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर जडिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त धाँधनियम, या धम-कर धाँधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया खाना नाहिए था, खिपाने में सुविधा के जिए;

धतः धवं, एक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के धनुसस्थ में, में, एक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (३) के ध्रधीन निम्नलिखित स्पित्यों, धर्मात् ३---

- 1. (1) श्री मोहम्मद श्रब्दुल्ला,
 - (2) मुहस्मद जफार, 15-7-424 श्रीर 426य क्षेगम बाजार, हैक्शवाद ।

(ग्रन्तरक)

सीताराम पवर 15-7-414
 बेगम नाजार, हैदराबाद

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

डण्ड सम्रात्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेत् :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वास्त्र मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवसि, जो भी सर्वास्त्र में संस्थापत होती हो के धीतर पूर्वोत्तत व्यक्तियों में संकिसी व्यक्तियों हो ते धीतर प्रवेतित व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी प्रम्य स्थक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वेशिकरणः -- इसम प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो छक्त । प्रशिविषम के अध्याय 20-क में परिचाक्ति है, वही पर्व होगा जो उस्र अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर नं॰ 15-7-426 बेगम बाजार, हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्ताबेज नं॰ 1079/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय दुदबोली में ।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 5-5-1980 मो**हर** प्रक्ष धाई • टी • एन • एस • -----

आयंक्रर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के समीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाव, दिनांक 5 मई 1980

निपज सं० म्रार० ए० सी० नं० 71/80-81—यतः मुझेके०के०वीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छवित बाबार मृह्य 26,000/- कः से प्रधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० 3-3-289 है, जो चेपल बाजार, हैदराबाद में से स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीत दिनांक सितस्थर, 1979

की पूर्वोक्त सकपित के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, ससके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्वह प्रतिशत अधिक है और सन्तरक (अग्तरकों) धीर अग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है। —-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धिवित्यम के घडीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसके बचने में मुक्किया के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी जाम या किसी धन या घम्य धास्तियों की जिन्हें भारतीय धायकर घछिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिधिनयम, या धन-कर घछिनियम, 1957 (1987 का 27) के प्रयोजनार्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, दिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अत्र, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 289-न की उप-प्रारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती मासया बेगम पति मुहुमम्मद ऊसमानी, मुसीराबाद, हैवराबाद।

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स विजय इंजीनियरिंग और प्रिटिंग कम्पनी पार्टनर : ग्रार० ग्राणीक कुमार, 3-3-289 चेपस बाजार, हैपराबाव ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के निए कार्यवाहियाँ करता हूं।

अन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी खाओप। ---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की कारीज के 48 दिन की प्रविध या सम्तंत्री क्यक्तियों पर सूचना की सामीज से 30 दिन की प्रविध, भी भी जबकि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिजों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी धन्य न्यक्ति द्वारा अझोहस्ताकरी के पात सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पशें का, को उन्त प्रिक्षित्यम के प्रध्याय 2 € प्रें परिभाषित हैं, वहीं प्रवें होया, को उस सम्बाद में दिया गया है।

अनुसूची

धर नंख 3-3-289 चेपल बाजार, हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 5286/79 खप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० बीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 5-5-1980 मोहर: प्रकप माई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर धायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 5 मई 1980

श्रार० ए० सी० नं० 72/80-81—यतः मुझे, के० के० वीर, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- वपए से श्रीधक है

भोर जिसकी संप्लाट नं बी-1/5 है, जो चन्द्रलोक कम्पलेक्स, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता धिषकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण घिषिनयम 1908 (1908 का 16) के भिष्ठीन सितम्बर, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रहप्रतिकत से धिवक है धौर अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त ग्रीवित्यम के भ्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उपत मधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपत अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्धात्:—

- मैसर्स स्वास्तिक कन्सट्रक्णन कम्पनी सिकन्दराबाद । (प्रन्सरक)
- श्री गोविन्द राम बी-1/5, चन्द्रालोक कम्पलेक्स, सिकन्दराबाद । (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीक्त
 ध्वित्वारों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्तीकरणः —इसर्में प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो छक्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय-20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० बी-1/5, 3 मंजिलें चन्त्राक्षोक कम्पलेक्सः सिकन्दराबाद, विस्तेन 1427 वर्ग फीट, रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 5123/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> कें० के० थीर सक्षम प्राधाकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीच : 5 मई, 1980

प्रकाशाई• क्षे∍ एत• एस•-----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य(1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1980

न्नार० ए० सी० नं० 73/80-81—यतः मुझे, के० के० वीर, आयकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सम्रम प्राधिकारी की, यह विश्वास करणे का कारग है कि स्थायर मन्यति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- व॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 7-1-21/बी है, जो बगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिनत बाजार मूल्य से कम के बृथयमान प्रतिफल के लिए पन्ति कि गई है और मुझे यह विश्वाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृथ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत पश्चिक है भीर प्रश्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (प्रश्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तब पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रश्नरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया यथा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अखिनियम के ग्रसीन कर देने के ग्रस्टरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घण्य ध्रास्तियों की, जिल्हें भारतीय आयकर ध्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, बा धन-कर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ शन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया आना साहिए वा, छिपाने में सुविधा के जिए।

अतः प्रवं, उक्त मिवनियम की धारा 269-न के अनुसरन में, में, उक्त मिवनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिजिन व्यक्तिमों, श्रयीत्:—— 16—96GI/80

- भी निगते मनुबद्धत रेड्डी,
 - (2) पी० अगदीश रेड्डी
 - (3) पी० राजेन्द्र रेड्डी
 - (4) जनारदन रेड्डी 7-1-22/6, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री प्रकाश वी० जैन,
 - (2) भवरलाल बी० जैन,
 - (3) विमल कुमार बी० जैन
 - (4) कैलाश कुमार वी० जैन,

तमाम का घर न० 4-1-1209, बोन्नुलाक्रुन्टा, हैवराबाद में ।

(ग्रन्तरिती)

को य**ह सू**षना **वारी कर**के पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

खनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :~~

- (क) इस सूचना के राजाल नं प्रकाणन की नारीध से 45 दिन की शवधिया तत्सम्बण्डी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की शविज, जो भी अविज आद में समान होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाड किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वोक्ता, को उन्त व्यक्षित्यम के श्रध्याय 20-क में परिभाषिठ हैं, बही सब होगा को उन सध्याय में विवा गया हैं।

अनुसूची

घर नं० 7-1-21/बी, बैगम पेट हैंदराबाद रजिस्टर्ड दस्ताबेज नं० 5257/79 छप रजिस्ट्री कार्यालय हैंदराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी, सिहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- हैंदराबाद

तारीखा : 5-5-1980 |

प्ररूप आई० टो० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैचराबाद, विनांक 5 मई 1980

धार० ए० सी० न० 75/80-81—यतः मुझे के० के० वीर शायकर धिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत ग्रिधिनयम' कहा गया है) की धारा 269-ख के धिधीम सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

मौर जिसकी सं० मलगी नं० 11-6 206 है, तथा जो नामपली स्टेशन रास्ता, में स्थित है (मौर इससे उपायद मनुसूची में मौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय करताबाद में रिजस्ट्रीकरण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपत्त का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐंस अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबस, उक्त ज्ञिष्टि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धनया भ्रम्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, बा भ्रन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए।

द्यतः भव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्रीमती मुनदीजा बेगम
 3-3-53/6 काजीगुडा, हैदराबाद ।
 (अन्तरक)
- श्री मह्मद ऊनर,
 3-3-53/6, काजीगुड़ा, हैदराबाद।
 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अपर्यंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीध-नियम के शक्याय 20क में परिभाषित है, वही शर्व होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मलगी नं • 11-6-206 विस्तीणें 81-77 वर्ग यार्ड, 68.06 वर्ग मीटर के समान है । पब्लिक गारडेन रास्ता नामल्ली, हैदराबाद में है । रजिस्ट्री दस्तावेज नं • 2517/79 कप रजिस्ट्री कार्यालय कैरतावाद में ।

के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 5-5-1980

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269थ (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कायौनय, स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाव, विनांक 5 मई 1980

श्रार० ए० सी० नं० 76/80-81 — यतः मुझे के० के० वीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भौर जिसकी सं० 1-1-70 ता० 72 है, जो मुर्शीदाबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर प्रत्यरिती (प्रत्यरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रकारण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त धांक्षितयम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा प्रससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी प्रायमा किसी धन या प्रश्य आस्तियों को जिल्हें भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उपत प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अन, उत्त अधिनियम की धारा 269 न के अनुसरक में, मैं, उत्त अधिनियम की धारा 269 के उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अयित :---

- 1. श्री इफतेकार बेगम खान
 - (2) श्रीमती करीमुनीसा बेगम
 - (3) श्रीमती भनजुम जहान इन तमाम का जी० पी० ए० में सैयद शाहनूर भ्रली, मलकपेद, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

 श्री के० वै० राजय्या पिता कृष्णय्या, पार्टनर मैसर्स श्रीलक्ष्मी साई बाबा इंजीनियरिंग वर्कर्स मुर्शीवाबाद, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीता सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राज्य ज में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की सबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्डोकरण :---इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का, जो उक्त धिन-नियम के घड़्याय 20-क में परिभाषित हैं वही धर्च होगा जो उस अड्याय में दिया गया है।

अमुसूची

श्वर नं० 1-1-70 ता० 72 मुर्गीदाबाद, हैदराबाद विस्तीर्ण 974 वर्ग यार्ड, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5109/79 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीच : 5~5-80

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- पृ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैवराबाद, विनांक 5 मई 1980

भार० ए० सी० नं० 77/80-81—यतः मुझे के० के० बीर बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1-1-73, ता० 74 है, जो मुर्शीदाबाद, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुस्ची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपितित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपितित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित अ्युक्तियों अधीन, निम्निलिखित अ्युक्तियों अधीन,

- 1. (1) इपतेकार बेन कान
 - (2) करीमुनीसा बेगम
 - (3) भ्रनजुम जहान श्री० पी० ए० सैयद शाहामूर म्रली मलकपेट, हैदराबाद । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री कें वै राघय्या पिता श्रिष्नय्या प् 1-1-73 ता० 74, मुर्शीदाबाद, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-1-73 श्रीर 74, मुर्शीवाबाद हैदराबाद रिजस्ट्री दस्ताबेज नं० 5108/79 छप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० बीर सक्षम प्राधिकारी सहायक कायुकर आयुक्त, (निरीक्षण) **धर्जन रेंज, हैर**राबाद

तारीख: 5-5-1980

माहरः

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर घिवित्यम, 1961 (1981 का 43) की बारा 269-च (1) के घंधीत सूचता

मारत सरकार

कार्याजय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 5 मई 1980

म्नार० ए० सी० नं० 78/80-81----यतः मुझे के० के० बीर. आयक्तर भ्रिधनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जनत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 25,000/- घ्यये से प्रधिक श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 160, है, जो सरवे नं० 117, 118, बाकारम ., हैदराबाद में स्थित हैं (श्रौर इससे छपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनाक सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे क्रुप्यमान प्रतिकत का पन्द्र प्रतिशत से श्रधिक है भीर धरतरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों), के बीच पेसे अन्तरग के तिए तथ पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर धन्तरण निधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उकत भाकि-नियम के भाभीन कर देने के भाग्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अंतः, सब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:--- श्री बलूरी नरसीम्मा राऊ,
 2-14-137, शंवामला नगर, गुन्दूर।

़ (भ्रन्तरक)

 श्रीमती घरमाभाई पति बालाजी प्रसाद कलीलवाड़ी, नैजामाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के <mark>मर्ज</mark>न के निए कार्यवाहियां करना हूं।

उनत पमाति के पर्यंत के सम्बन्ध म कोई मी प्राक्षेत :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनकद्ध किनी प्रन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जान केंगे।

स्वध्वीकरण: --इमम प्रवृत्त सन्दों श्रीर पदों का, जा उत्तर प्रिक्षित नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही प्रवेहोगा, जो उत्तर प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 160 सरवे नं० 117, 118, 130, 131 **ग्रौ**र 138, बाकारम हैवराबाद में विस्तीर्ण 450 वर्ग यार्ड, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5377/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त,(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-5-1980

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ व्स॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के घन्नीत सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्नायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाव

हैवराबाद, दिनांक 5 मई 1980

निर्देश सं अपार ० ए० सी० नं ० 79/80-81 — यतः मुझे के० के० वीर भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-सा के मधीन समाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सन्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वपये से मधिक है भौर जिसकी सं० 3-5-100 बीघा है, जो नारायनगुड़ा, हैदराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रघिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्प्रति के छाचित बाजार मूल्य से कम के दुरसमान प्रातिकल के लिए भन्तरित की गई है पीर मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उ।चत बाजार मृत्य, उसके वृत्रयमान प्रतिकल से ऐसे वृत्रयमान प्रतिकल का पश्द्रह प्रतिशत से मधिक है और धन्तरक (भन्तरकों) घोर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एक प्रनारम के लिये तप पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य म उत्तर प्रन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से हथित तहीं हिया गया है :--

- (क) अन्तरण स हुई किना भाष की वाबत, उक्त भाषिनियम के भन्नीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए;भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आहितयों,
 की जिन्हें भारतीय भायकर शिधनियम, 1922
 (1922 का 11) या उकत शिधनियम, या छन्कर शिधनियम, 1957 (1957 का 27) के
 भयोजमार्थ शन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

खतः अव, उनत अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों अर्थात् ।---

- 1. (1) श्री टी० एन० नरसीम्मा राङ,
 - (2) टी० एकमीनी देवी
 - (3) श्रीलता
 - (4) सुरेका

3-5-100, नारायनगुष्ठा, हैवराबाद।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री जी० बन्सीधर
 - (2) जी० शी० श्रीदर
 - (3) जी० शशीदर रकवाला पिता है 15-5-677 आशीक बाजार, हैवराबाद। (म्रन्तरिसी)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्बन्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी धार्लेप !---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी ब से 45 विन की धवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की दारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवब किसी अन्य व्यक्ति दारा अधीह्दताक्षारी के पास लिकित में किए जा सकते।

अनुसूची

घर का पिछला भाग, बाग नं० 3-5-100 विस्तीर्ण 463-25 वर्ग यार्ड, नारायनगुडा, हैवराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5230/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रर्जन रेंज, हैं दराबाद

तारीख: 5-5-1980

मोहर ३

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, हैदराबाय हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1980

निदेश संब्ह्यारव्एव्सीवनंव 80/80-81—यतः मुझे, केव्केव्वीर, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित् जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 3-6-22 है, जो हैवरगुडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिक्षिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास किरने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित महीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- श्री सैयद युसुफ झली घौर दूसरे
 3-6-107, हीमायत नगर, हैदराबाद।
 (धन्तरक)
- श्रीमती शहीन हुसैन पति भहमद ईब्रायीम हुसैन,
 3-6-361/10, हिमायत नगर, हैवराबाद।
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्यीकरणः — इसमें त्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

धर नं॰ 3-6-22 का विभाग हैवरगुडा, हैवराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज, नं॰ 5569/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैवराबाद में।

> के • के • वीर सक्षम मधिकारी सहायक प्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख। 5-5-1**980 मोहर:

प्ररूप धाई० टी• एन० एस०---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 16 मई 1980

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० 123/80-81—यतः मुझे, के० के० वीर.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्न प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से अधिक है

भौर जिसकी सं० जमीन 154/2/155/2, 156/2 है, जो कोकापेट, गांव में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद बेस्ट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पखह प्रतिशत से स्रधित है और सन्तरक (सन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तियक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उक्त ग्रधि-मियम के ग्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में ज़ुविका के जिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूत, भ्रब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयीत्: ——

- श्री एम० ए० क्यूम पति एम० ए० जबार 54, बल्लागुट्टा, सिकन्दराबाद।
 - (भ्रवतरक)
- श्री एम० वी० मल्लीकार जुनाराऊ,
 पिता पूरना चन्द्राराऊ
 8-83, सन्त नगर हैदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति] के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में प्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में शित-वद्ध किसी व्यक्ति द्वारा श्रक्षोहरूनाकरी के नास लिखित में किए जा सकेंगे।

रणब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो सकत अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी जमीन सर्वे नं० 154/2, 155/2, 156/2, विस्तीर्ण 4 एकसं, 25 गुन्टा, कीकापेट गांव, रनगरेश्की, जिला रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2240/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में।

के० के० बीर सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-5-80

प्ररूप आई• टी• एन• एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 16 मई, 1980

निर्देश सं० त्रार० ए० सी० न० 124/80-81---यतः मुझे के० के० वीर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० 10-2-1 है, जो विजय नगर, कालोनी, में स्थित'है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन विनाक सितम्बर, 1979

को पृथिभन सम्पत्ति के उचत आजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर (अन्तरिकों) पौर यन्तरिती (अन्तरितयों) के बील ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित्तत उद्देश्य से उक्त प्रकारण लिखित में वास्तविक कथ से कथित नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भागकी बाबत उक्त अधि-ियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर भ्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अखिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था छिप ने में सुविधा के न्तर,

अतः, अब, उन्त अधिनियम की धारा 269 म के सनु-सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269 मा की उनधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् 12--17---96 GI/80

- श्रीमती सालीमोनीसा बेगम, पति ग्रहमद मोहीनूदीन 12-1-331/50, दत्ताल्लेय, कालोनी, हैदराबाद। (भ्रन्तरिक)
- श्री मोहस्मद श्रब्दुल रहमान
 (2) एम० ए० सलीम
 17-8-606, पर्तेयार कान बाजार, हैदराबाद।
 (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उपन सम्वति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घालीप :---

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी भविध बाद में समाब्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (अ) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज ने 45 दिस के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पढदीसरण:--स्पर्ने प्रयुक्त ग्रन्थों और पर्यो का, जो उक्त पिछ-नियम के प्रच्याव 20-क में परिचाचित्र हैं, बही अबंहोगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

धमुसूची

धर न ० 10-2-1, विजय नगर काक्षोनी, हैदराबाद , रजिस्ट्री दस्तावेज, नं० 2570/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में ।

> के० के० वीर, सक्षम घिषकारी, सहायक श्रायकर घायुक्त (निरीक्षण), श्रजैंग रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-5-1980

प्र**क्ष** साई • टी • एग • एश • ~~

अध्यक्तर प्रशिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा

269-भ (1) के समीत स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (गिरीक्रण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 16 श्रप्रैल 1980

स० प्रारं० ए० ती० नं० 125/80-81-यत: मझे के०के० बीर प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें छग पश्चान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के सधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रक्षिक हैं और जिसकी सं० 18-12-474/3 है, जो जन गमपेट, हैदराबाद में स्थित हैं (प्रोरं इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय

के ग्रधीन दिनाक सितम्बर, 1979
को पूर्वोक्त सम्पति के उधित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पस्त्रह
प्रतिणत से ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती
(श्रम्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया,
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रम्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

श्रजमपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908क 16)

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, खक्त ब्रिजियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या प्रस्त प्रास्तियों की, जिन्हें भावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रस्ट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के किए;

जतः धन, उत्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, में, छत्र बिधिनियम की बारा 269-म की उक्धारा (1) के प्रजीत, जिम्मनिखित व्यक्तियों, जबति :--

- 1. (1) श्री रतनजाल
 - (2) बौरी बाई पति राम बलब
 - '(3) एम० बाल रेड्डी
 - ं (4) सी० पेनटय्या
 - (5) एम० यादरेड्डी
 - '(6) एम० मनय्य
 - (7) एम॰ पदमावती

(ग्रन्सरक)

 मैसर्स श्री रागवेनदर रैस मील पार्टमर: श्री पी० बाल रेड्डी 18-2-474/3, जनगमपेट हैचराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी झरके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्वेकाहियों सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजान के सम्बन्ध में कोई भी आखीर !--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की धविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मवधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर क्षत्रत स्वाक्त सम्पत्ति में दितवड़ सिसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा, क्रकोहस्ताक्षरी के पस्स निकार में किए जा सकेंगे।

स्पुच्छीकरण:---इतमें प्रयुक्त शब्दों घीर पर्वो का, को स्थत प्रधितियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी सर्च होता, जो उस शब्दाय में विधा गया है।

प्रमुस्ची

रैस मील भीर शेष, धर नं० 18-2-474/3 जनगमपेट, हैदराबाद एजिस्ट्री दस्ताबेज नं० 2769/79 उप रजिस्ट्री कार्यावव, अजमपुर, में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 16-5-1980

प्रकर प्राईं ही। एनं एतं -----

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-व(1) के प्रधीन क्वां

भारत सरकार कार्यालय, सहामके ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैयराबाद, दिनांक 16 मई 1980

सं० आर० ए० सी० नं० 126/80-81---यतः मुझे के० के० वीर्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उम्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकार को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से ग्राधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 4-3-83 ता० 85 है, जो गसमनडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन विनाक सितम्बर, 79

की प्रवेशित सम्पत्ति के उधित बागार महय से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझें यह विश्वाम करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं लिया गया है:—

- (क) धन्तरण से धुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रक्षि-नियम के भ्रष्ठीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंधा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !--

- 1. (1) भी ग्रकरमकान
 - (2) बी० बी० बेगम,
 - (3) मलीकाबानु, बेगम

धर नं॰ 3-2-72 तमामको मोतीमारकीट, काछीगड, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री वी० लशमय्या
 - (2) पी० प्रष्ठस्या
 - (3) पी० स्नर्भस्या
 - (4) पी० मावय्या
 - (5) पी० जेनद्रस्या
 - (6) जी० पी० ए० सुद्रशन,
 - (7) पी० प्रभाकर तमाम का धर नं० 5-1-531 घास मन्डी,

सिकन्दराबाद । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के मिए कार्यवाक्षियों करता हैं।

उत्त सम्वति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूला के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इसं सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्ववदीकरण:—-इमर्ने प्रयुक्त शंक्यो भीर पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित है, वही सर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में विया गक्त दैं।

अनु संची

घर का नं० 4-3-83, ता० 85, जानदकान छली, हाल स्ट्रीट, घास मन्डी, सिंकन्दराबाद, रिनस्ट्री वस्तावेज, नं० 2207/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

ना**रीख** 16-5-1980 **मोहर**ः प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदरबंद, दिनांक 16 मई 1980

7-3-4-10-10-01 - 7-3-3

स्रारः ए० सी० नं० 127/80-81- - यतः मुझे के० के० वीर भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रू. से अधिक है

स्रोर जितको सं 1-125 है, जो पतेनगर, हैदराबाद में स्थित है (और इसन उनाबद अनसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रोक्त आधानारी के कार्यालय हैदराबाद वैस्टमें रिजस्ट्रीकरण श्रीविनयम, 1908 (1908 का 16) के स्राधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निल्लित में वास्तिवृक्ष कप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अभीन, निस्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- श्री घमन वीरव्या घर नं० 4-4-44
 गनज बाजार, सिकन्दराबाद ।
 - (2) डी॰ बाल राज, 1-120- पतेनगर, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती पी० लक्ष्मस्य पती पी० वेनकटेशस,
 नं० 1-120, बीबी नगर, भोनगीर, नलगोन्ड, जल ।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकरेंगे।

स्पन्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनसूची

धर नं० 1-125, पत्तेनगर गाऊ, कर्यालय हैदराबाद वेस्ट में। रजिस्ट्री धस्तावेंज नें 2303/79 छप रजिस्ट्री कर्यालय हैदराबाद वैस्ट में।

> कें० कें० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-5-1980

प्रस्य बाई० टी॰ एन॰ एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ (1) के धनीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 16 मई 1980

ग्रार० ये० सी० नं० 128/80/81—यतः मुझे के० के० वीर आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधान्यम, 1961 (त्रिक्ष का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधान्यम, 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- वपये से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० 5-1-709 है, जो तुरूप बाजार, हैदराबाद में स्थितं है (ग्रीर इससे उपाबद अनुस्वी में ग्रीर जो पूर्णस्प से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितप्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काशार मूल्य से कम के तथ्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने आ कारण है कि अयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐपे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धि प्रतिशत असिक है और मन्तरक अन्तरकों। और अन्तरिति क्रिं प्रतिकत से के निए तय पाया गया प्रतिक कर निम्नलिकत उद्देश्य से उक्त सन्तरण विकास में बास्तविक का व कथित नहीं निया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी माम की ∮वाबत, सकत श्रांति-निमम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दासिस्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अण्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर भिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधानन्तर्य अग्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, एका अधिनियम की धारा 269-थ को उपसारा (1) के अघोंन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1 श्री सुमत क्रुष्णास्थामी पिता में (अन्तर्क कृष्प्रास्वामी, धी० पी० ए० पिता है, 6-3-853/1, बेगमपेट हैदराबाव।

(झग्तरक)

2 श्रीमती ग्रन्सुय्या पत्नि एन० वी० बद्रथ्या, घर नं० 3-5-386 हिमायत नगर, हैवराबाद । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिखाया है।

अमुसूची

घर नं० 5-1-709 सुरूप गाजार, हैवराबाव राजिस्ट्री वस्तावेज नं० 5555/79 उप राजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाव में।

के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 16-5-1980 मोहर:

हे

(ग्रन्तरक)

प्ररूप प्राई० टी ० एवं० एस०---

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालये, सहायंक भ्रायंकर भागुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबद, दिनांक 16 मई 1980

म्रार० ए० सी० नं० 139/80-81---यतः मुझै के० के० वीर भायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-रुपये से ग्रधिक बाजार मृत्ये श्रीर जिसकी सं० 6-3-668/15 है, जो पनजागहा हैवराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबक अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से र्वाणत है) रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के किए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उन्त प्रतर्ग लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या ब्रम्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त श्रिक्षित्रम, या धनकर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ब्रग्तरि द्वारा प्रकट नहीं किया गयस था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिक्स के लिए;

भ्रतः, भ्रव, उक्त भ्रष्ठिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, मैं, उक्त भ्रष्ठिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर निम्नितिका व्यक्तियों, प्रयों :---

- 1 श्री एन० वेंचा रेड्डी पिता मल्ला रेड्डी,
 - (2) ग्रीर पूसरे 6-3-708 पनजागुहा, हैदराबाद ।

2 श्री मेगनात गौड, एस० 5-1-661, तुरूप बाजार, हैवराबाद। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रश्रंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सुवना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी वासे 45 दिन की समित या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी वत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मत्ति में हितवन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त मध्यीं ग्रीर पदों का, जो उकत ग्रध-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा,जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट का जमीन नं० 6-3-668/15 पनजागुटा, हैदराबाद 440 वर्ग यार्ड, कम पौनड दीवार रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2589/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (मिरीक्षण) मर्जान रेंज हैदराबाद

तॉरी**खें** 16-5-1980 मोहर: प्ररूप नाई. टी. एम. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायां लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैक्राबाद

हैदराबाद दिनांक 16 मई 1980

म्रार० ए० सी० नं० 130/80-81—यत: मुझे के० के० वीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 12-2-419/ए/7 है, जो ग्रालपाटी नगर, गडीन-लकापुर में स्थित है (ब्रौरइससे उपाबद प्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से बाणत है रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपरित के जिन्नत बाजार मूल्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्बरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के किए तम पामा गया प्रति-फ्ला निम्निक्ति उद्वोद्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आप का किसी धन या अन्य आस्तियों करे, किस् भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण जों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधास (1) के अधीन, निस्तुलिखित व्यक्तितमों सुधातः— 1 भी अवडास नाराधन तरक

धर नं ० 11-2-806 नामपस्ली, हैवराबाद

(ग्रन्तरक)

2 श्री ए० सिंबाराम 12-2-419/4/7 अलापाटी नगर, गुडीमलका पुर, हैदराबाद

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की श्वविध, जो भी श्वविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकासन की तारिक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्चत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर नं ० 12-2-419/9/7 प्रासायस्टीवगर, गुडीमलकापुर हैदराक्य, राजिस्ट्री वस्तावेज नं ० 2527/79 जम राजिस्ट्री कार्यालय कैरलाबाद में ।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जम रेंज, हैदराबाद

नारीज 16-5-1980 मोहर:

प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 मई 1980

न्नार० ए० सी० नं० 131/80-81—यत: मुझे के० के० बीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तिः जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकीं सं० 10-4-43/4/ए० है, जो हुमायुन नगर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम को रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अस्से ब्युने में सुविधा के लिए; जीए/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अ्व, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के स्भीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः—-

- 1 (1) श्रीमती श्रकारितसा बेगम
 - (2) महमद भन्युल हमीद 10-4-43/4, हुमायुण नगर, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

- 2 श्री महमद हमीद हुसेन,
 - (2) महमद मसुद हुसैन, घर नं० 5-9-209/1, धीरागली लेन, हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप.---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तक्री ह ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक³गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्थी

घर नं० 10-4 43-4/ए, हुमायुन नगर, हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 5291/79 में रिजस्ट्री कार्यालय हैवराबा व में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-5-1980

प्ररूप आई ० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैवराबाद

हैदराबाद दिनांक 16 मई, 1980

है आर० ए० सी० नं० 132/80-81—यतः मुझे के० के० वीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

धौर जिसकी मं० सरवे नं० 390 है जो कानजारा हिल्स में स्थित है (ग्रौर इसभे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——
18—96GI/80

अधि सी० एच० मूर्यप्रकाश पिता मी० एच० भ्रनुमय्या भ्रौर दूसरे मदिरा कममम जिला।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती यू० ललीतामबा पति शेशजुलम, बालानगर, राऊ, सगरेड्डी जिला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के टिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 390 विस्तीर्ण 1143 वर्ग यार्ड है बनजारा हिल्स पर है । हैदराबाव रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5781/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 16-5-1980

प्ररूप आहु ० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 मई, 1980

ग्रार० ए० सी० नं० 133/80-81—यतः मुझे के० के० बीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का ग है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

श्रौर जिसकी सं० कुली जमीन हैं जो बनजारा हिल्स हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबन्न श्रमुष्ती में श्रौर जा पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए; अरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

कुमारी डी० रीना राऊ, पिता डी० जे० राऊ,
 8-2-120/76, रास्ता नं० 6, बनजारा हिल्स,
 हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्री जी० वेनकट राम रेड्डी, पिता गंगा रेड्डी नया बाका रम, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जांभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में रिशायित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्वी

कुली जमीन प्लाट रास्ता नं० 2 बनजारा हिस्स सेकपेट राऊ, हैदराबाद में रजिस्ट्री दतसावेज नं० 2595/79 उप रजिस्ट्री कार्याक्षय कैरतालाद में ।

> के० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख ; 16-5-1980

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० -

आयुकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 16 मई 1980

निवेश सं० ग्रार० ए० सी०नं० 134/80-81—यतः मुझे के० के० विर

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/ रु॰ से अधिक हैं.

श्रीर जिसकी सं० 6-3-597/9 है, जो श्रानन्द नगर, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिणस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय कैरताबाद मे रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान, प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से शुर् किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः—

श्रीमती ई० पदमावती, कवल
 186भ्र वेस्ट मरिडपली सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरक)

 वी ग्रानन्दा किम्बियन थिओलाजीकल, कालेज, जिस को ग्रिधिकारी पी० बीकटर , प्रेम सागर, टेनकबनड के नीचे, सिकन्दराबाद में।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पाक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुसुची

धर नं० 6-3-597/8, बीर्स्तन 470 वर्ग यार्ड, सर्वे नं० 863 में है, ग्रानन्व नगर, कालोनी, हैवराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2630/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में ।

के० के० वीर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 16-5-1980 मोहर: प्ररूप आई० टी एन० एस०--

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 मई 1980

म्रार० ए० सी० नं० 135/80-81—यतः मुझे के० के० बीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिसका जिस बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

स्रोर जिसकी सं० 405/एम-7 है, जो सनजीवारेड्डी नगर, हैदराधाद में स्थित है (श्रोर इससे उपायद्ध प्रनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्ने में सुविधा के सिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिधा के लिए;

श्रीमती कैरुमीसा बेगम पति सस्वर्गीय महमद याकृब
 242/3, श्रार० टी० विजय नगर, कालोनी,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती माबी जन्नीसा कादर
 242/3, स्नार० टी०, विजय नगर कालोनी,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकींगे।

म्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

गर नं० 405/एम-7-(एम नं० 7-1-621/333) सन्जीवा रेड्डी नगर, हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 2629/79 उप रिजस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में ।

कें० के० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक<u>र</u> आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, **है**दराबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्निलिख्त व्यक्तियों, स्थातः —

तारीख: 16-5-1980

प्ररूप आह^र्टी. एन एस .-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 मई 1980

स्नार० ए० सी० नं० 136/80-81—यतः मुझे के० के० वीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपहित् जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 8-4-369, 377, 378, है, जो चेरागड़ा, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का किरण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नृहीं किया गया था विकया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ अथित्ः—

- 1. (1) श्री पी० बीट्टेल गुप्ता
 - (2) राम लक्ष्मी
 - (3) श्री राम निवास महाराज वानन, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री रंग प्रभाकर गुप्ता किशनगंज, हैदराबाद
 - (2) नशन वेंकटय्या भोनगीर निवासी,
 - (3) रमण सुधाकर गुप्ता, भोनगीर

84-369, 377, 378 येरागडा, हैवराबाद (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अनुसूची

घर मं० 8-4-369, 377, 378 घीर प्लट चेंरागड्डा, हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज न० 2573/79 उप ्रजिस्ट्री कार्यालय, कैरताबाद में ।

> कें० कें० वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 16-5-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

भाय लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 मई 1980

म्रार० ए० सी० नं० 137/80-81—यत: मुझे के० के० वीर नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 8-2-502/1/ए/1 है, जो बनजारा हील्स, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निम्मलिखित में वास्तिवक कम से कथित नहीं किया गया है क्रि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसुसे बचने में सुविधा के लिए; बीड़/या
- (ख) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नित्वित् व्यक्तियाँ सुधात्:—

- 1. (1) श्रीमती कुसुम भारती
 - (2) सतीश चन्द्रा
 - (3) सुधीर चन्द्रा, तमाम का घर 8-2-503, बनजारा हिल्स, रास्ता नं० 7, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

- (1) श्री रादा एम० शास्त्री,
 - (2) श्रनन्था शास्त्री,
 - (3) राम चन्द्रा शास्त्री तमाम का धर $8-2-502/1/\sqrt[4]{U}$ बनजारा हिल्स, हैवराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० $8-2-502/1/\sqrt[3]{1}$, बनजारा हील्स, रास्ता ॄनं० 7, रदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2513/79 उप रजिस्ट्री कार्याक्षय कैरताबाद में

के० के० बीर

सक्ष्म प्रविधकारी सहायुक आयुकर आयुक्त, (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-5-1980

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.)

(CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION)

New Delhi, the 17th May 1980

No. PF/S-242/73-Ad-I.—Shri Santosh Kumar Lahiri, an officer of West Bengal State Police on deputation to C.B.I. as Inspector of Police, has been relieved of his duties in the C.B.I., E.O.W., Calcutta Branch on the afternoon of 30-4-1980 on repatriation to the West Bengal State Police.

Q. L. GROVER Administrative Officer (E) C. B. I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 16th May 1980

No. O.II.45/77-Estt.—Consequent on his repatriation to his parent State of Orissa, Shri N. Swain IPS relinquished charge of the post of IGP Sector II, CRPF Calcutta on the afternoon of 16th April, 1980.

The 19th May 1980

No. O.II.257/69-Estt.—Consequent on his retirement from Government service Shri Jai Narain Singh relinquished charge of the post of Deputy Supdt. of Police 27 Bn., CRPF, on the afternoon of 31-1-1980.

No. O.II.1464/80-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. K. Gnanasekharan as Junior Medical Officer (GDO; Gd-II) in the CRP Force on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 1st May 1980 for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II.1466/80-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri I. B. Negi, an IPS officer of U.P. Cadre as D.I.G. in the C.R.P.F.

2. Shri Negi took over charge of the post of Deputy Director, ISA, CRPF Mount Abu, at Delhi on the forenoon of 5th May 1980.

K. R. K. PRASAD Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 15th May 1980

No. 10/36/79-Ad.I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Ishwar Chandra Agrawal as Research Officer (Social Studies) in the Office of the Registrar General, India. New Delhi, in temporary capacity, with effect from the forenoon of 23rd April, 1980, until further orders.

2. The headquarters of Shri Agrawal will be at New Delhi.

No. 10/4/80-Ad I—The President is pleased to appoint Shri A. P. Gunta. Console Operator in the Office of the Registrar General. India New Delhi, as Assistant Director (Programme) in the same office, on a purely temporary and ad-hochasis for a period of one year with effect from the forenoon of 22nd April, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

- 2. The headquarter of Shri Gupta will be at New Delhi.
- 3 The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon Shri Gupta any claim to remilar appointment to the grade of Assistant Director (Programme). The services rendered by him on ad-hoc basis will not be counted for the murpose of seniority in the grade nor for the elicibility for Promotion to any next higher erade. The above-mentioned ad-hoc appointment may be reversed at any time at the

discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi-2, the 21st May 1980

No. Admn.I/O.O. No. 100.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri Avtar Singh, a permanent Audit Officer of this office presently on foreign service with Indian Council of Historical Research, New Delhi will retire from service of the Government of India with effect from the afternoon of 31-5-1980.

His date of birth is 5-5-1922.

Sd. ILLEGIBLE Joint Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 19th May 1980

No. 694/A.Admn./130/79-80.—On attaining the age of superannuation Shri M. A. Barkat, officiating Audit Officer of the Audit Department, Defence Services, retired from service, with effect from 30th April, 1980 (AN).

K B. DAS BHOWMIK Joint Director of Audit, DS

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS

AND EXPORTS

New Delhi, the 17th May 1980

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/155/54-Admn.(G)/2979—On attaining the age of superannuation Shri O N. Anand an officer officiating in Grade I of the Central Trade Service relinquished charge of the post of the Joint Chief Controller of Imports and Exports in this Office on the 30th April, 1980 (Afternoon).

P. C. BHATNAGAR Dv. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALI SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 29th April 1980

No. A-19018(140) /74-Admn.(G) —The President is pleased to appoint Shri M. L. Tandon on his reversion from the nost of Associate Faculty Member in the Small Industry Extension Training Institute, Hyderabad as Assistant Director (Gr. I) (Economic Investigation/Production Index) in the Small Industries Service Institute Rombey with effect from the forenoon of 6th March. 1980, until further orders

The 15th May 1980

No. A-19018(464) 179-Admn (G)—The President is pleased to appoint Shri Debaish Mukherice as Assistant Director (Gr. J) (Metallurgy) in the Small Industries Service Institute,

Cuttack, with effect from the forenoon of the 19th March, 1980, until further orders.

M. P. GUPTA Deputy Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 16th May 1980

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, add the following, namely:

Under Class 2-NITRATE MIXTURE

 add "KELVEX-90, KELVEX-210, KELVEX-220, KELVEX-600, KELVEX-650 and 'KELVEX-P for' carrying out trial manufacture" before the entry "MAR]NEX G1".

Under Class 3-Division 1

2. the figures "31-3-1980" appearing in the entry "WELL BLAST GELATINE" shall be substituted by the figures "31-3-1981".

I. N. MURTY
Chief Controller of Explosives

DEPARTMENT OF SUPPLY DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Admn. Section A-6)

New Delhi, the 13th May 1980

No. A.17011/12/71-Vol.II.—The President is pleased to accept the resignation of Shri R. K. Gupta, Inspecting officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Engg. Branch) in the office of DDI, Bangalore under Madras Inspectorate from Government service w.c.f. 29th August, 1978.

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)
For Director General of Supplies & Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Ca'outta-700016, the 13th May 1980

No. 3436/A-32013(4-Driller)/78-19B—The following Senior Technical Assistants (Drilling) in the Geological Survey of India are appointed on promotion to the post of Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the date as mentioned against each, until further orders:—

SI. No	Name			 Date of joining
2. 3.	Shri Jyotlrmoy Das Shri S. L. Taneja Shri A. C. Biswas Shri M. R. Sarkar	-	- -	19-1-80 (FN) 14-1-80 (FN) 14-1-80 (FN) 14-1-80 (FN)
	Shri H. M. Nautiyal			29-1-80 (FN)

V. S. KRISHNASWAMY

Director General

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 14th May 1980

No. E-5623/579-Sel.74(Cl.I).—In continuation of this office Notification No. El-5616/579-Sel.74(Cl.II), dated 10th

April, 1980, the ad-hoc appointment of Shri J. M. Sharma, Officer Surveyor in Group 'B' Scrvice, is further extended for a further period of six months w.e.f. 30-3-1980 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. F1-5624/698/Map Curator.— Shri A. B. Sarkar, Superinendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Map Curator (G.C.S. Group 'B') on transfer on deputation in Eastern Circle Office, Survey of India, Calcutta in the scale of pay of Rs. 550-25-750-EB-30-900, with effect from the forenoon of 7th April, 1980 till further orders.

No. C.5625/718-A.—Shri S. N. Subba Rao, Office Superintendent (Sr. Scale), C.S.T. & M.P. is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on ad-hoc basis in Survey Training Institute, Survey of India. Hyderabad in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 16th April, 1980 (FN) vice Shri K. V. Krishnamurthy, proceeded on leave.

The 16th May 1980

No. C-5626/718-A.—Shrl J. P. Chopra, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post in North Western crole office, Survey of India, Chandigarh in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 31st March, 1980 (AN) vice Shrl J. K. Sharma, Establishment and Accounts Officer retired on superannuation.

K. L. KHOSI A Major General Surveyor General of India

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 29th April 1980

No. 2(28)/61-SII.—Shri G. N. Srivastava has relinquished the charge of the post of Scnior Administrative Officer on his retirement on superannuation with effect from 30-4-80.

S. V. SESHADRI Deputy Director of Administration

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 6th May 1980

No. 13-10/75-Admn.I.—Consequent on her transfer to Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi, Dr. (Smt.) Manjeet Kaur assumed charge of the nost of Dental Surgeon at the Hospital on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 31st July, 1979.

On her appointment to the post of Dental Surgeon under the Dr. Ram Manchar Lohia Hospital. Dr. (Smt.) Manject Kaur relinquished charge of the post of Dental Surgeon at Central Government Health Scheme, New Delhi on the forenoon of 31st July, 1979.

The 12th May 1980

No A 19019/32/76(IJP)/Admn J—The President is pleased to accept the resignation of Dr. T. K. Bhattacharva, Lecturer in Pharmacology. Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry, from government service with effect from the afternoon of the 9th April, 1980.

The 13th May 1980

No A.12026/26/79-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Kumari Chandra Kumari Arora to the post of Hindi Officer at Lady Hardinge Medical College & Smt Sucheta Kriplani Hospital New Delhi with effect from the forenoon of 18th April, 1980, on an ad-hoc basis and until further orders.

S. L. KUTHIALA Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION (DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION)

Faridabad, the 14th May 1980

No. A 19025/31/78-A-HI.—Shri M. S. Haiba Kosta, Assistant Marketing Officer, has been relieved of his duties in the Directorate at Nagpur with effect from 1-12-79 (F.N.) to join the post of Assistant Manager in the Food Corporation of India, at Gaya (Bihar), on 'Notional Foreign Service'.

The 17th May 1980

No. A-19025/15/80-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Shri T. N. Mehra, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group III) in this Directorate at Kanpur, with effect from 24-4-80 (FN), until further orders.

No A-19025/16/80-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Shri T. A. Narayanan, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group III), in this Directorate at Rajkot w.e.f. 28-4-80 (FN), until further orders.

No. A-19025/22/80-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Shri G. M. Moon, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Bombay with effect from 17-4-80 (FN), until further orders.

The 19th May 1980

No A.19025/25/80-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Shri R. N. Mathur. Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group III) in this Directorate at Jaipur with effect from 29-4-80 (AN), until further orders.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
For Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 13th May 1980

No. iPPED/3(283)/76-Adm./6400.—Director, Power Projects Engineering Division Rombay hereb appoints Shri P. Vasu, a nermanent Upper Division Clerk of BARC and officiating Accountant in this Division as Assistant Accounts Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of May 5, 1980 to the afternoon of June 19, 1980 vice Shri R. K. Harshe, Assistant Accounts Officer proceeded on leave.

B. V. THATTE Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-490001, the 25th April 1980

No. DPS/4/16/17-Adm./6698—The Director. Directorate of Purchase and Stores Department of Atomic Fnergy opnoints the inder mentioned Officers in a substantive capacity against permanent posts of Assistant Stores Officer in the same Directorate with effect from January 25, 1980:—

SI. N No.	ame & Unit	Present Grade	Permanent post held, if any
1	2	3	4
Sto	ri S.L. Date, ore Unit. APS.	Assistant Stores Officer.	Time Scale Clerk in Post and Telegraph De- partment.
2. Shri B. D. Kandnal, NAPP Storos, Narota,		Assistant Stores Officer	<u></u>

The 1st May 1980

No. DPS/21/1(2)/78-Est/6951.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri Dattatray Yashwant Shitut, a permanent Purchase Assistant to officiate as Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of May 1, 1980 in the same Directorate until further orders.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

Madras 600006, the 28th April 1980

No. MRPU/200(18)/80-Adm.—The Director, Directorate of Purchase and Stores appoints Shri B. Dhandapani, a temporary Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad-hoc basis in the Madras Atomic Power Project Stores of the same Directorate with effect from March 28, 1980 (FN) May 3, 1980 (AN).

S. RANGACHARY Senior Purchase Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 7th May 1980

No. PAR-0704/2304,—In continuation of Notification No. PAR-0704/1241, dated 21-2-1980, the Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, has extended the officiating appointment of Shri Bh. L. G. Sastry, an industrial temporary Stenographer (SG) as Assistant Personnel Officer from 4-4-1980 to 5-5-1980, vice Shri V. R. Viayan, APO, proceeded on leave.

U. VASUDEVA RAO Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 3rd May 1980

No. A.32023/1/77/R-5657.—Shri K. M. Velayudhan who was promoted to officiate as Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis from the forenoon of March 5, 1980 vide this Centre's Notification of even number dated 15-3-80 has relinquished charge of the said post with effect from the afternoon of April 9, 1980.

S. PADMANABHAN
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi the 13th May 1980

No. A. 38013/1/80-EC—The Undermentioned two officers of the Aeronautical Communication Organisations relinguished charge of their office on 31-4-80 (AN) on retirement on attaining theage of superannuation:

S. No.	Name & Designation	Station	
1	2	3	
	hri R. K Sichleva, Asstt. echnical Officer	Controller, Cantral Radio Stores, Depot, New Delhi,	
	hri O. P. Tiwary, Asstt., echnical Officer	Radio Constr. & Drv. Units, New Delhi.	

The 14th May 1980

No. A.32013/5/78-EC.—In continuation of this Department, Notification No. A.32013/5/78-EC, dated 6-3-1980, the President is pleased to sanction the continuance of ad-hoc appointment of Shri R. P. Sharma, as Deputy Director of Communication in the Civil Aviation Department beyond 31-12-79 and upto 7-2-80.

No. A. 32013/9/78-EC.—In continu tion of this Deptt-Notification No. A. 32013/9/78-EC dated 30-4-79, No. A. 32013/9/78-EC dated 12th Septembr, 1979, No. A. 32013/9/78-EC dated 2-11-79 the President is pleased to ontinue ad-hoc appointment of undermentioned Assistant Technical Officer to the grade of Technical Officer beyond the dates mentioned against each and upto 30-4-80 or till regular appointments to the grade are made, whichever is carlier:—

S. Name No.	Station of posting	Period of conti- nued ad-hoc appt.	
1 2	3	4	
S/Shri			
1. V.C. Reddy	. A.C.S., Hyderabad	beyond 30-1-80 and upto 30-4-80	
2. C.L. Malik	. A.C.S., Bombay	beyond 31-12-79 and upto 30-4-80	
3. K.N. S. Man	i A,C.S., Madrøs	beyond 31-12-79 and upto 30-4-80	
4. A. Shanmugh	nam A.C.S, Madras	beyond 31-12-79 and upto 30-4-80	
5. K. R. Ramanujam	· A.C.S. Bombay	beyond 31-12-79 and upto 30-4-80	
6. O.P. Chabra	· A.C.S. Palam	beyond 31-12-79 and upto 30-4-80	
7. H.A. Shetty	. A.C.S. Belgaum	beyond 31-12-79 and upto 30-4-80	
8. V.S. Mitra	Radio Constr. & Dov. Units, New Delhi.	beyond 31-12-79 and upto 30-4-80	

No. A.32013/8/79-EC.—The President is pleased to appoint Shri C. D. Gupta, Assistant Technical Officer, DGCA Stocktaking Party, New Delhi to the grade of Technical Officer with effect from 11-4-80 (FN) on ad-hoc basis upto 30-6-80 and to post him in the Office of the Director, Radio Construction & Dev. Units, New Delhi.

No. A. 32013/8/79-EC(Pt)—The 'President is pleased to appoint the following Asst. Technical Officers to the grade of Technical Officer on an ad-hoc basis with effect from the date and station indicated against each and upto 30-6-80 or till the regular appointments are made to the grade whichever is earlier:—

S. No.	Name	Present Stn. of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1	2	3	4	5
S/	Shri			, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,
1. S.	Rajaraman .	A.C.S., Bombay.	A.C.S., Bombay.	16,4-80 (FN)
2. M	I.V. Darbhe	A.C.S., Bombay.	A.C.S., Bombay.	16-4-80 (FN)
3. B.	.K. Dey	RC & DU, New Delhi.	RC & DU, New Delhi.	11-4-80 (FN),
4. N	.S. Sidhu	A.C.S., Palam	CRS., New Delhi.	16-4-80 (FN)
5. R.	S. Sandhu .	CRS Depot, New Delhi.	RC&DU, New Delhi.	11-4-80 (FN)

No. A. 32014/3/79-EC(Pt).-III—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the undermentioned Technical Assistants to the grade of Assit. Technical Officer on

ad-hoc basis with effect from the date indicated against each and to post them to the station indicated against each :—

S. No.	Name	Present station of posting	Stn. to which posted	Date of taking over charge
1	2	3	4	5
s	S/Shri	, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,		
1. F	P.K. Dhingra	RC & DU, New Dolhi.	RC & DU, New Delhi	11-4-80 (FN)
2. F	P.L. Bajaj .	Do.	Do.	11-4-80 (FN)
3. I	3.K. Puri	Do.	Do.	11-4-80 (FN)
	akshman Pallot .	ACS, Madras	ASC, Madras	14-4-80 (FN)
5. I	H.R. Kundra	ACS, New Delhi	ACS, New Delhi	22-4-80 (FN)
6. I	н.м.			,
F	Prabhakar .	ACS, Palam	ACS, Palam	19-4-80 (FN)
7. I	.S. Vedi .	RC & DU., New Delhi	RC & DU, New Delhi	23-4-80 (FN)
8. S	S. Ramaswamy	ACS, Bombay	ACS, Bombay	21-4-80 (FN)
9. I). Krishnaswar	ny ACS, Bombay	ACS, Bombay	19-4-80 (FN)
10. V	,G. Joshl	ACS, Bombay	ACS, ₄ Bombay	17-4-80 (FN)
11. A	A. Ramadoss	ACS, Madras	ACS, Madras	14-4-80 (FN)

The 15th May 1980

No. A.32013/8/79-EC(Pt).—The President is pleased to appoint Shri S. R. Padmanabhan, Assistant Technical Officer, Civil Aviation of Training Centre, Allahabad to the grade of Technical Officer on an ad-hoc basis with effect from 14-4-80 (FN) upto 30-6-80 and to post him at the same station.

R. N. DAS Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 13th May 1980

No. 1/124/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Asa Singh, Superviser, New Delhi Branch as Deputy Traffle Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 2-7-79 to 31-7-79, against short-term vacancy, purely on ad-hoc basis.

No. 1/83/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Verma, permanent Traffic Acountant, Headquarters Office, Bombay as Traffic Accounts Officer, in an officiating capacity, in the same office, with effect from the forenoon of the 1st April, 1980 and until further orders, on a regular basis.

P. K. G. NAYAR Director (Admn.) for Director General

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 16th May 1980

No. 16/196/71-Ests-I.—The President, FRI & Colleges, Dehra Dun, has been pleased to permit Shri P. N. Sharma, Chief Artist in the Forest Research Institute & Colleges, Dehra

Dun to retire from Government service with effect from 29-2-1980 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

R. N. MOHANTY
Kul-Sachiv
Forest Research Institute & Colleges

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION (DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS)

New Delhi, the 18th April 1980

No. A-15/28(626)/77.—The President is pleased to extend the deputation period as OSD (Trg.) of Shrl R. N. Sircar, a Gr. I Officer of Central Secretariat Services, for a period of 6 months beyond 30-1-80 i.e. upto 30-7-80.

K. KISHORE
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF LAW JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Devidas Private Limited

Bombay-2, the 16th April 1980

No. 3700/560(5).—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Devidas Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Chemi-Solv Enterprises Private Limited

Bombay-2, the 16th April 1980

No. 11427/60(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Chemi-Solv Enterprises Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Captain Tourists Services Private Limited

Bombay-2, the 16th April 1980

No. 14987/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Captain Tourists Services Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Star Radio & Engineers Limited

Bombay-2, the 16th April 1980

No. 3641/560(5).—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Star Radio & Engineers Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. B. Byramji Private Limited

Bombay-2, the 24th April 1980

No. 12659/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that the name of M/s. B. Byramji Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Fleet Farms Private Limited

Bombay-2, the 24th April 1980

No. 13622/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Fleet Farms Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. C. GUPTA Asstt. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay

NOTICE UNDER SECTION 445(2) OF THE COMPANIES ACT, 1956

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Glamour Dyeing and Printing Mills (Surat) Pvt. Limited

Ahmedabad, the 14th May 1980

No. 2481/Liquidation.—By an order dated 20-2-1980 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No. 83/78 with company Petition No. 56/79 it has been ordered to be wound up M/s. Glamour Dyeing and Printing Mills (Surat) Pvt. Ltd.

S. SEAL Asstt. Registrar of Companies, Gujarat, Ahmedabad

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Subudhi Traders and Manufacturers Private Limited

Cuttack, the 13th May 1980

No. SO-425/80-528(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Subudhi Traders and Manufacturers Private Limited, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Prasanta Iron & Steel Private Limited

Cuttack, the 13th May 1980

No. SO-480-532(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Prasanta Iron & Steel Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Khurda Halstatanta Silpanusthan Sangha Limited

Cutteck, the 13th May 1980

No. SO-624-(530)(2).—Notice is heriby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Khurda Hastatanta Silpanusthan Sangha Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

D. K. PAUL Registrar of Companies Orissa, Cuttack

Bombay, the 16th April 1980

No. 5470/I iq/560(4).—Whereas M/s. S. N. Kaitonde & Co. Pvt. Limited, having its registered office at Nanabhoy

Mansion, 2nd floor, Sir P.M. Rd., Fort, Bombay-I, is being wound up:

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of subsection (4) of section 560 of the Companies Act, 1956, (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of M/s. S. N. Kaltondo & Co. Pvt. Limited will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

> S. C. KUPTA Asstt. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay

Jullundur, the 12th May 1980

No. G/5000/3062/16/5/80.-Whereas Pioneer Finance Private Limited, having its registered office at 346, Jiwan Singh Road, Amritsar is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable believe that no liquidator is acting, and that The Statements of Accounts (returns) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions section (4) of section 560 of the Companies Act, 1956 (I of 1956), notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of Pioneer Finance Private Limited will, unless cause is shown to the contrary, be stuck off the register and the company will be dissolved.

> Sd./- Illegible Registrar of Companies Punjab, H.P. & Chandigarh

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX (INCOME TAX ESTABLISHMENT)

New Delhi, the 8th April 1980

Subject:—Establishment—Gazetted—Income Tax Officers (Group-B)—Confirmation of.

No. Est.I/C.I.T.(1)/DPC (Class-II)/CONFIRMATION 1978-79/79-80/255.—The undermentioned Income Tax Offi-No. Est.I/C.I.T.(1)/DPC cers (Group-B), who have been found fit for confirmation by the Departmental Promotion Committee, are appointed substantively to the permanent posts of Income Tax Officers, Group-B, in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40 1006-EB-40-1200, with effect from 1st April 1980:— S/Shrl

1. S. P. Singh,

C. R. Syal,

3. M. L. Sabharwal.

The date of confirmation as indicated above is subject to modification at a later stage, if found necessary.

Subject: - Establishment - Gazetted - Promotion of Inspectors to the grade of Income Tax Officers (Group-B).

Est.I/Promotions/L.T.Os(Group-B)/1979-80/1980-81/ 381.—Shri Ram Kishan, Inspector is promoted to officiate as Income Tax Officer (Group-B) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date Miss Glta H. Kriplani Income Tax Officer (Group -A), who has been posted as Under Secretary, Central Board of Direct Taxes New Delhi, hands over,

This promotion is subject to the final orders of the Delhi High Court in CMP 652/W of 1977 in CWP No. 341 of 1977 pending before the court.

Consequent upon his promotion, Shri Ram Kishan, with take over as O.S.D. in the office of Commissioner of Income Tax, Delhi-I, New Delhi, until further orders.

M. W. A. KHAN Commissioner of Income Tax Delhi-1, New Delhi

New Delhi, the 5th May 1980 INCOME-TAX

F. No. Jur-DLI/VI/80-81/3777.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Incometax Act 1961 (48 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax Delhi VI, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Range shall be created with effect from 1-5-80.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Delhi Range-VI-A, New Delhi.

F. No. JUR-DLI/VI/80-81/1681.—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 124 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax Delhi-VI, New Delhi hereby directs that the following incometax Circles shall be created with effect from 1-5-80.

Survey Ward I(1).
 Survey Ward I(2).
 Survey Ward 1(3).
 Survey Ward I(4).
 Survey Ward I(5).

F. No. JUR-DLI/VI/80-81/3991.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-VI, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioners of Income tax mentioned in Col. 1 of the Schedule herein below shall perform all the functions of Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under the said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons of such Incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the I.T.Os of the District/Circles mentioned in Col. 2 of the said Schedule:-

SCHEDULE

Name of the Range

1. Inspecting Assistant Commissioiner of Income-tax, Range-VI-A, New Delhi.

Income-tax Districts/Circles

(i) Trust Circles

(ii) Chartered Accountant Circles (iii) Lawyers Circles (iv) Doctors Circles

2. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Survey Range, New Delhi.

(i) Survey Ward I(1) (ii) Survey Ward I(2) (iii) Survey Ward I(3) (iv) Survey Ward I(4) (v) Survey Ward I(5)

This order shall take effect from 1-5-1980.

S. G. JAISINGHANI Commissioner of Income-tax, Delhi-VI, New Delhi

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th April 1980

Ref. No. 1037-A/Dehradun/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dehradun on 25-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mahesh Prasad through Shri S. P. Kochhar, S/o Shri S. L. Kochhar R/o 52, Rajpur Road, Dehradun Attorney.

(Transferor)

(2) Mrs. Shirin Banerji, Mrs. Amita Baig, Miss Nilakshi R/o 154-A, Rajpura Road, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Att. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Single Storied House Property bearing No. 154 measuring 1693.24 Sq. mtr. situated at Rajpur Road, Dehradun, the sale consideration is for Rs. 1,50,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur,

Date: 15-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st March 1980

Ref. No.970-A/PN/Kanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 26-3-1979

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Raghunandan Prasad Mathur S/o Shri Badri Prasad Mathur R/o 115, Panjabi Pench Dumpia Nagar, Mathura.
- (Transferor)
 (2) Smt. Kishori Devi alias Uma Kali Tripathi
 W/o Shri Budh Dev
 R/o 97/6 Side No. 1, Kidwai Nagar,
 Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 114, Block-Y, Scheme No. 2, measuring 356 sq. yds. situated at Kidwal Nagar, Kanpur-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 21-3-1980

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQ. ISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th April 1980

Ref. No. 1170-A/Budhana/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhana on 15-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Sagir Hassun S/o Mohd. Hassun Shekh R/o Post & Parg: Kandhla, Tch. Budhana, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Daya Ram, Dhan Singh, Bhanwar Singh, Raj Singh and Ram Lal Ss/o Shri Asaram, Kasyap Rajput R/o Atrdi, Post & Parg. Kandhla, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 9 Bigha, 3 biswa situated at Vill. Kaudhla, Teh. Budhana, Distt. Muzaffarnagar.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur,

Date: 19-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th March 1980

Ref. No. 939-A/Delradun/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 4-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jamait Rai S 'o Shri Roop Chand R /o 138, Lakkhi Bagh, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Amitabh Sabharwal (Nabalig) S'o Shri Ram Namin Sabharwal, R/o 384/9, Kolagarh Road, Dehradun through his father.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land Khata No. 26 measuring 4.84 acres situated at Vill. Kuwan Wala, Parwadun, Distt. Dehradun.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

.Date: 18-3-1980

Son :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th March 1980

Ref. No. 916-A/Sikandrabad/79-80.—Whereas, J. B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sikandrabad on 3-9-1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, merefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:— - 20—96GI/80

 Shri Nawab Singh, Manager of Chunni Lal Inter College, Chola Vanchawali, Parg. Sikandrabad, Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

(2) Smt. Girrajo W/o Shri Chhatar Singh S/Shri Ratan Pal and Braj Pal Ss/o Shri Nalawa and Shri Bhikam Singh S/o Shri Devi Sahai R/o Vanchawali, Parg Sikandrabad, Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 109 measuring 5-5-0 Bigha situated at Vill. Vanchawali, Parg. Sikandrabad, Distt. Bulandshahar.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 18-3-1980

Seal t

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th March 1980

Ref. No. 942-A/Dehradun '79-80 —Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the office of the Registering Officer at Dehradun on 4-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Jamipat Rai
 S/o Lala Roop Chand
 R/o 138, Lakkhi Bagh, Dehradun.

(Transferor)

(2) Smt. Durga Devi Samarwal W/o Late Shri Boota Ram Samarwal R/o H. No. 8944, Ward No. 5, Naya Bas, Ambala City.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 6-43 Acres situated at Mauja: Kuwanwala, Parg: Parwadun, Distt. Dehradun.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Kanpur

Date: 19-3-1980

and bearing

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 29th February 1980

Ref. No. 1371-A/Kanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. as per Schedule situated at as per Schedule situated at Arehalli Hobli, Belur Taluk, Hassan District (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 17-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Mangali Prasad Dixit and Smt. Shakuntala Dixit Both R/o 73/27, Collector Ganj, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Kewal Krishna R/o 133/231, Transport Nagar, Kanpur, Shri Narendra Singh R/o 120/72, Lejpat Nagar, Kanpur, Smt. Gur Charan Kaur R/o 90/15, Bagahi, Kanpur. Shri Suresh Kumar Gupta 9/o 90/15, Bagahi, Kanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from he dae of he publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 133/P-I/231 measuring 1618 sq. yds. situated at Transport Nagar, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisting Range, Kanpur

Date: 29-2-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 107, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, NEW DELHI

New Delhi, the 19th May 1980

Rcf. No. IAC/Acq-II/SR-I/9-79/5764.—Whereas, 1, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 468, (built on Plot No. 189-90) situated at Lawrence Road, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s Idco Dyes & Chemicals Pvt. Ltd., through Shri B. R. Nayyar S/o Shri Chuni Lal R/o 8-B Bhagwan Dass Nagar, New Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Synthetic Inter Dye-Chem. Pvt. Ltd., through Shri Gur Parkash S/o Shri Chuni Lal R/o A-9 Bhagwan Dass Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 468, built on plot No. 189-90, measuring 6970 sq. yds. at Lawrence Road, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 19-5-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IJ, ROOM NO. 107, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, NEW DELHI

New Delhi, the 19th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/9-79/5755.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No .6/52 situated at Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Surjit Kaur
 Wd/o S. Sujan Singh
 R/o H. No. 5 Road No. 52, Punjabi Bagh,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Narender Kaur
W/o S. Amar Singh
2. Smt. Sukhwinder Kaur
W/o S. Gurdeep Singh
3. Smt. Bajinder Kaur
W/o S. Balwant Singh
4. Smt. Jagdish Kaur
W/o S. Ajit Singh
R/o B-59, Swami Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 6/52, Punjabi Bagh, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 19-5-1980

SenI:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 107, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, NEW DELHI

New Delhi, the 19th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/9-79/5786.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. D-9, situated at Kirti Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on September, 1979

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Maharani Fashions, through its partners Shri Chander Mohan Sharma S/o Shri Ram Lal Sharma R/o C-18, Kirti Nagar, New Delhi. & Shri Vashdev H. Dadlani S/o Shri Hari Ram, R/o I-113, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Prashad Saria S/o Shri Gopi Ram Saria, R/o I-113, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D-9, Kirti Nagar, New Delhi. 500 sq. yds., 14 storeyed built.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 19-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 107, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, NEW DELHI

New Delhi, the 19th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/9-79/5793.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6/21 situated at Roop Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Daya Singh, 2. Ranjit Singh and 3. Sardul Singh Ss/o Shri B. Sahib Ditta Mal R/o 6/21, Roop Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) S. Surjit Singh S/o Shri B. Sahib Ditta Mal R/o 6/21, Roop Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 undivided share in property No. 6/21, Roop Nagar Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 19-5-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, H-RIOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, **NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 20th May 1980

IAC/Acq-I/SR-III/9-79/1620.—Whereas, I, Ref. No. Mrs. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

XVI/10654.

situated at W.E.A. Karol Bagh, Basti Rehgar Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- (1) Shri Amar Singh s/o Late S. Gurbax Singh, r/o H. No. 7, Part II, Gujranwala Town, Delhi as general attorney of—
 - Harbans Singh,
 - Kuldip Singh, Kartar Singh,
 - 4. Mohinder Singh, sons of S. Sohan Singh, Smt. Darshan Kaur,

 - Smt. Satwon Kaur and
 - Smt. Ajit Kaur daughters of S. Sohan Singh.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Daropadan w/o Amar Singh,
 - Vijender Singh s/o Amar Singh, Smt. Bhupinder Kaur w/o Vijender Singh,
 - Master Raja Narankar, Minor under guardiunship of his father Vijender Singh r/o 7-Gujranwala Town Part II, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building on plot No. 65 in block 4 measuring 260.9 sq. yds. Municipal No. XVI/10654 at W.E.A. Karol Bagh Basti Rehgar, Delhi State Delhi.

Mrs. S. K. AULAKH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 20-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I,
H BLOCK, VIKAS BHAVAN I P FSTATE,
NLW DFLHI-110002

New Delhi, the 20th May 1980

Ref No IAC/Acq I/SR III/9-79/1619 —Whereas I, Mis S & AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

E 4, situated at Hauz Khas Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28-9-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liab, lity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act, to the following persons, namely — 21—96GI/80

 Shii Banaisi Dass Mittal s/o S Chandu Lal, E 4, Hauz Khas Enclave, New Delhi

(Transferor)

(2) Di Mis Devinder Pal, w/o D S Pal, G-48, Green Park, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building bearing No E 4, Hauz Khas Inclave New Delhi

Area 125 55 sq yds

Mrs S K AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dute 20 5 1980 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-79/1616.—Whereas, I Mrs. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

K-85, situated at Huuz Khas Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Lachman Dass, G. Daswanl s/o Late Lala Ganga Ram Daswanl, 11-Chawranghee Lane, Calcutta-16.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kapoor (HUF), Mrs. Renu Kapoor & Sh. Ramesh Kapoor, H-34, Green Park Extension, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. D-85, measuring 368 sq. yds. situated at Hauz Khas Enclave, New Delhi-16.

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 20-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-79/1615.—Whereas, I Mrs. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961, (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. K-117,

situated at Hauz Khas Enclave, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the laibility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometav Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri O. P. Kumar s/o Late Sb. Amar Nath Kumar, Shantipur, Gauhati (Assam) now at R-188, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Daljit Kaur w/o Mohanjit Singh, r/o Flht L, Sagar Apartments, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person Interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant plot No. K-117, measuring 500 sq. yds. in Hauz Khas Enclave, New Delhi.

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dute: 20-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. 1AC/Acq-1/SR-111/9-79/1614.—Whereas Mrs. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

D-10, situated at N.D.S.E. Part If, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri J. M. Trehan s/o C. R. Trehan r/o D-10, N.D.S.E. Part II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bhajan Singh s/o Attar Singh, S. Manohar Singh s/o Atam Singh, through general attorney S. Nirmal Singh s/o Amar Singh, C/o Zenith Saree House, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. D-10, N.D.S.E. Part II, New Delhi measuring 1000 sq. yds.

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dirte: 20-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. 1AC/Acq-I/SR-Π1/9-79/1610.—Whereas I, Mrs. S. K. AULAKH,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. 3400/3401,

situated at Bagichi Habib Bux, Pahargranj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

 Smt. Kamla Rani w/o Madho Lal, r/o 3400, Bagichi Habib Bux, Paharganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Mahawur Vaish Sabha, 10506/1, Bagichi Habib Bux, Paharganj, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3400/3401 area 113 sq. yds. Bagichi Habib Bux, Paharganj, New Delhi.

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dute: 20-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramesh Lal s/o Kanwar Bhan, r/o 320, New Rajinder Nagar,

New Delhi.

New Delbi.

Smt. Swaran Kapoor w/o Harivans Kapoor,

Lessee of Property No. 320, New Rajinder Nagar,

(Transferee)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th May 1980

IAC/Acq-I/SR-III/9-79/1608.—Whereas No Mrs. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

320, situated at New Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of -45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 320, New Rajinder Nagar, New Delhi.

Mrs. S. K. AULAKH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 20-5-1980

(1) Shri Mr. T. N. Sood and others, 25/60, Gandhi Nagar, Agra.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-79/1606.—Whereas I, Mrs. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair maket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-202, situated at Defence Colony, New Delhi

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Hara Singh & Smt. Sant Kaur, A-128, Fatch Nagar, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. D-202, Defence Colony New Delhl.

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 20-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-1/SR--III/9-79/1605.---Whereus I Mrs. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D-3/8, situated at Vasant Vihar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert yas aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri R. L. Wadhwani S/o Shri Lekh Raj Wadhwani R/o H-318, New Rajinder Nagar, New Delhi.
 (Transferors)
- (2) Shri Krishnamurthy Chandra & Shri Krishnamurthy Jaykar, both sons of Sh. V. Krishnamurthy, r/o 70/1, M K.G. 1st Avenue, Ashok Nagar, Madras, Stationed at New Delhi.

(Transferees)

(3) Shri J. C. Mikkelson, D-3/8, Vasant Vihar, New Delhi.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. D-3/8, Single Storey measuring 600 sq. yds. situated at Vasant Vihar, New Delhi.

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dute: 20-5-1980

FORM HINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(!) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

SOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BI OCK, VIKAS BHAVAN, J.P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-79/1603.—Whereas J, Mrs. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R-644, situated at New Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

New Delhi on September, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely:—
22--96GI/80

 Shri S. S. Gill s/o Ram Lok Gill, r/o R-664, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Manohar I al Makkar s/o Rup Chand and Shri Ashok Kumar s/o Sunder Dass r/o 5102, Sirki Walan, Hauz Qazi, Delhl. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Fromerty No. R-644, situated in New Rajinder Nagar, New Delhi.

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 20-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. IAC-Acq-I/SR-III/9-79/1600.—Whereas Mrs. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 161,

situated at Saraswati Marg, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ajanta International,
 62, Babar Road, New Delhi,
 through partners Shyam Gupta,
 Krishna Sharma and Smt. Krishna Rawal.
 (Transferor)
- (2) M/s Rajiv Verma & Sanjiv Verma, 162, Saraswati Marg, Karol Bagh, New Delhi, through its partners Rajiv Verma and Sanjiv Verma.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

THE SCHEDULE

Shop No. 161 (Ground Floor) measuring 16.43 sq. meters Municipal Market, Saraswati Marg, Karol Bagh, New Delhi.

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 20-5-1980

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MSSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-79/1599.—Whereas, I, Mrs. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R-7, situated at Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Swaran Kumarı w/o Gurcharan Lal and Smt. Ram Piarı w/o Maqsudan Lall, 24/2, Shakti Nagai (Subzi Mandi) Delhi. (Transferors)
- (2) Shri S. C. Dua as Karta of M/s. Khairati Lal & Sons HUF IV/N/27-28, Lajpat Nagar, Double Storey, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. R-7, measuring 205 sq. yds. Green Park, New Delhi.

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 20-5-1980

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK. VIKAS BIIAVAN, New DELHI

New Delhi-110002, the 20th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-79/1598.—Whereas I, Mrs. S K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a f air market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
M-20, situated at N.D.S.E. Part II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1979,

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Bhupinderjit Kaur Lamba W/o Sh. Jagji Singh Lamba 3-B, Ajanta Apartment, 10-Gurusaday Road, Calcinta-19.

(Transferor)

 M/s. Straw Products Ltd., Jaykaypur, Rayagada, Distt. koraput, Orissa.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. M-20, South Extension, Part II, New Delhi.

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 20-5-80.

(Transferee)

Delhi.

FORM ITNS --

(1) Shri Subhash Chander Sachdev, R-562, New Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Shukla Mohindra W/o Shri Kishori Pal Mohindra R/o R-562, New Rajinder Nagar, New

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. JAC/Acq-I/SR-III/9-79/1597.—Whereas, Mrs. S. K. AULAKH,

being the competent Authority under

Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ro. 25,000/- and brating No. R-562, New Rajinder Nagar, situated at New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering New Delhi on September 1979, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name'v:

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Double storey house bearing No. R-562, New Rajinder Magar, New Delhi. Area 289 sq. yds.

> Mrs. S. K. AULAKH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 20-5-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

NEW DELHI-110002

New Delhi the 20th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/9-79/1162.---Whereas, Ind. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F-14/13, situated at Krishan Nagar, Delhi-51,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi in September 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferae for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

- (1) Shri Satpal S/o Sh. Mehar Chand R/o F-14/13, Krishan Nagar, Delhi-51.

 (Transferor)
- (2) Shri Gurdeep Singh Bhatia S/o Mangat Singh Bhatia R/o 596/25, Nehru Gali, Gandhi Nagar, Delhi-

(Transferee)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential house bearing H. No. F-14/13, consisting of two rooms, kitchen, bath, latrine, one store, fitting with Electricity water Tap on the ground floor and one room, kitchen, bath latrine on first floor situated at Krishan Nagar, Village Ghondali, Delhi.

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 20-5-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/9-79/1160.—Whereas, Mrs. S. K. AULAKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Central Portion of F-14/13, situated at Krishan Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aapparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kharati Lal 5/0 Ram Prakash Arora R/e 6/205, Jheel Kuranja, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Chitra Dewim W/o Shri K. K. Dewan, R/o 6/44, Mohalla Maharam, Shahdara, Delhi.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Central Portion of plot No. 13 Block No. F-14 measuring area 80.6 sq. yds. with whole of the structure consisting of two rooms, bath, latrine, court yard on ground floor and one room, buth, kitchen on the first floor situated in abadi of Krishan Nagar ,New Delhi.

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date 20-5-1980. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONFR OF INCOME-TAX

H-BLOCK, VJKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. IAC 'Acq-I/SR-IV/9-79/1155.—Whereas, I, Mis. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. X-29, situated at Mohan Park, Navin Shahdara, Delhi-32, (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on September 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be declosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shii Vi;ay Bahadar S/o Shri Ram Narain Verma R/o X-29, Mohan Park, Navin Shahadara, Delhi, (Transferor)
- (2) Shri Om Prakash Jain S/o Mahab'r Parad Jain R/o A-17, Mohan Park Shahdara, Delhi-32.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

One residential house No. X-29 measuring area 91 sq. yds situated at Mohan Park, Navin Shahdara, Delhi.

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date 20-5-1980. Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002
New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/9-79/1156—Whereas I, Mrs. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 19B/3, situated at Jyoti Nagar West New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ef—

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the seld Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
23—96GI/80

(1) Shri Manjit Singh S/o Gokal Singh, F-21/B, Vijay Nagar Delhi-9.

(Transferor)

(2) Shri Sanjay Kumar Chauhan (Minor) s/o late Sh. Hari Singh & Sh. Amit Kumar S/o Ram Asre Chauhan R/o I/9570, Partappura Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested In the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot 19B/3, Gali No. 3, Rohtaenagar measuring 288.9 sq. yds. Jyoti Nagar (West) Shahdara Delhi.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 20-5-80

Scal:

(1) Smt. Bimla Bali W/o Ram Sarup Bali, A-3/6 Krishan Nagar Delhi-51.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramesh Chand Narang S/o Chandgi Lal R/o C-2/1, Krishan Nagar Delhi-51. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I H-BLOCK, VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/9-79/1157.—Whereas, I. Mrs. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-3/6 (Part) situated at village Ghondli abadi Krishan Nagar Delhi-51.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on September 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. A-3/6, (Part) area 89-4/9 sq. yds. village Ghondli abadi Krishan Nagar Delhi-51.

> MRS. S. K. AULAKH Competent Authority, Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 20-5-80

(1) Ram Piari W/o Nathi Ram Thaper, E-5/27, Krishan Nagar Delhi-51.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Veena Arora W/o Sunil Arora, E-8/3, Krishan Nagar Delhi-51.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACOUISITION RANGE-I

H-BLOCK, VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/9-79/1158.—Whereas I, Mrs. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. E-5/27 situated at Krishan Nagar Delhi-51, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on September 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No. E-5/27, area 125 sq. yds. situated in village Ghondli abadi Krishan Nagar Delhi-51.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 20-5-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Reeta Arora W/o Suresh Arora,

(1) Smt. Ram Piari W/o Sh. Nathu Ram,

Thaper E-5/27, Krishan Nagar Delhi-51. (Transferor 1

F-9, Radhey Puri Delhi-51.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1 H-BLOCK, VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE **NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/9-79/1159.--Whereas, I, Mrs. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-5/27, situated at Krishan Nagar New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi on September 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said leamovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No. E-5/27, area 85 sq. yds. situated in village Ghondli abadi Krishan Nagar Delhi-51.

MRS. S. K. AULAKH Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 20-5-80

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002
New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/9-79/1161.—Whereas I, Mrs. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have
reason to believe that the immovable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 109 situated at Jawala Nagar, Village Chandrawali,
Shahdara,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September 1979,

for an apparent consideration which la less than the fair market value of the aforesaid property, and 1 have reason to believe that the fair market valuo property as aforesaid exceeds of the the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagdish Chander S/o Sh. Gobind Ram 109, Jawala Nagar Shahdara Delhi-32. (Transferor)
- (2) Smt. Sharda Devi W/o Sh. Vidya Rattan 133, Mohalla Jawahar, Frash Bazar, Shahdara, Delhi-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up property No. 109 built on plot No. 109 area 200 sq. yds. situated at Jawala Nagar, Village Chandrawali, Shahdara, Delhi-32.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 20-5-80

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I H-BLOCK, VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-79/1163.—Whereas I, Mrs. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. D-5/20, situated at Krishan Nagar Delhi-51

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Delhi on September 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bakshi Krishan Lal S/o Bakshi Ishar Dass, R/O E-11/6, Krishan Nagar Delhi-51.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Swarup Sharma S/o Ram Swarup Shastri R/o 62-63, Rural Hutments Jamia College, Campus, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. D-5/20, measuring 195 sq. mtrs. situated in Krishan Nagar Delhi-51

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 20-5-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I H-BLOCK, VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/9-79/1165.—Whereas I, Mrs. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immove-able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. J-5. Navin Shahdara situated at Delhi-32

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Delhi on September 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons. namely:—31—86GI/80

 Shri Ram Dass Kochhar S/o Chele Ram Kochhar, A-1/46, Pacshimpuri New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Dhan Raj & Narain Dass sons of Kesari Mal H. No. Katra Ishwari Bhawan, Khari Boali Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. J-5, Navin Shahdara Delhi-32. Area 252.8 eq. yds.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 20-5-80

(1) Shri Ram Sarup S/o Matadeen, 9/202, Gali No. 4, Kailash Nagar, Delh-i31. (Transferor)

(2) Smt Rajvati W/o Prem Shankai Shaima, 9/1971 Guli No 4, Kailash Nagar, Delhi 31 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN LP ESTATE
NEW DELHI-110002
New Delhi, the 20th May 1980

Ref No. IAC/Acq-I/SR-IV/9-79/1164 —Whereas, 1, Mrs S K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 9/1974, Plot No 46 situated at Gali No 3-4, Kallash Nagar Delhi-31

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storey building old No. 995/198 and New No. 9/1974 on Plot No. 46, Gali No. 3-4, Kailash Nagar, Delhi-110031

MRS S K, AULAKII
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date: 20-5-80

Smt. Sushila Devi W/o Brij Mohan, A-2/3, Krishan Nagar Delhi-51.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I H-BLOCK, VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/9-79/1167.—Whereas I, Mrs. S. K. AULAKH

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A-2/3 situated at Krishan Nagar Delhi-51

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Shri Jit Singh S/o Barta Singh, Shop No. 401, Jheel Khurenja Delhl-51.

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. A-2/3, area 200 sq. yds. in the abadi of Krishan Nagar Delhi-51.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
24—96GI/80

MRS. S. K. AULAKH

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 20-5-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I H-BLOCK, VIKAS BHAWAN, I. P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/9-79/1168.—Whereas, \$, MRS, \$. K AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-14/5A, situated at Krishan Nagar Delhi-51 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on September 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ohkar Nath S/o Ram Gopal, E-14/5A, Kushan Nagar Delhi-51,

(Transferor)

(2) Shri Harish Chander S/o Haveli Ram, A-2/52, Krishan Nagar Delhi-51.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. E-14/5A, measuring 59.2/3 sq. yds. situated avillage Ghondli, bearing Khasra No. 313, in the abadi of Krishan Nagar, Delhi-51.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi,

Date: 20-5-80

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I H-BLOCK, VIKAS BHAWAN, I. P. ESTATE NEW DELHI-110002

> > New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. 1AC/Acq-I/SR-IV/9-79/1171.—Whereas, I, MRS. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-14/13, situated at Krishan Nagar Delhi-51

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on September 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Bharat Bhushan S/o Late Sh. Amar Nath R/o 82, Ram Nagar Delhi-51.

(Transferor)

(2) Shri Gulshan Kumar Kapoor S/o Girdhari Lal Kapoor R/o 639, Subhash Road, Gandhi Nagar, Delhi-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official, Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Central portion of H. No. F-14/13, measuring 80.6 sq. yds., situated at Village Ghondli in the abadi of Krishan Nagar-51 Illaqa Shahdara Delhi.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 20-5-80

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

H-BLOCK, VIKAS BHAWAN, I. P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/9-79/173.—Whereas, I, MRS. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. E-4/25, situated at Krishan Nagar Delhi-51 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on September 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Madan Gopal Khosla S/o Late Sh Vaishno Dass Khosla, Sh. Inder Nath Khosla S/o Late Sh. Vaishno Dass Khosla, Smt. Sudershan Kumari W/o Ram Plakash (4) Sm. Raj Kumari W/o Joginder Pal Kapoor (5) Raksha Kumari W/o Mathura Dass (6) Santosh Kapoor W/o Manak Chand (7) Urmila W/o Jagdish Lal all R/o F-4/25, Kijshan Nagar Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Rewati Devi W/o Hari Ram, Rajinder Pershad S/o Hari Ram R/o Village Goandli, Krishan Nagar Delhi-51.

(Transferee)

Objections, if any, to be acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storey built up property on land measuring 157 sq. yds. situated at Village Ghondali, Krishan Nagar Delhi-51.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 20-5-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I H-BLOCK, VIKAS BHAWAN, I. P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 20th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/9-79ff1174.—Whereas, I, MRS. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No.D-5/15, situated at Krishan Nagar Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Behari Lal S/o Sh. Narain Dass, C-7/10, Krishan Nagar Delhi-51.

(Transferor)

(2) Smt. Darshan Devi Jain W/O Mahendra Kumar Jain C-8/11, Krishan Nagar Delhi-51.

(Transferce)

Objectione if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Porton of plot No. D-5/15, area 116.2/3 sq. yds. in village Goandli abadi Krishan Nagar Delhi-51

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 20-5-80

Scal:

1 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I H-BLOCK, VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 21st May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-79/429.—Whereas, I, MRS. S. K. AULAKH

being the competent authority under Section

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land mg, 14 bigha 18 biswas situated at Village Bijwason, Delhi State Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as anotherald exceeds the apparent consideration therefor by more than differen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evaston of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Satpal Sachdev S/o Amar Nath Sachdev, and Surinder Pal Sachdev S/o Ram Lal Sachdev R/o 25/11, West Patel Nagar, New Delhi through G-A, Gobind Lal Sinkka 24, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Joti Lal Khanna S/o Roshan Lal Khanna C/o Yeti Travels P.O. Box 76, Kathmandu Nepal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing khasra Nos. 74/20, 21 19/2, 87/1/1 measuring 14 bighas 18 biswas in village Bijwason Delhi State New Delhi.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 21-5-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I H-BLOCK, VIKAS BHAWAN, I. P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 21st May 1980

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-JII/9-79/447.—Whereas, I, MRS. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
No. Agrl, land area 11 bigha 11 biswa situated at Village
Tuglakahad Tehsil Mehrauli New Delhi

Tuglakabad Tehsil Mehrauli New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10th September 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Krishan Kumar Madhok S/o Mulakh Raj Madhok B-19, Chinag Enclave, New Delhi.

(Transferoi)

(2) Shri S. S. Bakshi, Mis. II. K. Bakshi, Sh. A. S. Bakshi and Sh. K. S. Bakshi all R/o B-5/9, Safdarjung Enclave, New Deihi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fxplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 11 bighas 11 biswas bearing khasra Nos. 2299/1558, 2297/1557, 2168/1523, 2103/1516, situated in village Tuglakabad, Tehsil Mehrauli New Delhi.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 21-5-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I H-BLOCK, VIKAS BHAWAN, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi-110002, the 21st May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-79/448.—Whereas, I, Mrs. S. K. AULAKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agrl. land Mg. 27 bigha 10 biswas situated at village Tuglakabad, Tehsil Mehrauli New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 10-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Anand and Associates, 390, Con. Circus, New Delhi.
- (2) M/s. Butterworth India P. Ltd. 15th Floor, Atma Ram House, Tolstoy Mrag, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 27 bighas 10 biswas bearing the following khasra Nos. situated in village Tughalakabad, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

Khasra No.	Area	Агеа
	Bigh a	Biswas
1525	9	09
1526	7	07
1527	1	06
1492	0	13
1719/1493	3	15
1494	9	12
2270/1518	0	11
2272/2518	0	17

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 21-5-80

(1) M/s Anand & Associates, 3/90, Con Circus, New Delhi

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Bakshi Estates (P) Ltd, 15 C, Atma Ram House Tolstoy Marg New Delhi

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, H-BI OCK, VIKAS BHAWAN, I P ESTATE NEW DELHI

New Delhi-110002, the 21st May 1980

Ref No IAC/Acq I/SR-III/9 79/449 —Whereas, I, Mrs S K AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

Agrl land 75 bigha 4 biswas sityated at village Tughlakabad, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act '957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of rubhication of this notice

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of rubhication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

1 XII ANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 75 bighas 4 bi wa in village Tughalakebad, Tehsil Mehrauli New Delhi be a ng Khasia Nos as under —

	Area	Are≏
Khrsra No	bighe	bisw. 9
1522	0	18
2163/1523	0	19
2164/1523	0	04
2169/1528	4	10
2170/1528	4	00
2277/1532	0	12
2278/1532	0 2 8 1 2 8	04
1533	8	04
2171/1534	1	ÓΩ
2172/1534	2	10
1535	8	13
1537	1	05
1538	6	19
1539	7 1	04
2285/1544	1	06
1546	4	12
1547	0	13
1548	0	10
1549	0 2 3 1 0 3 2	14
1550	2	18
1551	3	05
1552	1	05
1553	Ō	18
1554	3	15
1555 min	2	01
2295/1556		04
2296/1556	<u>o</u>	07
2298/1557	1	07
2300/1 <i>5</i> 58	0	11
2301/1560	0	08
2302/1560	0	04
2303/1550	0	04

Mrs S K AUI AKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I Delhi/New Delhi

Date 21 5 1980 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcional property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons namely:—

25--96GI/80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, H, BLOCK, VIKAS BHAVAN, 1 P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 21st May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-79/473.---Whereas, I, Mrs. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Shop No. 18 (Ground Floor) situated at Commercial Complex, Greater Karlash I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have recent to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(1) of (1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of thi, notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) DLF Builders, 21-22, Narindia Place, Parliament Street, New Delhi-110 001,

(Transferor)

(2) Shri Pardaman Kumar Sehgal and Shri Om Prakash Girdhar R/o A-9, N.D.S.E. Part I New Delhi-110049.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 18, Ground Floor, Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delbi-110 048 area 583.74 sq. ft.

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date 21-5-1980

Seal;

A THE COMMENT AND THE REST OF THE COMMENT OF THE CO

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. H-BLOCK, VIKAS BHAWAN, I. P. ESTATF NEW DELHI

New Delhi-110002, the 21st May 1980

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/9-79ffl474.—Whereas, I, Mrs. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred as the 'said Act'), have reason of believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 52,000/and bearing No.

Shop No. 5 (G.F.) situated at Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 17-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. DLF United Limited, 21-22, Natindra Place, Patliament Street, New Delhi-110 001.

(Fransferor)

(2) Smt. Swaran Kanti Sethi W/o Amar Nath Sethi and

Smt. Mohini Sethi w/o Dursham Lal Sethi R/o E/287, Greater Kailash-II,

New Delhi-110048.

(Transferce)

Objections, if any, of the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5 (Ground Floor) Cinema Complex, Greater Kılash-II, New Delhi Area 202 sq. ft.

> Mrs, S, K. AUl AKH Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Delhi/New Della

Date: 21-5-1980

NOTICE UNDLR SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE-I,
H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi-110002, the 21st May 1980

Ref. No. 1AC/Acq-I/SR-III 9-79/475.—Whereas, I, Mis. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Portion No. 106 (1st Floor) situated at DLF House, F-40, Con. Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. DLF United Limited, 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi-110 001.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Devi w/o Thakur Nanak Singh, 136, Satya Niketan, Moti Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion No. 106 (First Floor) 'DI.F House' F-40, Connauht Place, New Delhi, Area 501 Sq. ft.

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 21-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 21st May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/\$R-III/9-79/479.—Whereas, I, Mis. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

L-17-A, situated at East of Kailash, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by core than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri H. N. Mota S/o D. N. Mota R/o E-17-A, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. P. Aggarwal S/o Prag Dass and Smt. C. Kanta Aggarwal W/o Shri S. P. Aggarwal Both R/o 2-B, Sagar Apartments, Tilak Marg, New Delhl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease hold Plot No. E-17-A East of Kailash New Delhi measuring 403.95 sq. yds. being single unit double storey bounded as under:—

East: Road West: Plot No. E-18-A

North: Road South: Service Lane

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 21-5-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 21st May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-79/480,—Whereas, I, Mis. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

E-138, situated at East of Kailash, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as anoticsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Alexender Haque S/o Dr. M. Haque, R/o II-/68 Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) R. C. Jain S/o Shri Fatch Chand, R/o E-138, East of Kailash, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One and a half storeyed house on lease hold plot No. E-138, East of Kailash, New Delhi.

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 21-5-1980

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 21st May 1980

Ref No IAC/Acq-I/SR-III/9-79/481 —Whereas, I, Mrs. S. K. AULAKII

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M-72 situated at Greater Knilash II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair mark t value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Snit. Subhashni Kalra W/o late Shri Bhupinder Pal Singh Kalia, 113/94, Swaroop Nagar Kanpur-2 (UP) (Transferor)
- (2) Shri Kamal Narayan Kaul S/o Shri Narendra Nath Kaul, F-59, Green Park, New Delhi-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. M-72 measuring 247 sq. yds./212 sq meters situated at Greater Kailash Part II, New Delhi.

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 21-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

H. BI OCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,

NFW DFI.HI-110002

New Delhi, the 21st May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-79/482.—Whereas, I, Mrs. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

W-98, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afroesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Virendra M. Verma R/o 4742, Joyce Avenue, Powell River B C. Canada, through his father and lawful attorney Shri Mangal Ram Verma R/o 178, Sector 21-A, Chandigarh.

(Transferor

(2) Smt. Santosh Nanda w/o S. P. Nanda and Smt. Anuradha Nanda W/o Shri Ajit Nanda Both R/o E-498, Greater Kailash II New Delhi-18

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. W-98, Greater Kailash-II, New Delhi area 550 Sq. yds.

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 21-5-1980

(1) Shri Kashi Ram Kaul S/o Tara Chand Kaul R/o 5C/21, Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Som Nath Raina S/o Maheshwar Nath Raina R/o L-37, Kirti Nagar, New Delhi-110015.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-79/483.—Whereas, I, Mrs. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S-167, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

26-96GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storey house built on plot No. S-167 measuring 248 sq. metrs. situated at Greater Kailash-II, New Delhi. Delhi,

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: -5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 21st May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/\$R-III/9-79/485.---Whereas, I. Mrs. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M-32 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 4-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely;—

 Shri Braham Datta Bhargava S/o Shri Damodar Lal Bhargava R/o M-103, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Avinash Chander Kalra S/o Hans Raj Kalra & Smt. Kiran Kalra W/o Avinash Chander Kalra R/o C-81, Greater Kailash-I, Now R/o M/32, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on free hold plot of land admeasuring 500 sq. yds. situated in the residential colony known as Greater Kailash No. 1 New Delhi plot known as M-32 area of village Yaqutpur Delhi bounded as under:—

East—Lawn
West—Property No. M-30A
North—Service Road
South—Road

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 21-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 21st May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-79/486.—Whereas, I, Mrs. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M-172, situated at Greater Kailash-II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforestid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Moran Devi R/o E-166, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gurbax Singh Pabla, A-52, N.D.S.E. Part-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. M-172, measuring 300 sq. yds. situated in Greater Kailash Part II, New Delhi.

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 21-5-1980

Soul:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 21st May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-79/487.—Whereas, I, Mrs. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R-215, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on September 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys on other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Dr. Mrs. V. S. Badshad, R-215; Greater Kailash Part I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Sakhi Devi W/o M. C. Bansal and Ashok Kumar Bansal S/o M. C. Bansal C/o M/s. Lok Vastra, 245, Chandni Chowk (Outside Katra Pyare Lal) Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storey building No. R-215, Greater Kailash Part I, New Delhi.

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 21-5-1980

Kulwant Kaur and Birinder Mohan Singh (1) R/o Sector 9-A/82, Chandigarh. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Amrit Kaur and Shri Dhavinder Singh C/o Shri Suresh Virmani, Virmani & Assoc E-1, Connaught Place, New Delhi. Associatess,

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ES1ATE, **NEW DELHI-110002**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

New Delhi, the 21st May 1980

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-79/488.--Whereas, I, Mrs. S. K. AULAKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-446, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September 1979

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofEXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. S-446, measuring 550 sq. yds. in Greater Kailash Part II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Mrs. S. K. AULAKH. Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 21-5-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 21st May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-79/489.—Whereas, I, Mrs. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-226 situated at Greater Kailash-I, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Baljit Singh Pal S/o Late S. Gurbax Singh, C/o G-48, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

Mrs. S. K. AULAKH

(2) Shri Kuldip Singh Sehgal S/o Late S. H. S. Sehgal and Smt. Amar Jeet Kaur Sehgal W/o Kuldip Singh Sehgal R/o B-226, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed house constructed on Plot No. 226 in Block No. B in the residential colony known as Greater Kailash-I, situated at village Yaqut Pur, New Delhi.

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 21-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 21st May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-79/499.—Whereas, I, Mrs. S. K. AULAKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

III-K-15 situated at Lajpat Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tlability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acction (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Smt. Harbans Kaur
 W/o Shri Joginder Singh Jolly
 R/o III-K/15, Lajpat Nagar,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Kumar Mangal S/o Shri Yoginder Pal Mangal R/o II-E/16, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building constructed on plot of land measuring 200 sq. yds. bearing No. III-K/15, Lajpat Nagar, New Delhi bounded as under:—

North—Road South—Service Lane Past—Property No. K-14 West—Property No. K-16

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 21-5-1980

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 16th May 1980

Ref. No. ARII/2895-23/Dec. 79.—Whereas, I, A. R. TEJALE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No.

S. No. 41 H. No. 1 City S. No. 531 & 531/1 to 8 situated at Malad (North)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Jayabai wife of Vallabhdas Harjivandas Sheth. (Transferor)
- (2) 1. Shri Dwarkadas Gordhandas Kapadia.

Shri Lallubhai Makanji Patel.

- Shri Bhallalbhai Jhaverbhai Putel.
 Shri Mohanbhai Ishwarbhai Patel.
- Shri Motibhai Naranbhai Patel. 6.
- Shri Narottamdas Vasram Sinroja, Shri Dhanjibhai G. Sarkar. Shri Dhirajlal Noraji Khakkar. Shri Nandlal Verimati Suchah.

Trustees of Laxmi Narayan Trust.

(Transferee)

- (3) 1. Shri Vasantlal Chunilal Shah.
 - Shri Kantilal Ambalal Parikh. Shri Harilal Bhagvanji Parikh.
 - Shri Harshda Bipainkumar Shah.
 Shri Dinkarrai C. Panwalal.
 Shri Chimanlal Zinabhai Kansara.

 - Shri Nayalchand Girdharilal Satkia.
 - 8. Shri Bholibai Purshottam Bhatia.

 - 9. Chawl. Natvarlal Kalyananji Dhruv. 10. Chawl. Vrajlal Harjivandas Sanganl. 11. Chawl. Harendra Ishwarlal Nakshingara.
 - 12. Shri Kanyalal Mulshankar Nayak.
 - 13. Shri Madhukanta Chhanalal
 - 14. Shri Kashiben Gordhan Mistri.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2528/78 and registered with the Sub-Registrar Bombay 3-12-1979.

> A. N. TEJALE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 16-5-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 20th May 1980

Ref. No. AR-II/2876-4/Oct.79.—Whereas, I, A. H. TEJALE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 332 of TPS. III C.S. No. 1952 Mahim Divn. situated at Sitaldevi Temple Road, Mahim

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--27-96GI/80

(1) 1. Dominic Xavier D'Souza,

. Errel D'souza,

3. Benjamin D'souza.

(Transferor)

(2) Martin Lui Co-op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

(3) Lisst of Tenents

1. Baba Miyan Ismail

2. Mohd. Kasim Ismail 3. Linganna Ellanna

4. Chhata Narsappa Hammantha

Narsappa Sayanna 6. Mrs. Lourds D'Souza

7. Dominic Xavier D'Souza Benjamin D'Souza

8. Miss Sybil Rebello 9. Premchand Ranmji Shah

10. Chandra S. Bhagia 11. Satramdas Choithram 12. Pushpa S. Gulabani 13. Errel D'Souza

Remonic Fernandes

15. Mrs. Nainibai Jamnadas Bhatia

Suresh Jamnadas Bhatia
 Jyoti M. Gulabani
 Mubarak M. Masani

19. Shantaram Pundlik Mahale.

(Person in occupation of the property)
(4) Shri Akhtar Hasan Rizvi,
M/s. Rizvi Builders (Confirming party).

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 155/79 and registered with the Sub-registrar Bandra-IV, Bombay, on 24-10-1979.

> A. H. TEJALE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 20-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 2690(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th May 1980

Ref. No. RAC. No. 81/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land situated at Amberpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kirthi Ramesh, R/o Vardhamanakota-Suryapet-Tq, Nalgonda-Dist.

 Mashetti Laxminarayan, R/o Kadevendi-village Jangaon-Tq., Warangal Dist.

(Transferor)

(2) Sri L. N. Agarwal S/o Jagannadh Agarwal, 3-5-112 at Narayanguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 2-3-691/16 and 17 on plot of land admeasuring 660 Sq. Yds. at Bagh-e-Amberpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5110/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th May 1980

Ref. No. RAC. No. 82/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'staid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-168/3, situated at Hyderguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Shri

- Mohammed Azamatullah
 H. No. 36 Umanagar Colony, Begumpet,
 Hyderabad.
 - Smt. Asiam Mirza W/o Hamed Mirza, H. No. 8-2-417 Road No. 4 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Hukmichand Sancheti & Sons, H.U.F., 3-6-168/4 Hyderguda, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Double storeyed building No. 3-6-168/3 at Hyderguda, Hyderabad registered vide Document No. 5459/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-5-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th May 1980

Ref. No. RAC. No. 83/80-81.—Whereas, I, K.K.VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing No.

2-4-948 situated at Kachiguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ef-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acqquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Hameeda Bee W/o Syed Abdul Hameed, G.P.A. Syed Abdul Majeed 2-3-705/6 Amberpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Khairunniasa Begum W/o Syed Abdul Kareem, 2-4-948 at Kachiguda, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2-4-948 at Kachiguda, Hyderabad, registered vide Document No. 5248/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th May 1980

Ref. No. RAC. No. 84/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land S. No. 277 situated at Hayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- New, therefore, in purcuiance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

S/Shri S. Shikshapathi,
 S. Lakshminarayana,
 Both at 2-36 at Bagh Hayathnagar,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) A.P. High Court Employees Co-operative Housing Society, its Secretary Sri N. Durga Rao, C/o High Court Building, Hyderabus.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the underalgaed ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the facility Act, shall have the same manning to given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 277 at Bagh Hayathnagar, Hyderabad 3 Acrs. registered vide Doc. No. 9342/79 in the office of the Sub-Registrar-East.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 9-5-1989

Søal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th May 1980

Ref. No. RAC. No. 85/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land S. No. 277 situated at Hayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad-East on Sept. 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri S. Bhikshpathi,
 Shri S. Lakshminarayana,
 Bagh-Hayathnagar,
 Hyderabad.

÷.

(Transferor)

(2) A.P. High Court Employees Cooperative Housing Society, Ltd., Secretary, Sri A. Rangachari, C/o High Court Building, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 flays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in S. No. 277 at Bagh Hayathnagar, Hyderabad 3-Acre land, registered vide Document No. 9429/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th May 1980

Ref. No. RAC. No. 86/80-81,—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land S. No. 227, situated at Hayathnagar, Hyd-East (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on Sept. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri S. Bhikshpathi,
 S. Lakshminarayana,
 2-36 at Bagh-Hayathnagar,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) A. P. High Court Employees Cooperative Housing Society, Ltd., Secretary, N. Durga Rao, C/o High Court Building, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the send inansovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in S. No. 277 at Bagh Hayathnagar, Explanation:—The terms and expressions used herein as 79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th May 1980

Ref. No. RAC. No. 87/80-81.—Whereas, I, K. K. VFER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immersable property, having a fair market value exceeding Bts. 25,000/- and bearing

No. Phot No. A-in situated at S. No. 135 Gaddiannaram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on Sept-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any facetne or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- Sri J. Lakahmiah, H. No. 17-2-1130 at Madannapet, Hyderabad. (Transferor)
- Smt. Y. Pandaramma, H. No. 3-04 at Sarroonagar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. "A" in survey No. 135—at Gaddiannaram, area 26-Guntas Hyderabad, registered vide Document No. 9101/79 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad-East.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-5-1980.

FORM ITNS----

(1) Sri G. Kushna Mootthy, S/o Subiahmanyam, R'o Ameerpet, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Swayam Piabhamani, W/o Sri Sree Ramulu, H. No 6-3-852/2/B/1 at Ameerpet, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Hyderabad, the 9th May 1980

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No RAC. No 78/80 81—Whereas, I K K. VEHR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Plot No. 7 situated at Ameerpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on Sept-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land Plot No. 7, measuring 302 Sq. Yds. at Ameerpet, Hyderabad registered vide Document No. 2503/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following tersons, namely:—

28—96GI/80

Date: 9-5-1980,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th May 1980

Ref. No. RAC No. 89/80-81.—Whereas, I, K. K. VFFR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 8 situated at Panjagutta Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Khairtabad on Sept-79

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. K. Narayanamma W/o late K. Anjaiah, R/o Piduguralla Village, Guntur-Dist.
 - (Transferor)
- (2) Dr. A. Harinath S/o Dr. A. Basaviah, H. No. 6-1-630/2 at Khairtabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8 part of survey No. 185 and 186 at Punjagutta, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2535/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-5-1980.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDLRABAD

Hyderabad, the 9th May 1980

Ref. No. RAC. No. 90/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1-88, 10 saturated at Uppal Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyd-East on Sept-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execudes the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. S. C. Balasubramanian, (National Inst. of Nutrition) H. No. 1-Nehru Street, Satya Garden, Sali Grammam, Madras-600093. Represented by G. P. A. Sri Y. A. Ramachandran. (Transferor)
- (2) Sint. Rani S. Daram, W/o Sri R. Daram, (at U.S.A.) G.P.A. Sri L. R. Bhadralah, H. No. 1-7 at Tarnaka, Secunderabad-17. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

, NTIANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-88/10 plot No. 5/F Kakatiyanagar Coop. Housing Colony, Habisiguda-Village, Hyderabad-East, registered vide Document No. 8951/79 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad-East.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sci G. Probhavathi W/o Anjancyulu, 6-3-841/A at Amcerpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. E. Kusuma Kumari, W/o Arjune, 8-3-214/36, Srinivasa Colony, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD Hyderabad, the 9th May 1980

Ref. No. RAC. No. 91/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot No. 15 in situated at 185, 186 Panjagutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Khairtabad on Sept-79

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian, Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 15 in survey No. 185 and 186 situated at Panjagutta, Hyderabad, admeasuring 517 Sq. Yds. registered vide Document No. 2571/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-5-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th May 1980

Ref. No RAC. No. 92/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/tand bearing

No. Port-10-4-5 situated at Masabtank, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registeriff Officer at Khairtab id on Sept 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ((1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt Najama Begum alias, Najma Sultana, H No 10-4-14 at Masab Tank, Hyderabad
 - (Transferor)
- (2) Syed Akbai Mehdi & others, 10-4-5 at Masab Tank, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

rotton of House No. 10 4-5 at Masab Fank, Khantabad, Hyderabad, registered vide Document No. 2599/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date 9-5-1980 Seal:

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor) (2) Sci. Guyu Genech Charitable Trust 1/2 832 Pot

(1) Swastik Builders, 1-2-524 at Domalguda, Hydera-

(2) Srl Guiu Ganesh Charitable Trust, /-2 832, Pot Market, Secunderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

(a) by any of thea foresald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Hyderabad, the 9th May 1980

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettee.

Ref. No. RAC. No. 93/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

EXPLANATION:—The Torms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. 101, 102 on situated at 1-2-524/3 Domalguda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 101 and 102 on 1st floor of Sagar view Building M. No. 1-2-524/3 at Domafguda, Hyderabad, registered vide Document No. 5706/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-5-1980.

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th May 1980

Ref. No. RAC. No. 94/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 103, 104 in situated at 1-2-524/3 Domalguda, Hydera-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept.79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Swastik Builders, 1-2-524 at Domaiguda, Hyderabad.
- (2) Sri Guru Ganesh Charitable Trust 7-2-832 at Pot Market, Secunderabad, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the data. Of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:1—The terms and expressions used herein ? are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Offices No. 103 & 104 on 1st floor of Sagar view Building No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 5707/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-5-1980.

(1) Swastik Builders. 1-2-524 Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Guru Ganesh Charitable Trust, 7-2-832 at Pot market, Secunderabad, (Tiansferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th May 1980

Ref. No. RAC. No. 95/80-81 —Whereas I K K VETR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 105, situated at 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office No 105 on 1st flloor of Sagar view Building No. 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5705/79 in the office of the Joint Sub-Registiai Hyderabad

> K. K. VFFR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th May 1980

Ref. No. RAC. No. 96/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 4-3-938/R.10 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforested exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:—
29—96GI/80

 Smt. Sarla Ishwarlal Gagiam W/o Ishwarlal Gaglani, R/o Gaglani Metal Industries, Odhov Road, Vallabhanagar, Ahmedabad, G.P.A. 8568-Zeera. Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Madhu H. Mehta W/o H. M. Mehta. 8568, Lalji-Meghji Compound, Jeera, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4-1-938/R-10 situated at Tilak Road, Hyderabad, registered vide Document No. 5623/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-5-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th May 1980

Ref. No. RAC. No. 97/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

No. 4-1-938/R-68 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Krishna Construction Co., 5-8-612 at Abid Road, Hyderabad.

(Transferoi)

(2) Smt. B. Suguna Kumari, 6/4-RT-L.I.G.H. Barakatpura Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Hall in the 5th floor of 4-1-938/R-6 and 8 at Tllak Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5756/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-5-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th May 1980

Ref No RAC No 98/80 81—Whereas, I K K VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agril. land situated at Medipalli Village Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt Lateefuanisa Begum, W/o Syed Mazaferudiab Hussani, 4-1-18 at Tilak Road, Hyderabad.
 Mir Hashim Ali Khan, 3 Mazh unisa Begum, 4 Qutubunnisa Begum, 5 Ashrafunnisa Begum, all residing at S No address
 (Transferors)
- (2) Smt. M Kamalanıma, W/o Sii M Maireddy, 9-92-Uppal Kalan, Hyderabad-East (Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 7 Acrs 37 Guntas, at Medipally-Village, Hyderabad East tq. registered vide Document No. 5255/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date · 9-5-1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 9th May 1980

Ref. No. RAC.No. 99/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot-L-1 situated at Somajiguda, Kapadia lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtahad, on Sept. 79

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tav Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Mrs. Miriam Joan Fidora, W/o Mr. D. Fidora, G.P.A. Sri J. S. Saldanna, Mount Abu, Rajasthan (Transferor)
- Sri Gajanand Kabre S/o late Haribax Kabra, 6-3-903/1 at Somajiguda, Hyderabad.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site, 636 Sq. Yds. Plinth area 1200 Sq. Ft. Plot L-1 situated at Somajiguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2587/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
Hyderabad.

Date: 9-5-1980.

(Transferor)

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 9th May 1980

Ref. No. RAC. No. 100/80-81.—Whereas, I, K, K, VEER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Open plot of situated at land Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- Shri Vishnu Hashmatrai, Sipahimalini
 Srimati Gerlinde Vishnu Sipahimalani, both at 44/5 Sasson Road, Poona-411001.
- 2. Smt. Kandaula Sitaramamma W/o K. Rami Reddy, H. No. 16-2-145/A/4 at Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land 415 Sq. Yds. at Irrum Manzil, Somajiguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2562/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-5-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th May 1980

Ref. No. RAC. 101/80-81.—Whereas, I. K. K. VEER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

5-9-12 situated at Saifabad, Hyderabad

transfer with the object of-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad, on Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Dhanjaiah Hotel, Pvt. Ltd., & 4 others, 5-9-12 Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

Kalavathi Shah, (2) 1. Smt. W/o Amritted Shah, Azampura, Hyderabad.

2. P. Ravinder Reddy, R/o Warangal.
3. Vijay Waghray S/o Dr. V. N. Waghray, Himayutngar, Hyderabad.

4. Pranay Waghray, R/o Kachiguda, Hyderabad.

5. Mrs. Kalavathi Devi W/o Hariyadanlal, R Machilikaman, Hyderabad.

(Transferee)

R/o

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Portion of ground floor on the right side, M. No. 5-9-12, plinth area 199.1 Sq. Yd. situated at Saifabad, Hyderabad, registered vide Document No. 5631/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

> K. K. VEER Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Hyderabad.

Date: 14-5-1980.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th May 1980

Ref No. RAC, 102/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Port. 5-9-12 situated at Salfabad, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on Sept. 79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the mansferor to pay tax under the said Act. ir respect of any income arising from the transfer, and/o
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) M/s Dhananjaya Hotels Pvt. Ltd., Company, & 4 others its Managing Director Srl B. Ramalinga Raju, R/o. Icedimetha, Secunderabad.
 - (Transferor)
- (2) 1. Mrs. Kalayathi Devi, W/o Sri Hariyadanlal, R/o Machilikaman, Hyderabad 2. Smt. Kalayathi Shah, W/o late Amritlal Shah, Azampura, Hyderabad.

 - 3. P. Ravinder Reddy, S/o P. Ganga Reddy, R/o
 - Warangal.
 4. Pranay Waghray R/o Kachiguda, Hyderabad.
 5. Vijay Waghray S/o Dr. V. N. Waghray, Himayatngar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Second floor portion of the Building No. 5-9-12, plinth area 193.55 Sq. Yd. at Saifabad, Hyderabad, registered Vide Document No. 5628/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

> K. K. VEER Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range Hyderabad.

Date: 14-5-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th May 1980

Ref. No. RAC. 103/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Port. 5-3-12 situated at Saifabad Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 M/s Dhananjaya Hotels Pvt. Ltd., Company, its Managing Director, B. Ramalinga Raju, R/o Jeedimetla, Secunderabad, and 4 others.

(Transferor)

- 1. Sri P. Ravinder Reddy, S/o P. Ganga Reddy, R/o Warangał.
 - 2. Smt. Kalavathi Shah, Azampura, Hyd.
 - Vijay Waghray S/o Dr. V. N. Waghray, Himayatnagar, Hyd.
 - Vijay Waghray S/o Dr. V. N. Upendralal Waghray Kachiguda; Hyd.
 - Mrs. Kalavathi Devi W/o Harivandanlal, Machllikaman, Hyd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Portion of 1st floor on the left side building No. 5-9-12 at Saifabad, Hyderabad, plinth area 214.33 Sq. Yds. registered vide Document No. 5629/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 14-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Dhananjaya Hotels Pvt. Ltd. Company, and 4 others Managing Director Sri Byrraju-Ramalinga Raju R/o Jeedimetla, Secunderabad. (Transferor)

(2) Vijaya Waghray S/o Dr. V. N. Waghray, R/o Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th May 1980

Ref. No. RAC. 104/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proprety having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Port 5-9-12 situated at Saifabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on Sept. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
30—96GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing in the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Portion of 1st floor on the right side of the Building M. No. 5-9-12 plinth area 213.15 Sq. Yds. situated at Saifabad, Hyderabad, registered vide Document No. 5632/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 14-5-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

"OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Tryderabad, the 14th May 1980

Ref. No. RAC. 105/80-81.—Whereas, I, K, K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1261 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, naving a rair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Port. 5-9-12 situated at Saifabad, Hyderabad

(and more fully described in the schedule ennexed ashenetood has been transferred under the Registration Act, 1908, 14161ed: 1908), in the office of the Registering Officer at niHyderabad.; one Sopt. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) Tacilitating, the concealment of any income or any incomes, or incomes, the concealment of any income or any incomes, or incomes, or which is one of the disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Dhananjaya Hotels Pvt. Ltd., Company, its Managing Director, B. Ramalinga Raju, R/o Jeedimetla, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Pranay Waghray S/o Upendralal Weghray, R/o Kachiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of ground floor on the left sides, northern side of the building M. No. 5-9-12 plinth area 214 33 Sq. Yds. situated at Saifabad, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5630/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 14-5-1980.

6579.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th May 1980

Ref. No. RAC. 106/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Port of land situated at Naveennagar Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Khairtabad on Sept. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- Vishnu Hashmatrai Sipathimalini,
 Smt. Gerlinde Vishnu Sipahimalani, W/o Sri Vishnu-Hashmatrai, Sipathimulani, H. No. 44/5 at Sasson Road, Poona-411001.
- (2) Smt. M. Krishnavenamma W/o Sri M. Chandrsekhara, Reddy, 6-3-596/95 at Naveennagar, Erram Manzil, Hyderabad.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immuvable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated in Irrum Manzil Somajiguda, Hyderabad 436 Sq. Yds., registered vide Document No. 2563/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition range,
Hydsoubid.

Date: 14-5-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th May 1980

Ref. No. RAC. 107/80-81.--Whereas, I, K. K. VEER, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Open land situated at Yellaredyguda, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Khairtabad on Sept. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Mir Nasir Ali Khan,
 - Mir Mansoor Ali Khan, Mir Farooq Ali Khan,

 - Mir Baquar Ali Khan, Smt. Hameedunissa Begum,
 - Smt. Sayeeda Begum,
 - Kumari Farzana Begum,
 - 8. Kum. Rukhsana Begum, 9. Kum. Rehana Begum, all residing at 17-5-323
 - at Mata-ki-Khidki, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri A. Laxminarayana H. No. 7-1-581 Ameerpet Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land 483 Sq. Yds. portion of M. No. 8-3-945 situated at Yellaredyguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2576/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

> K. K. VEER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-5-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th May 1980

Ref. No. RAC. 108/80-81.—Whereas, I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land in situated at S. No. 238/2 & 239 at Jeedimatly, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the confideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ch. Raghvendra Rao, R/o Ramachandrapuram Villg, Sangareddy-Tq, Medak-Dist.

 (Transferor)
- (2) Sri Bhagya Lakshmi-Cooperative Housing Society, H. No. 1-1-192/2 at Chikkadpally, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 5 Acrs 19 Guntas, in survey No. 238/2 and 239 situated at Jeedimetla, Village, Hyderabad, registered vide Document No. 5393/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad.

Date: 14-5-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th May 1980

Ref No. RAC No. 109/80-81.—Whereas, I, K. VEER,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Open land situated at Ameerpet, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the of the Registering Officer at

Hyderabad on Sept-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Shivcharan, 1-5-555 at Musheerabad, Hyderabad.

 (Transferor)
- M/s M. N. Reddy Construction Co., 3-4-722 at Narayanguda, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (Plot. No. 8) situated at Ameerpet, Hyderabad, 700 Sq. Yds., registered vide Document No. 5401/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 14-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th May 1980

Ref. No. RAC. No. 110/80-81.—Whereas, I, K. VEER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8-3-684/3/1/12, situated at Yellaredyguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad on Sept-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration. Therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269© of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri K. Sectaramaiah, S/o K. Subba Rao, Employee in H. M. T. Ltd., R/o Srinagar Colony, Hyderabad, (Near Andhra Bank Sreenagar).

(Transferor)

(2) Sri K. Hanmantha Reddy, H. No. 8-3-684/3/1/2 L. I. C. Colony, Yellareddyguda, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 8-3-684/3/1/2 in plot No. 4 in S. No. 96 admetsuring 300 Sq. Yds. situated at L. I. C. Colony, Yellareddyguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2500/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 14-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th May 1980

Ref. No. RAC. No. 111/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Open plot situated at Pendherghast Secunderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on Sept. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Sri U. G. Swamy,
 Smt. A. Jayasri, W/o A. Laxmaiah,
 Smt. A. Visalakshmi W/o A. Srinivasarao,
 A. Gowri Kumar, all residing at H. No. 1-1-101/

24 Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri V. Narasimha S/o Swamy, 1-8-518/7 at Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 52, admeasuring 360 Sq. Yds. (New No. 1-8-31 to 41 and 131 to 143) situated at Prenderghast Road, Secunderabad, registered vide Document No. 2198/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

> K. K. VEER, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri S. Habibuddin, H. No. 11 Padmarao Nagar Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. Siva Kumar, Plot. No. 6 at Dwarkapuri Colony, Hydeiubad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th May 1980

Ref. No. RAC. No. 113/80-81.—Whereas, I, K. VEER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agl. land situated at Kompally-Vig. Medchal-Tq.

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Medchal on Sept. 79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

31—96GI/80

may be made in writing to the undersigned—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in survey No. 121 and 124, total area 7 Acrs situated at Kompally-village, Medchal-Tq. Rangareddy-Distt, registered vide Document No. 1890/79 in the office of the Sub-Registrar Medchal.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 14-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th May 1980

Ref. No. RAC. No. 114/80-81.—Whereas, I, K. K. VFER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

265/M-I-3RT situated at S. R. Nagar, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on Sept-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri R. Umamaheswara Raju, H. No. 5/1 Subbaiah-Redy Road, Ulsoor-Bangalore-8. (Transferor)
- (2) Shri G. Ram Prasad, 265/M-1-RT, Sanjeevareddy Nagar Hyderabad-38.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 265/M-1-3RT, situated at Sanjcevarcddy-Nagar Colony, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2633/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabod.

Date: 14-5-1980

(1) Sri S. Habibuddin S/o Yusufuddin, No. 11-Padmarao Nagar, Secunderabad.

A. Prithvi Raju,
 A. Sivga Raju, S/o A. Satyanarayana Raju, at Kompally-Vilage, Modchal-Tq. Rangareddy-Dist.

(2) 1. Sri A. Subba Raju,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th May 1980

Ref No RAC No 115/80-81.-Whereas, I, k. K. VEΓR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Agl. land situated at Kompally-Vill Medchal Tq, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Medchal on Sept-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) fa ilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Survey No. 121, 7 Acrs situated at Kompally-Village, Medchal-Tq, Rangareddy-Dist, registered vide Doc. No. 1981/79 in the office of the Sub-Registrar Mechal.

K. K. VEER, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 14th May 1980

Ref. No. RAC. No. 116/80-81.--Whereas, I, K. K. VEER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Port 1-2-51 situated at Domalguda, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. \$/Sri J. Sharath Chandar Ruo,

J. Sandeep,
 Sri J. Naveen Chandra, all residing at H. No. 1-2-593/40 Gaganmahal Colony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Maknur Gangamma, W/o Ramgopal Rao, R/o Anthergama-Village, Jagtial-Tq, Kareemnagar-Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 1-2-51 at Gaganmahal Road, Hyderabad, admeasuring 400 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 5403/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

> K. K. VEER, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGF, HYDERAΒΛD

Hyderabad, the 14th May 1980

Ref No RAC No 117/80 81—Whereas I, K K VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

1-2-51 Portion, situated at Gaganmahal Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on Septerber, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- S/Sri Juvvadi Shirath Chandar Rao,
 J Sandeep,
 J. Naveen,
 No I and No 2 being minors,
 through guardian Smt J Ramayamma,
 H No. 1-2-593/40 at Gaganmahal Colony,
 Hyderabad

 (Transferor)
- (2) 1 Sri D Venkateshwai Rao,
 2 Sri Velchala Ashok Rao,
 Sl. No. 1 H. No. 7-3-18 Municipal Quarters,
 Kareemnagar
 Sl. Nofl 2 H No. 2-10 7 4/K 1A, Jyothinagar
 Kareemnagar
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No 1-2-51, Gaganmahal Road, Hyderabad, admeasuring 620 Sq yds registered vide Document No 5404/79, in the office of the Joint Sub Registrar Hyderabad

K. V. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date · 14-5-1980

Smt. Kanna Kishen, w/o late B. Ramlal Kishan,
 Sri Sunil Kishan,
 Puranima Kishen,
 Anil Kishen,
 Salil Kishan,
 residing at H. No. 4-1-1240 at King Kothi Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Gaddam Yadamma, w/o
 G. Maheshwar,
 H. No. 21-3-804 Chelapura,
 Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 14th May 1980

Ref. No. RAC. No. 118/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No.

16-11-740/4/A/1

situated at Gaddiannaram village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Septerber, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land part of premises No. 16-11-740/4/A/1, situated in survey No. 315'3 in Gaddiannaram, village, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5422/79 in the office of the Joint-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th May 1980

Ref. No RAC No 119/80 81—Wherchs I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act), have reacon to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 6-3-629/1,

situated at Chinfalbasti, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Septerber, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) S/Sri 1. N. Vidyasagar,
 - 2. M Jagan Mohan,
 - 3 M Prakash,
 - 4 M. Raj Mohan,
 - 5 M. Jaipal,6 M. Janardhan,
 - 7 Smt. K Krishna Devi, 8 Smt K Kaushalaya,
 - 9. Smt R Kausnaiaya,
 9. Smt Pushpa Devi,
 - all residing at H No 5-4-8 at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

 Sii Abdul Razack, 1-5-388/1 Zamistanpur Market Musheerabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land together with Building No 6-3-629/1, situated at Chintalbasti Khairtabad, Hyderabad, registered vide Doc. No 5329/79 in the Office of the Joint Sub Registrar, Hyderabad

K. K VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th May 1980

Ref. No. RAC. No. 120/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land S. No. 616,

situate 1 at 617, Shamsabad, Hyderlabad-West

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad West on September, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Paresh Patel, S/o late L. G. Patel, 4-1-10/A/2, Tilak Road, Hyderabad. . .

(Transferor)

(2) 1. Smt, Madhuben, w/o P. T. Patel.

w/o P. T. Patel,
2. Smt. Indiraben Ramanbhai Patel,
both at 11-19 at Shamsabad,
Hyderabad-West,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Grape garden in survey No. 616 and 617, situated at Shamsabad, Hyderabad-West, admeasuring 5 Acrs. 20 guntas, registered vide Document No. 2052/79 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad-West.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-5-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONEROF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th May 1980

Ref. No. RAC. No.121/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-8-871//(4-3RT),

situated at Prakashnagar, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Secunderabad on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limitify of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

32--96GI/80

 Sri Beldey Chandramouli, 196-Maredpally, Secunderabad.

(Transferor)

Mr. Liu Chanjen,
 Mr. Liu Ting Yuan,
 H. No. 103-Park Lane,
 Secunderabtd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building No. 1-8-871 and 1-8-871/1 (4-3RT) together with the land 223 Sq. metrs. at Prakashnagar, Secunderabad registered vide Doc. No. 2178/79 in the Office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-5-1980

(Transferor)

(1)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Leela Rao, R/o F-1-B-14 Sanjeevareddy, Nagar Hyderabad. (Transferee)

Srl M. Veeresham, R/o Tandoor Village,

Jangaon-Tq. Warangal Dist.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th May 1980

Ref. No. RAC. No. 122/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 41 situated at Srinivasanagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad on Sept.-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been 'or which dright to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said intrinovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzetta.

Explanation:—The terms and expressions used haven in Sand defined in Chapter XXA of the Mail Ada, shall have the same meaning in given in Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 41 situated at Srinivasanagar, Hyderabad, admeasuring 475 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 2583/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-5-1980

FORM FINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th May 1980

Ref. No. RAC. No. 65/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No 7 in situated at Valmikinagar Domalguda, Hyd. (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept.-79

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforessid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforessid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Siarama Rao, S/o late Y. V. Subba Rao, G.R.A. Y. Venkatchalam, at Ghandhinagar, Hyerabad.

(Transferor)

(2) M/s. Raja Apartments by partner K. Raja Mouli, at Osman Shai, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Carette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7 in Valmikinagar, Gaganmahal Cooperative Society Ltd., Hyderabad, admeasuring 675 54 Sq Mets registered vide Doc. No. 5524/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 5-5-1980

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th May 1980

Ref. No. RAC. No. 66/80-81.—Whereas I K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 12 situated at S.R. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on Sept.-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Mrs. Sanyukta Sassion, W/o Sri late Lt Col. Agestya Dev Sasson, 24-A Ishaq Colony, Secunderabad.
 - (Transferor)
- (2) Sri D. J. Parikh S/o J. D. Parik Flat No. 12 Paigha House, Sardarpetel Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12 in Paigha House, at Sardar Patel Road, Secunderabad, registered vide Document No. 2268/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 5-5-1980

_

FORM ITNS-

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th May 1980

Ref. No. RAC. No. 67/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Gaddiannaram Karan Bagh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura on Sept.-79

for an apparent consideration which is less than the fair uniquely an apparent consideration which is less than the fair uniquely and the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri G. Ramiah, S/o Agaiah, H. No. 16-11-220 Gaddiannaram, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Raghava Co-operative Housing Society, 16-12-751 at T.R. Nagar, Saidabad, Hyderabad, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Karan Bagh, Gaddiannaram, Hyderabad, registered vide Document No. 2752/79 in the office of the Sub-Registrar Azampura.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 5-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th May 1980

Ref. No. RAC. No. 68/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 23 & 24 situated at Raj Bhawan Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Khairtabad on Sept.-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Ramakrishna Reddy, Secretary, Dhanalaxmi Cooperative Housing Society Ltd., Shop No. 16 at Indoor Stodium, Fathemaidan Hyderabad.
 - (Transferor)
- (2) Smt. A. Aruna, W/o Sri Raghava Reddy, G. H. Reddy, Rev. Stainly Road, Madras,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 23 and 24 in M. No. 6-3-1238 at Raj Bhawan Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2600/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad,

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 5-5-1980

Soal:

Mohd. Sahabuddin, 1-1-484 Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. Tara Bai, W/o Sri K. Vénkta Rao, H. No. 23-4-197 Sultan Shai, Hyderabad. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personal whichever period expires fator.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

(b) by any other person interested in the said hamevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Hyderabad, the 5th May 1980

Expressions :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot in M. No. 1-5-511 at Domalguda, Hyderabad. registered vide Document No. 5118/79 in the office of the

Ref. No. RAC. No. 69/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (Hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1-5-511 situated at Domalguda Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on Sept.-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of tiny income or way

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, usmely ;---

Date: 5-5-1980

Scot:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th May 1980

Ref. No. RAC. No. 70/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-7-426 situated at Begum Bazar, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodbowli on Sept.-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mohd. Abdulla, 2, Mohd. Jaffaer, both at 15-7-424 & 426 at Begum Bazar, Hyderabad.

(Transferors)

(2) Sri Sitaram Pawar, 15-7-414 at Begum Bazar, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 15-7-426 situated at Begum Bazar, Hyderabad, registered vide Document No. 1079/79 in the office of the Sub-Registrar Doodbouwli.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 5-5-1980

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th May 1980

Ref. No. RAC. No. 71/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-3-289 situated at Chappal Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept.-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33---96GI/80

(1) Smt. Masooma Begum, W/o Mohd. Osmani, R/o Museerabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Vijaya Dying And Printing Company, Managing partner Sri R. Ashok Kumar 3-3-289 Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 3-3-289 at Chappal Bazar, Hyderabad, registered vide Document No. 5286/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 5-5-1980

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th May 1980

Ref. No. RAC. No. 72/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat B-1/5 situated at Chandralok Complex, Secundrabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept.-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Swastik Construction Company, 111-S. D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Govindram, Flat No. B-1/5 on 3rd floor of Chandralok Complex, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B1/5 on 3rd floor of Chandralok Complex, Secunderabad, admeasuring 1427 Sq. Ft. registered vide Doc. No 5123/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 5-5-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th May 1980

Ref. No. RAC. No. 73/80-81,--Whereas, 1 K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-21/B situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept.-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Shri Pingale Madhusudan Reddy,
 - 2. Shri P. Jagadish Reddy, 4. Shri P. Rejender Reddy
 - Shri P. Janardhan Reddy,

all residing at 7-1-22/6 at Begumpet, Hyderabad. (Transferors)

(2) S/Shri Prakash V. Jain, 2. Bhawarlal V. Jain, 3. Vimlakumar V. Jain, 4. Kailash Kumar V. Jain, all residing at 4-1-1209 at Boggula Kunta, Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House No. 7-1-21/B at Begumpet, Hyderabad, registered vide Document No. 5257/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

> K. K. VEER Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad

Date: 5-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th May 1980

Ref. No. RAC. No. 75/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop 11-6-204 situated at Nampally Station Road, Hyd.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Khairatabad on Sept.-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax. Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following peersons, namely:—

(1) Smt. Khundija Begum, H. No. 3-3-53/6, Kchiguda, Hyderabad. (Transferor)

(2) Shri Mohd, Omar, H. No. 3-3-53/6, Kachiguda, Hyderabad. (Tiansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as a are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

It is a mulgi bearing Municipal No. 11-6-204, admeasuring 81.77 square yards, equivalent to 68.06 square metres, situated at Public Garden Road, Nampally, Hyderabad Registered Vide Document No. 2517/79 at the office of he Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 5-5-1980

PORM'ITNS'----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th May 1980

Ref. No. RAC. No. 76/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1-1-70 to 72 situated at Mushcerabad, Hyderabad (and/emore fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred:

under the Registration Act, 1908 '(16' of' 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept.-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (2) facilitating the concealment of any income or any manifes on other which have not been not which we not been not which wought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
35—96GI/80

(1) 1. Sri Iftekhar Baig Khan, 2. Smt. Karimunnisa Begum,

3. Smt. Anjum Jehan, G.P.A. for 3 persons Sri Syed Shah Noor Ali R/o Malakpet, Hyderabad. (Transferor)

(2) Sri K. Y. Rajaih, S/o Krishnalah, partner in M/s. Sree Lakshmi Sai Baba Engineering Works, Mushecrabad, Hyderabad. (M. No. 1-1-70 to 72 at Musheerabad, Hyderabad). (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 1-1-70 to 72 at Musheerabad, Hyderabad, admeasuring 974 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 5109/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Destor: 5-5-1980¹

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th May 1980

Ref. No. RAC. No. 77/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 25,000/and bearing

No. 1-1-73 to 74 situated at Musheerabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept.-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely:—

S/Sri 1. Iftekhar Baig Khan,
 Smt. Karimunnissa Begum,
 Smt. Anjum Jehan, for 3 G.P.A. holder
 Sped Shah Noor Ali, residing at Malakpet,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Y. Rajaiah, S/o Krishnaiah, partner in M/s. Sree Lakshmi Sai Baba Engineering Works, at 1-1-73 to 74 Musheerabad, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 1-1-73 and 74 at Musheerabad, Hyderabad, registered vide Document No. 5108/79 in the office of the Joint Sub-Registar, Hyderabad,

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 5-5-1980

PART III—SEC. 1]

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Valluri Narsimha Rao, 2-14-137 at Shayamalanagar, Guntur—A.P. (Transferor)

(2) Smt. Dharma Bai, W/o Balaji Prasad, R/o Khalleelwadi, Nizamabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th May 1980

Ref. No. RAC. No. 80/80-81.—Whereas, J. K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 160 situ6ated at S. No. 117, 118, Bakaram, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept.-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 160 in survey No. 117, 118, 130, 131 and 138 at Bakaram, Hyderabad, admeasuring 450 Sq. Yds. registered vide Document No. 5377/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 5-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 4961 (434 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th May 1980

Ref. No. RAC. No. 79480-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the finoeme-tax Act, 1961 (43 of: 1961), (herelasticer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Port 3-5-100 situated at Narayanguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept.-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269P of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri T. N. Narsimha Rao, 2. T. Kukmini Devi, Smt.
 Sreelekha, 4. Sureka, R/o 3-5-100, Narayanguda Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. S/Sri G. Vamshidhar, 2. G. D. Sridhar, 3. G. Shashidhar, Guardian for 3 father Sri G. Dhannanjaih, 15-5-677 at Ashok Bazar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA ...of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Back portion of H. No. 3-5-100 measuring 463.25 sq. Yds. at Narayanguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5230 79 in the folice of the Joint Sub-Registran Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

. Date: 5-5-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th May 1980

Rcf. No. RAC. No. 88/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3-6-22 situated at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed her-to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderab... on Sept.-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
34—96GI/80

(1) Sii Sved Yousuf Ali, & others, H. No. 3-6-361/10 at Himayatnagar, Hyderabad. (Transferor)

(2) Mrs Shaheen Hussain, W/o Mohd. Ibrahim Hussain, H. No. 3-6-361/10 at H.mayatnagat, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Building 3-6-22 at Hyderguda, Hyderabad, registered vide D c 150, 5569/79 in the office of the Joint Sub-Registrer Hyderabad

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date . 5-5-1980

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th May 1980

Ref No. RAC. No. 123/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. 154/2, 155/2 and 156/2 situated at Kokapet, Villg. (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad-West on Sept. 79

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2 7 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Sri M A. Qayum, W/o M. A. Jabbar, M. No. 54, Nallaguta Secunderabad.
 (Transferor)
 - S /a Duenachandra Daa
- (2) Sri M. V. Mallikarjuna Rao, S/o Purnachandra Rao, 8-83 Sanathnagar, Hyderabad. (Trænsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land in S. Nos, 154/2, 155/2, 156/2 admeasuring 4 Acrs. 25 Guntas at Kokapet, villg. Rangareddy-Distt, registered vide Document No. 2240/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-West.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 16-5 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th May 1980

Ref. No. RAC. No. 124/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 10-2-1 situated at Vijayanagar Colony, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairtabad on Sept.-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :---

(1) Smt. Salcemaunnisa Begum, W/o Ahmed Mohinu Idin, 12-1-331/50 at Dattatrya Colony, Hyderabad.

(2) Mohd. AbJul Rohman, 2. M. A. Saleem, both at H. No. 17-8-606 at Feetha Yar Khan Bazar, Changchanlguda, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10-2-1 at Vijayanagar Colony, Hyderabad, registered vide Document No. 2570/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

> K. K. VEER Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Patanlal , 2 Bourn Bai W/o late Ram Vallab, 3 Sr₁ M Pil Reddy 4 Sri C Pentach 5 M Yad Reddy 6 Smt M Maninima, 7 Smt M Padmavati 8 M Srimivas Reddy, residing at Aliabad, Hyderabad (Transferor)

(2) M/s Sree Raghavaendia Rice Mill, Represented by its partner Sii P Bal Reddy, & others, 18 2 474/3, Jangammet, Hyderabad

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabid, the 16th May 1980

Ref No RAC No 125/80 81—Whereas, I K K VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No 18 2 474/3 situated at Janganimet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been to a ferr J under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampuia on Sept 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rice Mill & Shed bearing M No 18 2-474/3, at Jangammet, Hyderabul registered vide Doc No 2769/79 in the office of the Sub Registrar Azampura

K K VEER
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,, Hyderabad

Date 16-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th May 1980

Ref. No. RAC. No. 126/80-81,---Whereas I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4-3-83 to 85, situated at Ghanasmandi, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) S/Sri Akıtıhm Khan,

2. Bibi Begum,

3. Malika Banoo Begum, all at H. No. 3-2-72 Moti Market, Kachiguda, Hyderabad.

(Transferors)

(2) S/Sri P. Laxmiah,

2. P. Atchiah,

2. P. Auban,
3. P. Anjalah,
4. P. Yadiah,
5. P. Chandrayya,
6. G. P. A. Sudershan, and
7. P. Poubbakar

7. P. Prabhakar,

all at H. No. 5-1-531 at Ghasmandi,

Secunderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 4-3-83 to 85 at Chanddkhan Street, Hill Street, Ghansmandi, Secunderabad, registered vide Doc. No. 2207/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

> K. K. VEER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 16-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th May 1980

Ref. No. RAC. No. 127/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-125, situated at Fatchnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trasnferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), the office of the Registering Officer at Hyderabad-West on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri Annan Veeraiah,
 H. No. 4-4-44 Gunj Bazar,
 Secunderabad.
 Sri D. Balraj,

1-120 at Fathenagar, Hydertabad.

(Transferors)

 Smt. P. Laxmamma, w/o Sri P. Venkatesam, H. No. 1-20 at Bibinagar, Bhongir Tq. Nalgonda-Dist.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expues later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 1-125, at Fathenagar, Village, Hyderabad-West, registered vide Doc. No. 2303/79 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad-West.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquiston Range, Hyderabad

Date: 16-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. **HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th May 1980

Ref. No. RAC. No. 128/80-81.—Wheeas I. K. K. VEER. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

5-1-709, situated at Troop Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Srl Sumant Krishnaswamy, 5/0 A. Krishnaswamy, G.P.A. father, H. No. 6-3-853/1, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Anasuya, w/o Sri N. B. Bhadriah, H. No. 3-5-386 Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 5-1-709 Troop Bazar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5555/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

> K. K. VEER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqusiton Range, Hyderabad

Date: 16-5-1980

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th May 1980

Ref. No. RAC. No. 129/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-3-668/15, situated at Panjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri N. Deva Reddy, s/o Malla Reddy & 2 others, H. No. 6-3-708 at Panjagutta, Hyderabad,

(Transferors)

 Sri S. Meghnath Gowd, 5-1-661 at Troop Bazar, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 6-3-668/15 at Panjagutta, Hyderabad, 440 Sy. Yds with Compound wall, registered vide Document No. 2589/79 in the oilice of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisiton Range, Hyderabad

Date ; 16-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th May 1980

Ref. No. RAC. No. 130/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-2-419/A/7,

situated at Alanatinagar Gaddimalkapur, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
35--96GI/80

 Sri K. Andal Narayan Rao, H. No. 11-2-806 at Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri A. Sivavarma,
 H. No. 12-2-419/4/7 at Alapatinagar Guddimalkapur, Hyderabad-28.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE CHEDULE

House No. 12-2-419/A/7, situated at Alapatinagar, Guddimalkapur, Hyderabad, registered vide Document No. 2527/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquiston Range, Hyderabad

Date: 16-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th May 1980

Ref. No. RAC. No. 131/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

10-4-43/4/A, situated at Humayaunnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Akharunnisa Begum,
 Mohd. Ab⁴ul Hameed,
 No. 10-4-43/4 at Humayunnagar,
 Hyderabad.
- Mohd. Hamid Hussain,
 Mohd Masood Hussain,
 both at H. No. 5-9-209/1 at Cheragali lane,
 Hyderabad.

Transferee(s)

Objections, if any, ot the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 10-4-43/4/A at Humayunagar, Hyderabad, registered vide Document No. 5291/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquiston Range, Hyderabad

Date: 16-5-1980

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th May 1980

Ref. No. RAC. No. 132/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Liand S. No. 390, situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri C. H. Surya Parkash, s/o late C. H. Hanumatah, and others, r/o Madhira. Khammam-Distt,

(Transferor)

(2) Smt. U. Lalithamba, w/o late Seshachalam, r/o Balanagar-Villg., Hyderabad-East. Rangareddy-Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in survey No. 390, admeasuring 1143 Sq. Yds. situated at Ban ra Hills Hyderabad, registered vide Doc. No. 5781/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquiston Range, Hyderabad

Date: 16-5-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 16th May 1980

Ref. No. RAC. No. 133/80-81,—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Open plot, situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Kum. D. Rina Rao, d/o D. I. Rao, 8-2-120/76 at Road No. 2 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri G. Venkat Ram Reddy, s/o Ganga Reddy, New Bakaram, Hyderabad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land at Road No. 2 Banjara Hills, Shaikpet-Villg. Hyderabad, registered vide Document No. 2595/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquiston Range, Hyderabad

Date: 16-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

HYDERABAD

Hyderabad, the 16th May 1980

Ref. No. RAC. No. 134/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-3-597/9, situated at Anandnagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad on September, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M1s. E. Padn.r.vathi Kamvel, H. No. 186-West Marcdpally Secunderabad.

(Tran

(2) The Andhra Christian Theological College, Represented by Sri P. Victor-Piemsagar, Principal, at Lower Tank Bund, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 6-3-597/8 admeasuring 470 Sq. yds in part of survey No. 263 situlted at Anandanagar Colony, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2630/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

> K. K. VEER Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 16-5-1980

.TION 269D(1) OF THE INCOME .CT, 1961 (43 OF 1961)

VERNMENT OF INDIA

 Smt. Khairunnisa Begum, w/o late Mohd. Yakub,
 H. No. 242/3-RT-Vijayart.gar Colony, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. Seberunnisa Quader, 242/3-RT-Vijayanagar Colony, Hyderabad.

(Transferees)

THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th May 1980

Ref. No. RAC. No. 135/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

405/M7, situated at Sanjacevaredynagars Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khaintabad on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 405/M-7 (M. No. 7-1-621/333) at Sanjeeva-reddyrbear, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2629/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 16-5-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th May 1980

Ref. No. RAC. No. 136/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing

No. 8-4-369, 377, 378, situated at Erragadda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in nursuance of Section 269C of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Sri P. Vithal Gupta,
 Ramlakshmi,
 Ram Nivas,
 r/o Mahatuiguni,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) S/Sri Ranga Prabhakar Gupta, r/o Kishenguni, Hyderabad.
2. Nashan Venkatiah, r/o Bhongir,
3. Rimga Sudhakar Gupta, r/o Bhongir H. No. 8-4-369, 377, 378 at Erragadda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and plots No. 8-4-369, 377 and 378, situated at Erragadda. Hyderabyd, registered vide document No. 2573/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 16-5-1980

FORM ITNS ------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD

Hyderabad, the 16th May 1980

Ref. No. RAC. No. 137/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

8-2-502/1/A/1, situated at Banjana Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Smt. Kuşum Bharatec,

Satish Chandra,

3. Sudhir Chandra ull residing at H. No. 8-2-503 at Banjara Hills, Road No. 7, Hyderabad

(Transferor)

(2) 1. Sri Radha R. M. Sastry,

Anantha Sastry,
 Ramarhandra Sastry, all residing at
 No. 8-2-502/1/A/1 at Banjara Hills, Road No. 7, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8-2-502/1/A/1 Banjara Hills, Read No. 7, Hyderabad, registered vide Document No. 2513/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

> K. K. VEER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 16-5-1980